राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 309 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,15 मई 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

विधायक जरनैल सिंह का कोरोना से निधन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व आम आदमी पार्टी(आप) विधायक जरनैल सिंह का कोरोना संक्रमण से शुक्रवार को यहां निधन हो गया। वह 48 वर्ष के थे। श्री सिंह पिछले कई दिनों से यहां एक अस्पताल में भर्ती थे, जहां आईसीयू में उनका उपचार चल रहा था। पूर्व पत्रकार रहे श्री सिंह ने 2015 से 2017 तक दिल्ली के राजौरी गार्डन निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने श्री सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री केजरीवाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि दिल्ली के पूर्व विधायक जरनैल सिंह जी के असामयिक निधन से बेहद दुख हुआ।

यूपी-बिहार और गुजरात के लिए शुरू हुईं 16 ट्रेनें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में कोरोना संकट बना हुआ है। जनता की सहुलियत के लिए भारतीय रेलवे ट्रेनों का संचालन कर रहा है। यहां तक की समय-समय पर ट्रेनों को बढ़ाया और घटाया भी जा रहा है। इस बीच वेस्टर्न रेलवे ने बिहार, उत्तर प्रदेश, प. बंगाल और गुजरात आने-जाने के लिए कई स्पेशल ट्रेनों का चलाने का निर्णय लिया है। बिहार, यूपी, गुवाहाटी, अहमदाबाद के लिए 16 ट्रेनों के फेरे बढ़ाए हैं। साथ ही बताया कि कोलकाता, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दानापुर, गुवाहाटी, राजकोट और वडोदरा के लिए ट्रेनें चलेंगी। ट्रेन संख्या 09413 अहमदाबाद 26 मई से शुरू होगी।

असम में ग्रेनेड विस्फोट दो की मौत, दो घायल

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम में तिनसुखिया जिले के डिगबोई में ग्रेनेड विस्फोट करने से दो लोग मारे गये और अन्य दो गंभीर रूप से घायल हो गए। दो मोटरसाइकिल सवार बदमाश तरुण अग्रवाल की हार्डवेयर की दुकान के सामने ग्रेनेड फेंक कर फरार हो गए। इससे हुए विस्फोट में दो लोगों की मौत हो गयी जिनमें एक की पहचान सुरजीत तालुकदार के रूप में हुई है। तालुकदार की एएमसीएच में उपचार के दौरान मौत हो गयी। दूसरी व्यक्ति की पहचान संजीव सिंह (25) के रूप में हुई है। इसके अलावा दो और व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने डिगबोई के टिंगराई मार्केट में ग्रेनेड विस्फोट पर चिंता व्यक्त की है।

सीआईडी ने किया आंध्र के सांसद को गिरफ्तार

हैदराबाद, (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सांसद कनुमारी रघुरामा कृष्णम राजू को सीआईडी ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर राज्य की प्रतिष्ठा के खिलाफ काम करने का आरोप लगा है। सांसद ने कुछ दिनों पहले भ्रष्टाचार के मामलों में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की जमानत रद्द करने की मांग उठाई थी। राजू आंध्र प्रदेश की नरसापुरम लोकसभा सीट से सांसद हैं। वो सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस के ही सांसद हैं, लेकिन काफी समय से बगावती तेवर अपनाए हुए हैं। उनकी गिरफ्तारी हैदराबाद में उनके आवास से आंध्र प्रदेश की सीआईडी ने की। राजू ने सीबीआई की स्पेशल कोर्ट से आय से अधिक के मामले में जमानते की मांग की थी।

स्वामी ब्रहमानंद सरस्वती हुए ब्रह्मलीन

देवबंद (सहारनपुर) (एजेंसी)। श्रीमद स्वामी ब्रहमानंद सरस्वती 116 साल की आयु में ब्रह्मलीन हो गए और शुक्रवार को देवबंद में देवीकुंड के निकट स्थित श्मशान भूमि के बाहर उनके द्वारा स्थापित महाकालेश्वर आश्रम में उनके कक्ष समक्ष` समाधि दे दी गई। देशभर में फैले उनके लाखो अनुयायियों और हजारों निकटस्थ लोगों को गहरा आघात लगा। ब्रह्मानंद जी 1982 से देवबंद को केंद्र बनाए हुए थे।

भारत हिम्मत हारने वाला देश नहीं, हम लड़ेंगे और जीतेंगे -पीएम

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

कोरोना वायरस को अदृश्य दुश्मन बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सौ साल बाद इतनी भीषण महामारी दुनिया की परीक्षा ले रही है। इस अदृश्य दुश्मन के कारण अपने करीबियों को हम खो चुके हैं, जिस कष्ट को देश ने सहा है। अनेक लोग जिस दर्द से गुजरे हैं, वह मैं भी महसूस कर रहा हूं। महामारी की दूसरी लहर का मुकाबला युद्धस्तर पर किया जा रहा है।

उन्होंने विश्वास के साथ कहा कि भारत हिम्मत हारने वाला देश नहीं है। हम लड़ेंगे और जीतेंगे। तीनों सेनाएं पूरी शक्ति से काम में जुटी हैं। आक्सीजन रेल ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई को बड़ी ताकत दी है। स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। डाक्टर, नर्सिंग स्टाफ, लैब टेक्नीशियन और सफाई कर्मी सभी मोर्चे पर जमे हुए हैं। फार्मा सेक्टर ने जरूरी दवाओं का उत्पादन बढ़ाया है। जरूरी मेडिकल उपकरणों व अन्य वस्तुओं का आयात भी हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को वर्चुअल माध्यम से देश के 9.5 करोड़ किसानों के लिए 18 हजार करोड़ रुपये की पीएम-किसान योजना की अगली किस्त जारी करने के बाद किसानों व ग्रामीण भारत को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कोरोना से निपटने के लिए तैयारियों का संक्षिप्त ब्योरा देते हुए कहा कि कोरोना की इस दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के रास्ते के सभी गतिरोध दूर किए जा रहे हैं।

सरकार के सभी विभाग, संसाधन, सुरक्षा बल, विज्ञानी समेत हर कोई दिन-रात कोविड की चुनौती का मुकाबला कर रहा है। नाराजगी भरे लहजे में प्रधानमंत्री ने कहा, इस महामारी में जमाखोरी व कालाबाजारी के निहित स्वार्थ में कुछ लोग लगे हुए हैं। ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। हमने

सभी राज्यों से कहा है कि ऐसे लोगों से सख्ती से निपटें।

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते कोरोना संक्रमण के प्रति आगाह करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसके प्रति सभी किसानों और ग्रामीणों को सतर्क रहने को कहा। यह संक्रमण गांवों में पहुंच रहा है। इससे निपटने का प्रयास हो रहा है। इसमें सरकारी विभागों की तरह पंचायती राज की सभी संस्थाओं की भागीदारी की बहुत जरूरत है। गांव के लोगों से उन्होंने कहा कि आपने कभी निराश नहीं किया है। कोरोना वायरस से लड़ाई में गांव और किसानों का बड़ा योगदान है।

सबसे बड़ी मुफ्त राशन योजना चला रहा भारत -मोदी ने कहा, इसी कोरोना के दौरान ही दुनिया की सबसे बड़ी मुफ्त राशन योजना भारत चला रहा है। गरीब कल्याण अन्न योजना में आठ महीने तक मुफ्त राशन दिया गया। इस बार मई और जून में 80 करोड़ उपभोक्ताओं को फिर मुफ्त राशन दिया जा रहा है। गरीबों के घर में चूल्हा जलाने के लिए सरकार 26 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान कर रही है। राज्यों से इसके लिए कहा गया है कि गरीबों को इस राशन वितरण में परेशानी नहीं आनी चाहिए।

टीकाकरण पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सरकार का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लगे। देश में अभी तक 18 करोड़ लोगों को टीका लग चुका है। सरकारी अस्पतालों में मुफ्त टीकाकरण किया जा रहा है। सबसे अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी बारी आने पर टीका जरूर लगवाएं। यह सुरक्षा कवच है। टीका लगाने के बाद दूरी बनाने और मास्क लगाना जारी रखें।

पीएम की अपील, सर्दी और बुखार को भी हल्के में न लें किसान- पीएम नरेंद्र मोदी ने किसानों से अपील की है कि सर्दी, बुखार जैसे लक्षणों को भी हल्के में न लें। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि गांवों में भी अब कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में कोई लक्षण नजर आने पर टेस्ट कराएं, खुद को आइसोलेट कर लें और समय पर इलाज शुरू कर दें। इसके अलावा वैक्सीनेशन के बाद भी मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना जारी रखें। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में भी कोरोना महामारी तेजी से फैल रही है। किसानों के लिए करीब 20 हजार करोड़ रुपये की रकम पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम की 8वीं किस्त के तौर पर जारी करने के मौके पर प्रधानमंत्री ने ये बातें कहीं।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार कोरोना की दूसरी लहर से निपटने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि नए अस्पतालों के निर्माण से लेकर ऑक्सीजन की सप्लाई तक में सरकार पुरजोर प्रयास कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि वे दवाओं और अन्य जरूरी चीजों की कालाबाजारी पर भी पैनी निगाह रखें। पीएम मोदी ने कहा, %मैं आप लोगों को कोरोना से सचेत करना चाहता हूं। गांवों में कोरोना महामारी तेजी से पैर फैला रही है। हर सरकार की ओर से इसे रोकने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस महमारी को लेकर ग्रामीणों में जागरूकता और पंचायत स्तर पर सहयोग से ही निपटा जा सकता है। नियमित और सही तरीके से मास्क पहनना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका, सीबीएसई की बारहवीं की परीक्षा रद करने की मांग

नई दिल्ली , (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल हुई है जिसमें सीबीएसई की बारहवीं की परीक्षा निरस्त किए जाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि बारहवीं के रिजल्ट घोषित करने की तय समयसीमा में एक वस्तुनिष्ठ प्रणाली तैयार की जाए। ममता शर्मा की ओर से दाखिल की गई इस जनहित याचिका में केंद्र सरकार, सीबीएसई और सीआइसीएसइ को पक्षकार बनाते हुए निर्देश मांगा गया है।

याचिका में दोनों बोर्ड द्वारा जारी नोटीफिकेशन के उस अंश को रद करने की बात कही गई है जो

बारहवीं की परीक्षा टालने की बात करते हैं।सीबीएसई ने 14 अप्रैल को कक्षा 10 की परीक्षा निरस्त कर दी थी और कक्षा 12 की परीक्षा टालने की घोषणा की थी। इसी तरह सीआइएससीई ने 16 और 19 अप्रैल के सर्कुलर में कक्षा 10 की परीक्षा निरस्त कर दी थी और कक्षा 12 की परीक्षा अनिश्चितकाल के लिए टालने की घोषणा की थी। याचिकाकर्ता ममता शर्मा ने कोर्ट से कहा है कि छात्रों के पूर्व ग्रेड के आधार पर बारहवीं का रिजल्ट घोषित किया जाए। यह परीक्षा चार मई से होनी थी, लेकिन अप्रैल में ही कोरोना का भयावह रूप सामने आने लगा। इसी दौरान देश में कोरोना के मामले बेतहाशा बढ़ने लगे। उसके बाद 10वी की परीक्षा रद करने और 12 वीं की परीक्षा स्थगित करने का फैसला लिया गया।

परीक्षा कराने का भी विकल्प

सीबीएसई ने 12वीं की परीक्षा स्थगित कर दी थी। उसे एक बार फिर कराने पर के विकल्प पर भी विचार किया जा रहा है। 12 वीं की परीक्षा आनलाइन परीक्षा लेने को एक धड़ा सहमति जता रहा है। इस खबर से छात्रों-अभिभावकों में खलबली मच गई है। अभिभावकों ने कहा कि यदि सचमुच ऐसा हो गया तो बहुत परेशानी होगी। कई छात्रों ने यह सोचकर पढ़ाई छोड़ दी थी कि अब परीक्षा नहीं होगी। लेकिन यदि सीबीएसई ऐसा करती है तो उन्हें फिर से पढ़ना होगा। इसके लिए सीबीएसई को कम से कम एक माह का समय देना होगा, वरना कई बच्चों का कॅरियर खराब हो जाएगा।

गोवा के अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी, 13 और मरीजों ने तोड़ा दम; चार दिनों में 75 की मौत

पणजी, (एजेंसी)।

गोवा मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) में शुक्रवार तड़के कोविड-19 से 13 और मरीजों की मौत हो गई। इसके पीछे की वजह ऑक्सीजन में कमी बताई जा रही है। पिछले चार दिन में इस सरकारी अस्पताल में 75 लोगों की जान जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में बताया।

अस्पताल में मौत के संबंध में बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ भी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। राज्य सरकार ने जीएमसीएच में हालिया मौतों के असल कारणों के बारे में नहीं बताया है लेकिन उच्च न्यायालय को सूचित किया गया कि मरीजों को चिकित्सकीय ऑक्सीजन की आपूर्ति में परिवहन संबंधी कुछ मुद्दे हैं। वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि जीएमसीएच के अलग-अलग कोविड-19 वार्ड में शुक्रवार तड़के भर्ती 13 और मरीजों की मौत हो गई। पिछले चार दिनों में अस्पताल में रात दो बजे से सुबह छह बजे के बीच मरने वाले मरीजों की संख्या 75 हो गई है।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार तड़के जीएमसीएच में 26 मरीजों की, बुधवार को 21 मरीजों की, बृहस्पतिवार को 15 मरीजों की और शुक्रवार को 13 मरीजों की मौत हो गई। हाई कोर्ट चिकित्सकीय ऑक्सीजन की कथित कमी के कारण जीएमसीएच में कोविड-19 के मरीजों की मौत के संबंध में कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है।

अस्पताल में मरीजों की मौत के संबंध में गोवा फॉरवर्ड पार्टी के अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने कहा कि उच्च न्यायालय को राज्य का नियंत्रण अपने हाथों में ले लेना चाहिए क्योंकि शासन व्यवस्था ध्वस्त हो गई है।बता दें कि इससे पहले भी कई और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश में ऑक्सीजन की कमी की वजह से कोरोना मरीजों की जान जा चुकी है। पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के तिरुपति के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी की वजह से 11 कोरोना मरीजों की मौत हो गई थी।

ठाणे में ब्लैक फंगस के इलाज के लिए विशेष ऑपरेशन थियेटर शुरू होगा

ठाणे ■ एजेंसी

कोरोना मरीजों में फंगल संक्रमण म्यूकरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के बढ़ते मामलों के मद्देनजर इसके इलाज के लिए महाराष्ट्र के ठाणे के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक ऑपरेशन थियेटर शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

आधिकारिक विज्ञप्ति में जानकारी दी गई कि जिला संरक्षक मंत्री एकनाथ शिंदे ने इस बीमारी को रोकने के लिए किये गये उपायों को लेकर एक आपातकालीन बैठक के दौरान ऑपरेशन थियेटर शुरू करने का निर्देश दिया। निम्न प्रतिरक्षा और मधुमेह से ग्रस्त कोरोना रोगियों में फंगल संक्रमण 'म्यूकरमाइकोसिस' विकसित होने की आशंका अधिक रहती है और अगर समय पर इसका इलाज नहीं किया गया तो यह संक्रमण आंखों के जरिए दिमाग में पहुंच सकता है और इससे मरीज की मौत हो जाती है। मुंबई महानगर क्षेत्र में इस तरह के संक्रमण वाले रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है जिसे देखते हुये ऐसे रोगियों की सर्जरी के लिए श्री शिंदे ने ठाणे के कालवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक विशेष ऑपरेशन थियेटर शुरू करने का निर्देश दिया है।

आपातकालीन बैठक

दिल्ली क्राइम ब्रांच ने श्रीनिवास से की पूछताछ

कांग्रेस बोली- और कितना नीचे गिरेगी सरकार?

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शुक्रवार को यूथ कांग्रेस प्रमुख बी वी श्रीनिवास से पूछताछ की। पुलिस शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यालय पहुंची थी। श्रीनिवास ने कहा कि वे जानना चाहते थे कि कोरोना काल में हम लोगों की मदद कैसे कर रहे हैं। हमने उनके सभी सवालों के जवाब दिए। दिल्ली पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि मदद के नाम पर कहीं कालाबाजारी तो नहीं की गई। ऑक्सीजन सिलिंडर और दवाओं के स्त्रोत के बारे में जाना। बता दें कि हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस उन सभी लोगों से पूछताछ कर रही है, जो कोरोना काल में लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं इसको लेकर कांग्रेस आग बबूला हो गई। रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि और कितना नीचे गिरेगी मोदी सरकार? इससे घटिया, बचकाना और घृणित कार्य और क्या हो सकता है? उन्होंने कहा कि कोरोना के संकट में फरिश्तों की तरह मदद करने वाले श्रीनिवास और युवा साथियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई मोदी सरकार का घिनोना व भयानक चेहरा है। साथ ही उन्होंने चुल्लू भर पानी में डूब मरने की बात कही।

नवनीत कालरा को दिल्ली हाईकोर्ट से भी राहत नही

नई दिल्ली। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जमाखोरी मामले में आरोपी नवनीत कालरा को दिल्ली हाईकोर्ट ने राहत देने से इनकार कर दिया है। नवनीत कालरा ने साकेत कोर्ट के अग्रिम जमानत न देने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 18 मई को होगी। आरोपी नवनीत कालरा की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी हाईकोर्ट में पेश हुए थे। हाईकोर्ट में अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की कीमत पर सरकार ने कोई कैपिंग नहीं की थी। यानी सरकार की तरफ से कोई कीमत निर्धारित नहीं की गई थी।

संसदीय समितियों की ऑनलाइन बैठकों को मंजूरी देने से इनकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर और उप राष्ट्रपति ने संसदीय समितियों की ऑनलाइन बैठक आयोजित करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। विपक्षी दलों ने इस कदम का विरोध किया है। उनका कहना है कि कैबिनेट और न्यायपालिका जब वर्चुअल तरीके से काम कर सकती है तो संसदीय समितियों को ऐसा करने की मंजूरी क्यों नहीं मिल रही है। कई विपक्षी दलों के अलावा एनडीए में शामिल कई पार्टियों ने भी इसके लिए वकालत की थी। हालांकि महामारी के इस दौर में उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने संसदीय समितियों को ऑनलाइन बैठकें करने की इजाजत नहीं दी है। कोरोना के कारण विधायी प्रक्रिया वैसे ही ठप सी पड़ी है। तकनीकी और गोपनीयता के प्रावधानों का हवाला देते हुए संसद के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया है।

लोकसभा स्पीकर, उप राष्ट्रपति ने जताई आपत्ति

गोवा : ऑक्सीजन की कमी से 13 मरीजों की मौत

पणजी, (एजेंसी)। मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शुक्रवार तड़के ऑक्सीजन की कमी से कोरोना वायरस संक्रमित कम से कम 13 लोगों की जानें गईं। इसके साथ ही राज्य में पिछले चार दिनों में मृतकों का आंकड़ा 75 तक पहुंच गया। पूर्व मंत्री एवं गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) अध्यक्ष विजय सरदेसाई ने कहा कि तड़के दो से छह बजे तक चार घंटे मुश्किल की घड़ी रही। इस दौरान ऑक्सीजन की कमी के कारण 13 लोगों की मौत हो गई।

तौकते तूफान का खतरा

लक्षद्वीप में बना गहरे दबाव का क्षेत्र, महाराष्ट्र, गुजरात और केरल में रेड अलर्ट, एनडीआरएफ रवाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अरब सागर में तौकते तूफान बड़ा खतरा बनकर आ रहा है। लक्षद्वीप में गहरे दबाव का क्षेत्र बन गया है, यह अगले 24 घंटे में गुजरात तट की ओर बढ़ेगा। इसे देखते हुए महाराष्ट्र, गुजरात, केरल में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में एनडीआरएफ की टीमें रवाना कर दी गई हैं। अरब सागर और लक्षद्वीप के ऊपर बने चक्रवात तौकते के तेज होने के मद्देनजर महाराष्ट्र, केरल और गुजरात के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कहा कि लक्षद्वीप क्षेत्र में एक दबाव बन गया है। यह अगले 24 घंटों के दौरान एक चक्रवात में बदल जाएगा और गुजरात तट की ओर बढ़ेगा। अगले 12 घंटों में यह चक्रवाती तूफान और तेज हो सकता है। यह उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने के साथ 18 मई की सुबह तक यह गुजरात तट पर पहुंच सकता है। शनिवार शाम तक इसके उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है।

शाह अयोग्य रणनीतिकार प्रशांत किशोर का दावा

चुनाव में तीन बार चटाई धूल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बंगाल के चुनाव में ममता बनर्जी के रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर का कहना है कि उन्होंने अमित शाह के नेतृत्व में लड़े जाने वाले तीन चुनावों में भाजपा को धूल चटा दी। 'द वायर' में छपी रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमित शाह सबसे ज्यादा ओवररेटेड राजनीतिक और चुनावी रणनीतिकार हैं। उन्होंने कहा कि 2015 में बिहार, दिल्ली और बंगाल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद पंजाब और आंध्र प्रदेश में भी मुंह की खानी पड़ी जहां वे अपने सहयोगियों के साथ मैदान में थे। प्रशांत किशोर ने 2017 में हुए उत्तर प्रदेश के चुनाव का जिक्र नहीं किया। दरअसल इस चुनाव में वह कांग्रेस के लिए रणनीतिकार का काम कर रहे थे लेकिन पार्टी को बुरी हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने इस हार की जिम्मेदारी भी नहीं ली और कह दिया था कि राहुल गांधी गंभीरता से चुनाव नहीं लड़ते हैं। प्रशांत किशोर के इस दावे को दरकिनार इसलिए नहीं किया जा सकता है क्योंकि वे मोदी और शाह दोनों के ही काफी करीब रहकर काम कर चुके हैं। हालांकि उस दौरान अमित शाह के साथ उनके रिश्ते कैसे थे, यह नहीं कहा जा सकता। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक अमित शाह को यह अच्छा नहीं लगता था कि पीके मोदी के ज्यादा करीबी बनें और इसलिए उन्हें धीरे- धीरे किनारे किया गया।

एनएसयूआई नेता ने गृहमंत्री अमित शाह के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई

कोरोना वायरस महामारी के समय में नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने दिल्ली पुलिस में देश के गृहमंत्री अमित शाह के लापता होने की विगत दिन शिकायत दर्ज कराई है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय महासचिव नागेश करियप्पा ने अमित अनिल चंद्र शाह के लापता हो जाने की शिकायत दर्ज करवाते हुए कहा है कि जब देश घातक महामारी से पीड़ति है और देश के नागरिक संकट में हैं। ऐसे में राजनेताओं का यह कर्तव्य है कि वे भारत सरकार या भाजपा सरकार के प्रति ही नहीं बल्कि पूरे देश के प्रति जवाबदेह हों। एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव एवं मीडिया प्रभारी लोकेश चुग ने कहा कि 2013 तक राजनेता नागरिकों के प्रति जिम्मेदार थे।

गाजीपुर में फिर गंगा में बहती दिखी 15 लाशें

गाजीपुर, (एजेंसी)। गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र के चोचकपुर शवदाह स्थल के पास गुरुवार वार शाम को 15 शव दिखने से गांव में खलबली मच गई।

पुलिस ने आठ शवों को बाहर निकलवाया। जबकि सात शव गंगा की तेज धारा में बह गए। गुरुवार देर शाम गांव के कुछ लोग अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर घाट पर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर गंगा में किनारे उतराए शवों पर पडी।लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। बाद में पुलिस ने मजदूरों की मदद से आठ शवों को तो बाहर निकलवा लिया, लेकिन सात शव अधिक गहरे पानी में होने के कारण गंगा की धारा में बह गए। पुलिस ने चार शवों का गुरुवार और चार का अंतिम संस्कार शुक्रवार को कराया।

अब शवों के जल प्रवाह पर योगी सरकार सख्त हो गई है।, एसडीआरएफ और पीएसी नदियों में पेटोलिंग करेगी।

आठ का अंतिम संस्कार, सात तेज धारा में बह गए

पर्व

कोरोना प्रोटोकाल और सोशल डिस्टेंसिंग का किया गया पालन

सादगी से मनाया गया ईद उल फितर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश और दुनिया में शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ ईद उल फितर का त्योहार मनाया गया लेकिन कोरोना महामारी के कारण इस खुशी के अवसर पर भी अपने घरों में ही रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजधानी के ऐतिहासिक जामा मस्जिद समेत देश की अधिकतर मस्जिदें कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन की वजह से बंद हैं और लोग ईद उल फितर पर भी अपने घरों में ही नमाज अदा कर रहे हैं। लोग महामारी को देखते हुए सादगी के साथ और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये भाईचारे का यह त्योहार मना रहे हैं। लोगों ने घर पर ही नमाज अदा करने के बाद परिजनों और पडोसियों को ईद की बधाई दी। इसके बाद लोगों

ने फोन और सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों से रिश्तेदारों, दोस्तों और शुभचिन्तकों को ईद की खुशियां साझा की और मुबारकबाद दी। देश में इस अवसर पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने देशवासियों को ईद उल फितर की बधाई दी है। राष्टपति राम नाथ कोविंद ने आपसी भाईचारे के त्योहार ईद उल फितर की देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस बीच, राजस्थान में सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की नगरी अजमेर में आज ईद उल फितर का त्योहार मुस्लिम समाज घर पर ही रहकर धार्मिक रस्म अदायगी के साथ खुशनुमा माहौल में मना रहा है। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने भी कोरोना संक्रमण को देखते हुए अपने आवास पर ही नमाज अदा की और ईद-उल-फितर के मौके पर सभी के स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना की। श्री नकवी ने ट्वीट करके कहा कि कोरोना महामारी के कारण सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए आज मैंने ईद-उल-फितर के अवसर पर अपने आवास पर नमाज अदा की।

संक्षिप्त समाचार

पेंटागन का बयान, भारत को 159 ऑक्सीजन सांद्रक भेजने की तैयारी कर रहे

वाशिंगटन। पेंटागन की ओर से बताया गया कि अमेरिका के रक्षा बल अगले हफ्ते वाणिज्यिक उड़ान के माध्यम से भारत में 159 ऑक्सीजन सांद्रक भेजने की तैयारी कर रहे हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने बृहस्पतिवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''रक्षा संसाधन एजेंसी त्राविस एयरफोर्स बेस पर 159 ऑक्सीजन सांद्रक तैयार कर रही है। इन्हें वाणिज्यिक उड़ान के जरिए सोमवार यानी 17 मई को भारत रवाना किया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''निश्चित ही हम भारत सरकार में अपने सहयोगियों के साथ करीबी संपर्क में बने हुए हैं ताकि उन्हें हर वो सहायता दे सकें जिसकी उन्हें आवश्यकता है।'' किर्बी ने कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भी चाहते हैं कि पेंटागन भारत के नेताओं के साथ समन्वय बनाकर और उनसे परामर्श कर उनकी हर संभव मदद करे।

सैन्य जुंटा के खिलाफ म्यांमार की ब्यूटी क्वीन ने उठाई राइफल, कहा- अपनी जान देने के लिए हूं तैयार

म्यांमार। साल 2013 में थाईलैंड में पहली मिस ग्रैंड इंटरनेशनल ब्यूटी पेजेंट में म्यांमार का प्रतिनिधित्व करने वाली तार तेत तेत ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के सैन्य जुंटा के खिलाफ हथियार उठा लिया है। बता दें कि म्यांमार की पूर्व ब्यूटी क्वीन ने असॉल्ट राइफल के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट की हैं जिसमें सैन्य जुंटा के खिलाफ विद्रोह करते साफ नज़र आ रही है। जानकारी के मुताबिक, 32 वर्षीय तार तेत तेत म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में जातीय सशस्त्र समूहों में शामिल हो गई हैं।

तार तेत तेत ने अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'वापस लड़ने का समय आ गया है। चाहे आप हथियार, कलम, कीबोर्ड धारण करें या लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के लिए धन दान करें, क्रांति को सफल बनाने के लिए सभी को अपना योगदान देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'मूझसे जितना भी हो सकेगा, मैं लड़ूंगी। मैं तैयार हूं और सबकुछ त्यागने के लिए भी तैयार हूं। मैं अपनी जान देने के लिए भी तैयार हूं।' तार तेत तेत ने ट्वीट कर कहा, 'क्रांति एक सेब नहीं है जो पके होने पर गिरता है। आपको इसे गिराना है। हमें जीतना चाहिए,'।

ब्रिटेन में पैर पसार रहा कोरोना का बी1.617.2 स्वरूप, एक हफ्ते में केसों की संख्या हुई दोगुनी

लंदन। कोविड-19 के बी1.617.2 स्वरूप के मामलों की संख्या ब्रिटेन में एक हफ्ते के भीतर दोगुनी हो गई है। इसके मद्देनजर देश के जिन हिस्सों में वायरस का यह स्वरूप तेजी से फैलने लगा है, वहां जांच और टीकाकरण में तेजी लाई जा रही है। कोविड-19 के बी1.617.2 स्वरूप की सबसे पहले भारत में पहचान की गई थी। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड (पीएचई) ने गुरुवार को कहा कि उसके ताजा विश्लेषण में यह बात सामने आई है कि वायरस के इस बेहद संक्रामक स्वरूप से पिछले सप्ताह 520 लोग संक्रमित हुए थे। यह संख्या इस सप्ताह बढ़कर 1313 हो गई। ज्यादातर मामले उत्तर पश्चिम इंग्लैंड और लंदन में पाए गए हैं और संक्रमण की इस कड़ी को तेजी से तोड़ने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा रहे हैं। कोविड-19 वायरस का यह स्वरूप सबसे पहले महाराष्ट्र में मिला था।

अफगानिस्तान: जुमे की नमाज के दौरान मस्जिद में विस्फोट से 12 लोगों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में रमजान के पवित्र महीने के दौरान भी आतंकियों की ओर से हिंसा जारी है। उत्तरी काबुल में शुक्रवार को जुमे की नमाज के समय एक मस्जिद में हुए विस्फोट में 12 नमाजियों की मौत हो गई। काबुल पुलिस के प्रवक्ता फर्दवस फरामर्ज ने बताया कि मस्जिद के इमाम मुफ्ती नईमन की भी हमले में मौत हो गई। वहीं 15 अन्य लोग घायल हुए हैं। फरामर्ज ने बताया कि नमाज शुरू होते ही धमाका हो गया। अभी तक किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन प्राथमिक जांच से प्रतीत होता है कि शायद इमाम को निशाना बनाकर हमला किया गया था। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में तीन शव मस्जिद में खून से लथपथ नजर आ रहे हैं, जिसमें एक नाबालिग भी है। यह विस्फोट ऐसे वक्त हुआ है जब तालिबान और अफगानिस्तान सरकार ने ईद-उल-फितर के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की घोषणा कर रखी है। अफगानिस्तान में रमजान महीने के दौरान ही आतंकी हमलों में करीब 250 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। तालिबान की ओर से बीते दिनों ईद को देखते हुए तीन दिनों के सीजफायर का ऐलान किया गया था, लेकिन उसके बाद भी हिंसा की घटनाएं जारी हैं। दरअसल अमेरिका ने इस साल 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से अपने सभी सैनिकों की वापसी का ऐलान किया है।

के पी शर्मा ओली ने नेपाल के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, पुराने मंत्रिमंडल को बरकरार रखा

काठमांडू। (एजेंसी)।

संसद में विश्वासमत गंवाने के कुछ दिन बाद के पी शर्मा ओली ने शुक्रवार को तीसरी बार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने ओली (69) को शीतल निवास में एक समारोह में नेपाल के 43 वें प्रधानमंत्री के तौर पर पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। राष्ट्रपति ने नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी के नेता के तौर पर ओली को प्रधानमंत्री नियुक्त किया। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली को बृहस्पतिवार को इस पद पर फिर से नियुक्त किया गया जब विपक्षी पार्टियां नयी सरकार बनाने के लिए संसद में बहुमत हासिल करने में विफल रहीं। इससे तीन दिन पहले ओली प्रतिनिधि सभा में अहम विश्वास मत हार गए थे। ओली को अब 30 दिन के भीतर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा जिसमें विफल रहने पर संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के तहत सरकार बनाने का प्रयास शुरू किया जाएगा।

समारोह के दौरान ओली के मंत्रिमंडल के मंत्रियों ने भी शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ओली और उप प्रधान मंत्री ईश्वर पोखरेल ने ईश्वर शब्द का जिक्र नहीं किया जबकि राष्ट्रपति भंडारी ने इसका उल्लेख किया। ओली ने कहा, ''मैं देश और लोगों के नाम पर शपथ लूंगा।'' जबकि राष्ट्रपति ने ''ईश्वर, देश और लोगों'' का उल्लेख किया। पुराने मंत्रिमंडल के सभी मंत्रियों और राज्य मंत्रियों को नए मंत्रिमंडल में जगह दी गयी है। प्रदीप ज्ञवाली विदेश मंत्री जबकि राम बहादुर थापा और बिष्णु पौडयाल क्रमशः गृह और वित्त मंत्री बनाए गए हैं। देश में कोविड-19 संक्रमण के मद्देनजर समारोह में सीमित लोगों की मौजूदगी थी। नए मंत्रिमंडल में 22 मंत्री और तीन राज्य मंत्री हैं। इससे पहले, ओली 11 अक्टूबर, 2015 से तीन अगस्त, 2016 तक और फिर 15 फरवरी, 2018 से 13 मई, 2021 तक प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

सदन में सोमवार को ओली के विश्वास मत हार जाने के बाद राष्ट्रपति ने विपक्षी पार्टियों को बहुमत के साथ नयी सरकार बनाने के लिए दावा पेश करने के लिहाज से बृहस्पतिवार रात नौ बजे तक का समय दिया था। बृहस्पतिवार तक, नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को अगले प्रधानमंत्री के तौर पर अपनी दावेदारी रखने के लिए सदन में पर्याप्त मत मिलने की उम्मीद थी। उन्हें सीपीएन-माओइस्ट सेंटर के अध्यक्ष पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' का समर्थन प्राप्त था। लेकिन ओली के साथ अंतिम वक्त में बैठक करने के बाद माधव कुमार नेपाल के रुख बदलने पर देउबा का अगला प्रधानमंत्री बनने का सपना टूट गया। ओली की अध्यक्षता वाली सीपीएन-यूएमएल 121 सीटों के साथ 271 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी है। वर्तमान में सरकार बनाने के लिए 136 सीटों की जरूरत है। नेपाल में राजनीतिक संकट पिछले साल 20 दिसंबर को शुरू हुआ था जब राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री की सलाह पर प्रतिनिधि सभा को भंग कर दिया था।

इजरायल और गाजा की आसमानी लड़ाई के बाद अब जमीनी आक्रमण शुरू

यरुशलम। (एजेंसी)।

इजराइल ने उत्तरी गाजा में उग्रवादी सुरंगों के व्यापक जाल को नष्ट करने की कवायद में शुक्रवार तड़के अपने तोपखाने से भारी गोलाबारी की। सेना ने यह जानकारी दी। इस गोलाबारी से सेना के अग्रिम मोर्चे की पहुंच असैन्य क्षेत्रों के और करीब आ गयी है तथा जमीनी आक्रमण की आशंकाओं को बल मिला है। इजराइल ने इस्लामिक उग्रवादी संगठन हमास से लड़ने के लिए गाजा सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को भेजा है और 9,000 सैनिकों को तैयार रहने को कहा है। गाजा पर हमास का कब्जा है। फलस्तीनी उग्रवादियों ने करीब 1,800 रॉकेट दागे और सेना ने 600 से अधिक हवाई हमले किए जिसमें कम से कम तीन इमारतें ध्वस्त हो गईं। यह दिखाता है कि दोनों शत्रु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। इजराइल में चौथी रात भी साम्प्रदायिक हिंसा होने के बाद लड़ाई और तेज हो गई।

यहूदी और अरब समूहों में लॉड शहर में झड़पें हुई। पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के आदेश देने के बावजूद झड़पें हुईं। गाजा शहर के बाहरी इलाकों में विस्फोटों के कारण आसमान में धुएं का गुबार देखा गया। उत्तरी गाजा पट्टी में रफात तनानी, उनकी गर्भवती पत्नी और चार बच्चे इजराइल के हमले में मारे गए। यह लड़ाई सोमवार को शुरू हुई जब यरुशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास ने लंबी दूरी के रॉकेट दागने शुरू किए। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कई हवाई हमले किए। तब से इजराइल ने गाजा में सैकड़ों

ठिकानों को निशाना बनाया है। गाजा उग्रवादियों ने इजराइल में करीब 2,000 रॉकेट दागे जिससे देश के दक्षिण क्षेत्र में जनजीवन ठप हो गया। तेल अवीव शहर को निशाना बनाते हुए भी कई रॉकेट दागे गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमलों में 119 लोग मारे गए जिनमें 31 बच्चे और 19 महिलाएं शामिल हैं जबकि 830 लोग घायल हो गए। हमास और इस्लामिक जिहाद उग्रवादी समूह ने 20 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है।

हालांकि इजराइल ने कहा कि संख्या इससे कहीं अधिक है। इजराइल में सात लोगों की मौत हो गई जिनमें छह साल का लड़का शामिल है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लड़ाई जारी रखने का आह्वान करते हुए एक बयान में कहा, ''मैंने कहा था कि हमास से बहुत भारी कीमत वसूल करेंगे। हम यही कर रहे हैं और भारी बल के साथ यही करते रहेंगे।'' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने लड़ाई खत्म करने को लेकर नेतन्याहू से बात की है लेकिन साथ ही इजराइली नेता का समर्थन भी किया।

हमास ने भी पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है। उसने दिन भर कई रॉकेट दागे। हमास ने कहा कि उसने गाजा से सबसे शक्तिशाली रॉकेट अयाश दागे। उसने दो ड्रोन भी छोड़े जिसे इजराइल ने फौरन मार गिराया। हमास के सैन्य प्रवक्ता अबू उबेदा ने कहा कि उनका समूह जमीनी आक्रमण से डरा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी आक्रमण से सैनिकों को मारने या बंधक बनाने की आशंका बढ़ेगी। यह संघर्ष ऐसे वक्त चल रहा है जब मुस्लिमों के लिए रमजान का पवित्र महीना खत्म होने के बाद ईद मनायी जा रही है। हिंसा का यह दौर एक महीने पहले यरुशलम में शुरू हुआ जहां रमजान के पवित्र महीने के दौरान हथियारों से लैस इजराइली पुलिस तैनात रही और यहूदी शरणार्थियों द्वारा दर्जनों फलस्तीनी परिवारों को निर्वासित करने के खतरे ने प्रदर्शनों को हवा दी और पुलिस के साथ झड़पें हुई। अल अक्सा मस्जिद में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और प्रदर्शनकारियों पर ग्रेनेड फेंके। इस लड़ाई ने इजराइल में दशकों बाद भयावह यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया है। इजराइली मीडिया ने बताया कि दूसरे यहूदी व्यक्ति को गोली मार दी गई। तेल अवीव के पास जाफा में अरब लोगों के समूह ने एक इजराइली सैनिक पर हमला कर दिया और उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस प्रवक्ता मिक्की रोसेनफेल्ड ने कहा कि इस हफ्ते की शुरुआत में साम्प्रदायिक हिंसा शुरु होने के बाद से करीब 750 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि लॉड तथा तेल अवीव में पुलिस की लोगों से रात भर झड़प होती रही।

क्वाड सहयोग के जरिए और काम करना चाहते हैं अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया, चीन पर हुई चर्चा

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया क्वाड सहयोग के जरिए और अधिक काम करना चाहते हैं। दोनों देशों के शीर्ष राजनयिकों ने अपनी बातचीत में चीन पर चर्चा करने के बाद यहां यह जानकारी दी। अमेरिका के विदेश मंत्री टोनी ब्लिंकन ने यहां आईं ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मारिस पायने के साथ बृहस्पतिवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र की साझा सोच को आगे बढ़ाने की खातिर हम भारत और जापान के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम बड़ी, जटिल चुनौतियों से निपट रहे हैं जैसे कि पूर्व और दक्षिण चीन सागर में अंतरराष्ट्रीय नियम का पालन सुनिश्चित करना और कोविड-19 रोधी टीकों की दुनियाभर में सुरक्षित एवं प्रभावी पहुंच बनाना।''

ब्लिंकन ने कहा, ''राष्ट्रपति जो बाइडन मार्च में क्वाड के पहले शिखर सम्मेलन का आयोजन करके गौरवान्वित हुए। हम आने वाले महीनों और वर्षों में अपने सहयोगियों के सहयोग से और अधिक काम करने के लिए उत्साहित हैं।'' क्वॉड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग को संक्षेप में क्वॉड कहा जाता है। इसका गठन साल 2007 में किया गया था। इसमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। पायने ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के चीन के साथ संबंधों पर बातचीत की गई। उन्होंने कहा, ''चीन के साथ ऑस्ट्रेलिया रचनात्मक संबंध चाहता है। हम संवाद फिर से शुरू करने के लिए किसी भी वक्त तैयार हैं।'' चीन के साथ बिगड़ते व्यापार और अन्य विवादों में ऑस्ट्रेलिया के साथ खड़े रहने का आह्वान करते हुए ब्लिंकन ने कहा, ''मैं यह दोहराता हूं कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया को अकेला नहीं छोड़ेगा, खासतौर से चीन की ओर से आर्थिक दबाव के मामले में।'' पायने ने इस समर्थन का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से म्यांमा की सेना से लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को सत्ता में लौटने देने का अनुरोध किया।

कोरोना से नेपाल का हाल-बेहाल, बढ़ती मौतों के कारण भरे शवदाह गृह

काठमांडू। (एजेंसी)।

नेपाल में प्रख्यात पशुपतिनाथ मंदिर के पास स्थित श्मशान घाट समेत अन्य शवदाहगृहों में, कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान संक्रमण से मरने वाले लोगों के शव बड़ी संख्या में आ रहे हैं। मीडिया में आयी एक रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बताया कि कोविड-19 से 214 और लोगों ने जान गंवा दी।देश में इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या अब 4,466 हो गई है। देश में कोरोना वायरस के मामले 431,191 हो गए हैं। नेपाल सेना के सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में अकेले काठमांडू घाटी में एक दिन में 100 से अधिक शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। काठमांडू पोस्ट ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में संक्रमण के मामले ज्यादा न बढ़ने के बावजूद मृतकों की संख्या बढ़ रही है। पशुपति शवदाहगृह में कभी इतने शव नहीं देखे गए। मुख्य संयोजक ने बताया कि कर्मचारी दिन और रात कोविड-19 से मरने वाले लोगों का अंतिम संस्कार कर रहे हैं। पशुपति क्षेत्र विकास न्यास द्वारा बिजली से संचालित शवदाहगृह के मुख्य संयोजक सुभाष कार्की ने कहा, ''हमने रातभर 110 शवों को जलाया।'' पिछले दो हफ्तों से कार्की निर्धारित समय से अधिक काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''पहले हमें अधिकतम 80 शव मिलते थे और मंगलवार को 110 शव मिले। हमारे पास केवल 35 कर्मी हैं। हमें नेपाल सेना की भी मदद मिल रही है। अगर शवों की संख्या बढ़ती है तो उन्हें जलाने के लिए लकड़ियों की कमी हो सकती है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि एक शव को मुखाग्नि देने के लिए करीब 300 किलोग्राम लकड़ियों की आवश्यकता होती है जिसकी कीमत करीब 10,000 रुपये आती है।बिजली से संचालित शवदाहगृह में हर दिन औसतन 18 शव जलाए जाते हैं। कार्की ने कहा, ''नेपाल सेना शवों को लाकर उन्हें सौंपती लेकिन उन्हें मुखाग्नि हमारे कर्मियों को ही देनी पड़ती है।'' नेपाल में अभी एक दिन में कोविड-19 के 9,000 से अधिक मामले आ रहे हैं जिससे देश में स्वास्थ्य संकट पैदा हो गया है। नेपाल के 40 से अधिक जिलों में पिछले दो हफ्तों से निषेधाज्ञा लागू हैं। इनमें काठमांडू घाटी के तीन जिले शामिल हैं।

मदद के नाम पर खुद की झोली भर रहा चीन? बताया भारत को क्यों महंगी पड़ रही मेडिकल सप्लाई

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कंपनियों द्वारा चीनी कंपनियों से खरीदी जाने वाली ऑक्सीजन कंसंट्रेटर जैसी कुछ कोविड-19 मेडिकल सप्लाई इसलिए महंगी हो गई है क्योंकि उन्हें भारत की मांग पूरी करने के लिए कच्चे माल का आयात करना पड़ रहा है। हांगकांग में भारत की दूत प्रियंका चौहान ने हाल में चीन ने मेडिकल सप्लाई की कीमतों में बढ़ोतरी रोकने के लिए कहा था। इस पर टिप्पणी करते हुए चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि चीन भारत की मांग को पूरा करने के लिए अपनी कंपनियों को प्रोत्साहित कर रहा है। चौहान ने इस सप्ताह कहा था कि ऑक्सीजन कंसंट्रेटरों जैसी मेडिकल सप्लाई की कीमतों में बढ़ोतरी और भारत के लिए मालवाहक उड़ानों के बाधित होने की वजह से चिकित्सा सामानों की आवक धीमी हो रही है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि चीनी विनिर्माताओं की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि उन्हें भारत की अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए कच्चे माल का आयात करना पड़ रहा है। हुआ ने कहा, उदाहरण के तौर पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की मांग भारत में कुछ ही समय में कई गुना बढ़ गई है और कच्चे माल की भी कमी है।

ब्रिटेन में 2 भारतीयों की गिरफ्तारी पर हुआ जमकर विरोध प्रदर्शन, हुए रिहा

लंदन। ब्रिटेन के सीमा बल के अधिकारियों ने स्कॉटलैंड के शहर ग्लासगो में आव्रजन संबंधी नियमों के उल्लंघन के संदेह में दो भारतीय को हिरासत में ले लिया था, हालांकि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर करीब आठ घंटे तक बल की गाड़ी को वहां से जाने नहीं दिया, जिसके चलते दोनों भारतीय को रिहा करना पड़ा। मीडिया की खबरों के अनुसार, दोनों भारतीयों को जमानत पर रिहा किया गया है और मामले की जांच जारी है। 'द इंडिपेंडेंट की खबर के अनुसार, ग्लासगो के पोलोक्शील्ड्स क्षेत्र में सैकड़ों स्थानीय लोगों ने दोनों भारतीयों को ले जा रही बॉर्डर एजेंसी की वैन को वहां रोकने की कोशिश की। स्कॉटलैंड के एक स्थानीय समाचारपत्र ने बताया कि प्रदर्शनकारी वहां, '' हमारे पड़ोसियों को छोड़ दो, उन्हें जाने दो'' और ''पुलिस कर्मी घर जाओ'' के नारे लगाते सुनाई दिए। अधिकारियों ने कहा कि वे ग्लासगो में हुए गतिरोध के बाद सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन दोनों लोगों को छोड़ रहे हैं। प्रदर्शन के बाद स्कॉटलैंड की प्रधानमंत्री निकोला स्टर्जन ने 'होम ऑफिस' पर '' खतरनाक एवं अस्वीकार्य स्थिति'' उत्पन्न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, '' ईद के दिन...कोविड-19 के प्रकोप के बीच ऐसा करना... लेकिन इससे भी बड़ी समस्या भयावह आश्रय एवं आव्रजन नीति है।'' उन्होंने कहा कि वह ब्रिटेन की सरकार से ''आश्वासन देने की मांग'' करती हैं कि वे ऐसी खतरनाक स्थिति दोबारा उत्पन्न नहीं करेंगे। स्टर्जन ने कहा, '' मैंने जब एक कनिष्ठ मंत्री से बात करने की कोशिश की तो, ना कोई आश्वासन दिया गया.. ना कोई सहानूभुति दिखाई गई है।'' 'नो एविक्शन्स नेटवर्क' समूह के अनुसार, तीन प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार भी किया गया है। वहीं, स्कॉटलैंड पुलिस ने इन दोनों भारतीय की रिहाई की घोषणा के आदेश में कहा, '' पोलोक्शील्ड्स की-केनमुरे स्ट्रीट पर प्रदर्शन में शामिल सभी लोगों की सुरक्षा, उनके स्वास्थ्य और कल्याण को ध्यान में रखते हुए, मुख्य अधीक्षक मार्क सदरलैंड ने 'यूके इमीग्रेशन इन्फोर्समेंट' द्वारा हिरासत में लिए गए दो लोगों को रिहा करने का फैसला लिया है...।

खूनी संघर्ष जारी! गाजा सीमा पर 9,000 सैनिकों को भेजेगा इजरायल

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

यरुशलम। इजराइल ने कहा कि वह गाजा सीमा पर बड़ी संख्या में सैनिकों को भेज रहा है और उसने हमास शासित क्षेत्र में संभावित जमीनी आक्रमण के लिए 9,000 सैनिकों को तैयार रहने को कहा है। यह दिखाता है कि दोनों शत्रु युद्ध की ओर बढ़ रहे हैं। मिस्र के मध्यस्थ संघर्ष विराम प्रयासों के लिए इजराइल पहुंचे लेकिन इसमें प्रगति के कोई संकेत नहीं दिखे हैं। इजराइल में चौथी रात भी साम्प्रदायिक हिंसा होने के बाद लड़ाई और तेज हो गई। यहूदी और अरब समूहों में लॉड शहर में झड़पें हुई। पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने के आदेश देने के बावजूद झड़पें हुईं। इस लड़ाई ने इजराइल में दशकों बाद भयावह यहूदी-अरब हिंसा को जन्म दिया है। लेबनान से देर रात रॉकेट दागे गए जिससे इजराइल की उत्तरी सीमा पर एक तीसरे पक्ष के शामिल होने का खतरा पैदा हो गया है।

हमास के एक वरिष्ठ निर्वासित नेता सालेह अरुरी ने लंदन स्थित एक चैनल को शुक्रवार को बताया कि उनके समूह ने पूर्ण संघर्ष विराम के लिए और बातचीत करने देने के लिए तीन घंटे के विराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। उन्होंने कहा कि मिस्र, कतर और संयुक्त राष्ट्र संघर्ष विराम प्रयासों की अगुवाई कर रहे हैं। इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि गाजा में हवाई और जमीनी हमले हो रहे हैं। गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में विस्फोटों से आसमान में धुएं का गुबार बन गया। हमले इतने भयावह थे कि कई किलोमीटर दूर शहर में लोगों की चीखें सुनी गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, ''मैंने कहा था कि हमास से बहुत भारी कीमत वसूल करेंगे। हम यही कर रहे हैं और भारी बल के साथ यही करते रहेंगे।'' यह लड़ाई सोमवार को शुरू हुई जब यरुशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास नेलंबी दूरी के रॉकेट दागने शुरू किए। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कई हवाई हमले किए। तब से इजराइल ने गाजा में सैकड़ों ठिकानों को निशाना बनाया है।

गाजा उग्रवादियों ने इजराइल में करीब 2,000 रॉकेट दागे जिससे देश के दक्षिण क्षेत्र में जनजीवन ठप हो गया। तेल अवीव शहर को निशाना बनाते हुए भी कई रॉकेट दागे गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमलों में करीब 100 फलस्तीनी मारे गए जिनमें 28 बच्चे और 15 महिलाएं शामिल हैं जबकि 621 लोग घायल हो गए। हमास और इस्लामिक जिहाद उग्रवादी समूह ने 20 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। हालांकि इजराइल ने कहा कि संख्या इससे कहीं अधिक है। इजराइल में सात लोगों की मौत हो गई जिनमें छह साल का लड़का शामिल है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उन्होंने लड़ाई खत्म करने को लेकर नेतन्याहू से बात की है लेकिन साथ ही इजराइली नेता का समर्थन भी किया। वहीं, बृहस्पतिवार को मिस्र के अधिकारी संघर्ष विराम के लिए पहुंचे। मिस्र अकसर इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थ का काम करता है और पिछली कई लड़ाइयों को खत्म करने में उसकी अहम भूमिका रही है। अधिकारियों ने सबसे पहले गाजा में हमास के नेताओं से बात की और उसके बाद तेल अवीव में इजराइली नेताओं से बातचीत की। मिस्र के दो खुफिया अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हमास के निर्वासित नेता इस्माइल हानियेह ने कहा कि वह मिस्र के अधिकारियों के संपर्क में हैं। संघर्ष विराम के प्रयासों के बावजूद इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने बृहस्पतिवार देर रात अतिरिक्त 9,000 सैनिकों को गाजा सीमा पर भेजने का आदेश दिया। सेना के मुख्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल हिदाई जिल्बरमैन ने कहा कि संभावित जमीनी आक्रमण के लिए गाजा सीमा पर सैनिक एकत्रित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि टैंक, बख्तरबंद वाहनों और तोपों को तैयार किया जा रहा है। हमास ने भी पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है। उसने दिन भर कई रॉकेट दागे। हमास ने कहा कि उसने गाजा से सबसे शक्तिशाली रॉकेट अयाश दागे। उसने एक ड्रोन भी छोड़ा जिसे इजराइल ने फौरन मार गिराया।

दिल्ली में कोरोना की स्थिति में काफी सुधार : केजरीवाल

अब अस्पतालों में काफी बेड हो रहे खाली

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने रामलीला मैदान में बनाए गए 500 आईसीयू बेड का किया दौरा

नई दिल्ली (आनंद राय)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी अस्पताल से अटैच रामलीला मैदान में बनाए गए 500 आईसीयू बेड का आज दौरा कर सुविधाओं का जायजा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां 250 आईसीयू बेड कल शुरू हो रहे हैं, जबकि 250 और आईसीयू बेड अगले दो दिनों में शुरू हो जाएंगे। हमारे डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और श्रमिकों ने मिलकर युद्ध स्तर पर 24 घंटे काम करके मात्र 15 दिनों के अंदर इस 500 आईसीयू बेड का निर्माण किया है। जीटीबी में 500 आईसीयू बेड तैयार हैं और राधा स्वामी सत्संग में 200 आईसीयू बेड बन रहे हैं। इसके चालू होने के बाद दिल्ली में आईसीयू बेड की कमी संभवत: दूर हो जाएगी। सीएम ने कहा कि दिल्ली में कोरोना की स्थिति में काफी सुधार हो रहा है और अब अस्पतालों में काफी बेड खाली हो रहे हैं। सीएम ने यह भी कहा कि यह समय राजनीति करने का नहीं है, बल्कि सबको मिल कर जल्द से जल्द वैक्सीन की व्यवस्था करने का है, ताकि लोगों को वैक्सीन लग सके। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा मैं अपने डॉक्टर्स, इंजीनियरों और श्रमिकों को सलाम करता हूं, जिन्होंने युद्ध स्तर पर 24 घंटे काम किया और मात्र 15 दिनों के अंदर एलएनजेपी अस्पताल संबंद्ध रामलीला मैदान में यह 500 आईसीयू के बेड का निर्माण किया। 250 आईसीयू बेड कल शुरू हो रहे हैं, जबकि 250 और आईसीयू के बेड अगले दो दिनों में शुरू हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी अस्पताल से अटैच रामलीला मैदान में मात्र 15 दिनों में बनाए गए आईसीयू बेड का आज दौरा किया और वहां मरीजों के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एलएनजेपी अस्पताल में 250 आईसीयू बेड और चालू हो रहे हैं। इसी के साथ, 250 आईसीयू बेड और बनाए जा रहे हैं। वे 250 आईसीयू बेड परसों तक चालू हो जाएंगे। इस तरह, एलएनजेपी अस्पताल से अटैच रामलीलाम मैदान में लगभग 500 आईसीयू बेड चालू हो रहे हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस आईसीयू बेड का पूरा सेटअप मात्र 15 दिन के अंदर तैयार किया गया है। मैं 15 दिन पहले यहां पर देखने आया था, तब यहां पूरा मैदान होता था। हमारे डॉक्टर्स, पैरामेडिकक्स स्टाफ, इंजीनियर और वर्कर्स ने मिलकर रात-दिन 24 घंटे मेहनत किया और बिल्कुल युद्ध स्तर पर मिशन मोड में यह 500 आईसीयू बेड तैयार किए हैं। परसों हम लोग जीटीबी अस्पताल में गए थे। वहां पर भी इसी तरह से 500 आईसीयू बैड तैयार हुए हैं। दिल्ली में अब लगभग 1000 और नए आईसीयू बेड तैयार हो गए हैं। इसी तरह, 200 आईसीयू बेड राधा स्वामी सत्संग ब्यास छतरपुर में तैयार हो रहे हैं। अब यह कुल 1200 नए आईसीयू बेड हो जाएंगे। मुझे लगता है कि दूसरा ब्लॉक पूरा होने में एक-दो दिन और लग जाएंगे। इसके बाद 1200 आईसीयू बेड तैयार हो जाएंगे। सीएम ने कहा कि इस वक्त दिल्ली में कोरोना की स्थिति में काफी सुधार हो रहा है। इसलिए अब अस्पतालों के अंदर बेड काफी खाली हो रहे हैं, लेकिन आईसीयू बेड उतने खाली नहीं हो रहे हैं। इसका मतलब यह है कि कोरोना के गंभीर मरीज अभी ज्यादा हैं। अस्पतालों में आईसीयू बेड की अभी कमी है, लेकिन यह 1200 आईसीयू बेड आने के बाद मैं समझता हूं कि शायद अब आईसीयू बेड की कमी दूर हो जाएगी। एक सवाल के जवाब में सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरा सभी से अनुरोध है कि यह समय राजनीति करने का नहीं है। एक तरफ लोग मर रहे हैं, लोग बहुत ज्यादा पीड़ा में है, लोग दुखी हैं।

कोरोना से अनाथ हुए बच्चों की परवरिश का खर्च उठाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार कोरोना के प्रकोप से अनाथ हुए बच्चों और बेसहारा हुए बुजुर्गों का सहारा बनेगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऐसे कई बच्चे जिनके माता-पिता दोनों चल बसे, उन बच्चों की पढ़ाई और परवरिश का सारा खर्चा दिल्ली सरकार उठाएगी। जिन बुजुर्गों ने अपने घर के युवाओं को खो दिया, उनका ख्याल दिल्ली सरकार रखेगी। सीएम ने ऐसे बच्चों व बुजुर्गों को उनके पड़ोसियों और रिश्तेदारों से अपना प्यार और हमदर्दी देने की अपील की है।

कोरोना के 8,500 नए मामले आए

संक्रमण दर में भी सुधार, 12 के आसपास पहुंची

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के मद्देनजर देश की राजधानी दिल्ली से राहत की खबर आ रही है। दिल्ली में पिछले 24 घंटे के दौरान 8500 नए कोरोना के मरीज सामने आए हैं, वहीं संक्रमण दर 12 के आसपास पहुंच गई है। यह जानकारी खुद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दी। उन्होंने कहा कि सख्त लॉकडाउन के चलते कोरोना के मामले कम हुए हैं, लेकिन हमें इसे शून्य पर ले जाना है। उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि अगले 1-2 दिनों के दौरान दिल्ली को 1200 बेड और मुहैया हो जाएंगे। शुक्रवार को डिजिटल पत्रकार वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के हालात में लगातार सुधार हो रहा है। 22 अप्रैल को कोरोना संक्रमितों की जो दर 36 फीसद तक पहुंच गई थी, अब गिरकर 12 फीसद पर आ गई है। 10 दिनों के भीतर अस्पतालों में करीब तीन हजार बेड खाली हो गए हैं। हालांकि आइसीयू बेड की अभी भी कमी है। गंभीर मरीजों की संख्या भी कम नहीं हुई है। हमने 1200 नए आइसीयू बेड तैयार कर लिए हैं। एक दो दिन में शुरू हो जाएंगे। हालात में सुधार के लिए हमने काफी सख्त लॉकडाउन लगाया, जिसका दिल्ली वालों ने भी गंभीरता से पालन किया।

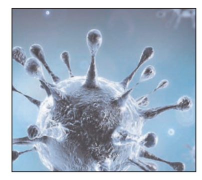

संक्षिप्त खबर

दक्षिणी निगम ने 2.73 लाख नागरिकों का किया टीकाकरण किया

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली की महापौर अनामिका ने दक्षिणी निगम द्वारा संचालित कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान के बारे में कहा कि निगम विद्यालयों में तीसरे चरण के टीकाकरण कार्यक्रम का आरंभ करके इसे और अधिक तेज कर दिया है। तीसरे चरण के टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत दक्षिणी निगम ने अपने विद्यालयों में स्थापित टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से 10 मई से 18-44 वर्ष के नागरिकों का टीकाकरण आरंभ कर दिया है।दक्षिणी निगम ने अभी तक अपने सभी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से लगभग 2.73 लाख नागरिकों का टीकाकरण किया है।दक्षिणी निगम अपने चारों क्षेत्रों में नागरिकों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न जागरूकता अभियान संचालित कर रहा है।

उत्तरी निगम ने दाह संस्कार के लिए किए विशेष प्रबंध

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम कोरोना मरीज़ों को अधिक से अधिक सेवाएं प्रदान करने में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि निगम ने अपने तीन अस्पतालों में कोरोना मरीज़ों के उपचार के लिए लगभग 500 बेड की सुविधा विकसित कर ली है।उन्होंने बताया कि निगम सुश्री गिरधर लाल मातृत्व अस्पताल में बच्चों के लिए कोविड अस्पताल की सुविधा विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं। तिमारपुर स्थित बालक राम अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर युक्त एक बस लगाई गई है, जिसे जरूरत पड़ने पर अन्य स्थानों पर भी भेजा जा सकता है। यह बस अरण्य फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध कराई गई है।

13 वर्षीय किशोरी को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने शेख सराय इलाके में घूम रही 13 वर्षीय किशोरी को परिजनों के सौंप दिया। किशोरी खानपुर इलाके से भटक कर शेख सराय पहुंच गई थी। किशोरी अपना नाम और पता बताने में असमर्थ इसके बाद पुलिस ने पूरे जिले के थानों में सूचनाएं साझा करें किशोरी के परिजनों का पता लगाया। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि 13 मई की रात 8=00 बजे अंबेडकर नगर थाना पुलिस को सूचना मिली कि एक किशोरी शेख सराय इलाके में घूम रही है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा की किशोरी अपना नाम तथा पता बताने में असमर्थ है। अम्बेडकर नगर एसएचओ मुकेश कुमार की टीम में तुरंत ही आसपास के सभी थाना क्षेत्रों से सूचनाएं साझा किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद उल फितर का त्योहार

घरों में ही अता की नमाज

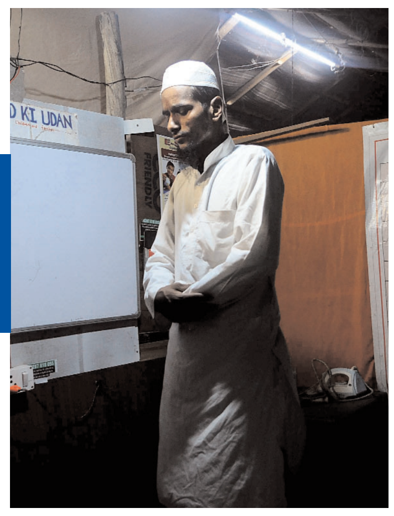

नई दिल्ली (संवाददाता)। देश और दुनिया में शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ ईद उल फितर का त्योहार मनाया गया लेकिन कोरोना महामारी के कारण इस खुशी के अवसर पर भी अपने घरों में ही रहने के लिए मजबूर होना पड़ा। राजधानी के ऐतिहासिक जामा मस्जिद समेत देश की अधिकतर मस्जिदें कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन की वजह से बंद हैं और लोगों ने ईद उल फितर पर भी अपने घरों में ही नमाज अता की। लोग महामारी को देखते हुए सादगी के साथ और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये भाईचारे का यह त्योहार मना रहे हैं। लोगों ने घर पर ही नमाज अदा करने के बाद परिजनों और पड़ोसियों को ईद की बधाई दी। इसके बाद लोगों ने फोन और सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों से रिश्तेदारों, दोस्तों और शुभचिन्तकों को ईद की खुशियां साझा की और मुबारकबाद दी। देश में इस अवसर पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने देशवासियों को ईद उल फितर की बधाई दी है।

नई दिल्ली में जामा मस्जिद के पास, चल रहे कोविड -19 तालाबंदी के दौरान,ईद-उल-फितर के अवसर पर मुस्लिम एक-दूसरे को बधाई देते हुए।

एनडीएमसी ने अपने कर्मचारियों के लिए शुरू किया टेली-परामर्श

(एजेंसी)

नई दिल्ली। कोविड 19 महामारी की दूसरी लहर के मौजूदा प्रकोप के मद्देनजर, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के चिकित्सा सेवा विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के साथ मिलकर एक नेत्रा नाम से एक कार्यक्रम शुरू किया है , इसके अंतर्गत कोविड 19 से प्रभावित अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को राहत और सहायता देने के लिये टेलीमेडिसिन या टेली परामर्श प्रदान किया जाएगा।

यह सेवा कोविड-19 से प्रभावित नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के कर्मचारियों और उनके आश्रितों को टेलीफोन और व्हाट्सएप के माध्यम से मार्गदर्शन करने के लिए डॉक्टरों और विशेषज्ञों की एक टीम को मेडिकल हेल्पलाइन के रूप में नामित किया गया है । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद की इस टेलीमेडिसिन टीम के सदस्यों में डॉ सुदीप कौशिक, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी बाल रोग विशेषज्ञ समन्वयक , डॉ एम बोरा, सीनियर मेडिकल ऑफिसर, डॉ वीरेंद्र कुमार मेडिकल अफसर, डॉ सारिका रावल, एनेस्थेटिस्ट, डॉ सीमा आहूजा, एनेस्थेटिस्ट, डॉ जितेन्द्र कोली, एमडी मेडिसिन सीनियर मेडिकल ऑफिसर, डॉ विराट कुंतलम, सीनियर मेडिकल ऑफिसर, डॉ चंद प्रकाश, बाल रोग विशेषज्ञ मेडिकल ऑफिसर , डॉ कैलाश कुमार सैनी, चिकित्सा अधिकारी और डॉ दीपक गौतम, चिकित्सा अधिकारी भी शामिल है ।

एनएफएसए राशन कार्डधारकों को दो माह के लिए मुफ्त राशन

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने दिल्ली के सभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली पीडीएस कार्डधारकों को मई और जून 2021 के दो महीनों के लिए मुफ्त राशन के वितरण की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई।

बैठक में खाद्य और नागरिक आपूर्ति आयुक्त, दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के सीएमडी, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इमरान हुसैन ने बताया कि दिल्ली कैबिनेट ने कोविड- 19 वायरस के प्रसार के रोकथाम के लिए दिल्ली में लगाए गए लॉकडाउन के दौरान जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए मुफ्त राशन देने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया की इस निर्णय से लगभग 17,78,632 परिवारों के 72,77,995 लाभार्थियों को लाभ पहुंचेगा , जिसमें 2,81,006 लाभार्थियों वाले 68,732 अंत्योदय अन्न योजना परिवार भी शामिल हैं। बैठक के दौरान, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया कि राशन का वितरण सुगम, सुविधाजनक और पारदर्शी तरीके से किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि राशन वितरण के दौरान एफपीएस डीलर हर समय सभी कोविड गाइडलाइन्स का पालन करें। खाद्य मंत्री इमरान हुसैन ने वरिष्ठ अधिकारियों को समय-समय पर औचक निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया।

पिता की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर ढूंढ रहे युवक से ठगी

(एजेंसी)

नई दिल्ली। द्वारका नॉर्थ इलाके में कोरोना संक्रमित पिता की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर ढूंढ रहे एक युवक से बदमाशों ने 97200 रुपए की ठग लिए। बदमाशों ने युवक को आक्सीजन सिलेंडर देने का झांसा दिया और पैसे लेने के बाद पीड़ित का नम्बर ब्लॉक कर दिया।

जिसके बाद युवक ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। द्वारका नॉर्थ थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस आरोपियों के बारे में कोई ठोस सुराग नहीं लगा पाई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित तुषार बिंदल अपने परिवार के साथ द्वारका सैक्टर-10 में रहते हैं। पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि उनके पिता कोरोना संक्रमित हैं और उनका आक्सीजन लेवल निम्न स्तर पर पहुंचने के बाद डाक्टरों के बताए अनुसार उन्हे तुंरत ऑक्सीजन की जरूरत थी। ऐसे में तुषार ने सोशल मीडिया पर ऑक्सीजन सिलेंडर सप्लाई करने वाले लोगों के नम्बर की तलाश शुरू की। इसी दौरान उन्हें एक नम्बर मिला, जिससे उन्होंने सम्पर्क किया। फोन उठाने वाले आरोपी ने 50 लीटर वाला सिलेंडर उपलब्ध होने की बात कही और 1 लाख रुपए की मांग की। पीड़ित ने बात तय की और कुछ पैसे एडवांस दे दिए। जिसके बाद एक शख्स का फोन आया और उसे डिलीवरी से पहले बाकि पैसे देने की बात कही।

अफगानिस्तान से आता था कच्चा माल, दिल्ली में बनाई जाती थी हेरोइन, स्पेशल सेल ने सात को दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर गिरोह का राजफाश किया है। पुलिस ने बेमिना श्रीनगर के गोसिया कालोनी निवासी अल्ताफ उर्फ मेराजुद्दीन दर्जी (45), श्रीनगर के रायनावाड़ी इलाके के निवासी आबिद हुसैन (40), अफगानिस्तान के काबूल निवासी, हश्मत मोहम्मदी (31), तिफाल नौखेज उर्फ टिफली (41) और पुरानी दिल्ली के बल्लीमारान निवासी अब्दुल्लाह नजीबुल्लाह उर्फ नबी (40) को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 54.2 किलो हेरोइन बरामद की गई है अफगानिस्ता के रहने वाले दोनों आरापित जाकिर नगर इलाके में रहते थे। आरोपितों से पूछताछ में पता चला है कि अफगानिस्तान में बैठे कासिम और हाजी हेरोइन बनाने का कच्चा माल भारत भेजते थे। उस कच्चे माल को पंजाब और दिल्ली में केमिकल की मदद से हेरोइन बनाया जाता था। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर बटला हाउस इलाके में कच्चे माल से हेरोइन बनाने की चल रही फैक्ट्री का भी भंडाफोड़ किया है।

स्पेशल सेल के डीसीपी प्रमोद कुमार कुश्वाह ने बताया कि दो मई को एक सूचना पर अल्ताफ को अशोका रोड से उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वह किसी को ड्रग की खेप देने के लिए आया था। अल्ताफ जाकिर नगर इलाके में रहता है। यह मूलरूप से श्रीनगर का रहने वाला है। इसके कब्जे से साढ़े तीन किलो हेरोइन बरामद की गई। अल्ताफ की निशानदेही पर इसके सहयोगी आबिद हुसैन को विनोबा पुरी इलाके के एक घर से पकड़ा गया। इसके पास से 12 किलो हेरोइन बरामद की गई। आबिद भी श्रीनगर का रहने वाला है।

पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि हेरोइन बनाने के लिए कच्चा माल अफगानिस्तान से हाजी और कासिम नामक शख्स भेजता है। इसके बाद अमृतसर का लक्खा हेरोइन तैयार करने वाले केमिकल भेजता है, इनकी मदद से हेरोइन तैयार की जाती है। जांच के दौरान जाकिर नगर में रह रहे अफगानी नागरिक हशमत मोहम्मदी का नाम सामने आया। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उसकी स्कूटी से पांच किलो हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में हशमत ने बताया कि कच्चे माल को बटला हाउस इलाके में संचलित एक फैक्ट्री में बनाया जाता है। पुलिस टीम ने बटला हाउस में छापेमारी कर वहां से 29.5 किलो हेरोइन बरामद की। जांच में पता चला कि पहले से ही जेल में बंद तिफाल नौखेज उर्फ टिफली की यह फैक्ट्री है। पुलिस ने आरोपित को जेल से ही गिरफ्तार किया। इससे पूछताछ के बाद पुलिस ने वजीराबाद इलाके से अब्दुल्लाह नजीबुल्लाह को 3.2 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। फिलहाल पुलस आरोपितों से यह पता लगा रही है कि यह कारोबार कब से चल रहा था। इसके अलावा यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपित किन लोगों को हेरोइन की खेप पहुंचाते थे।

डॉक्टर हूं, कोरोना मरीजों का इलाज करने की इजाजत दो हूजूर अलकायदा के संदिग्ध आतंकी की कोर्ट से गुहार

नई दिल्ली । अलकायदा के संदिग्ध आतंकी सबील अहमद ने पटियाला हाउस की विशेष अदालत में अर्जी दायर कर तिहाड़ जेल में बंद कैदियों का उपचार करने की पेशकश की है। पेशे से डॉक्टर अहमद को स्पेशल सेल ने हाल ही में गिरफ्तार किया था। उस पर आतंकी संगठन के सदस्यों को मदद पहुंचाने का आरोप है। अहमद ने अदालत में दायर अर्जी में कहा है कि उसका तजुर्बा जेल में बंद कैदियों के उपचार के काम आ सकता है। मौजूदा हालात को देखते हुए वह जेल प्रबंधन की मदद करना चाहता है। अर्जी में उसने कहा है कि इस संबंध में जेल प्रबंधन को आदेश दिया जाए।

बता दें कि अहमद पर विदेशों में भी मानव बम तैयार करने का आरोप है। 2007 में उसने ब्रिटेन के एक एयरपोर्ट पर भी धमाका किया था। 2020 में उसे सउदी अरब से डिपोर्ट कर दिया गया था और इसके बाद एनआइए ने बेंगलुरू से उसे गिरफ्तार कर लिया था।

अलकायदा के संदिग्ध सदस्य रहे और तिहाड़ जेल में बंद डॉक्टर सबील अहमदने दिल्ली की अदालत का रुख कर कोविड-19 मरीजों के इलाज में जेल प्रशासन का सहयोग करने की अनुमति मांगी है। दरअसल, विशेष न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा के समक्ष बुधवार को दाखिल याचिका में आरोपित सबील अहमद ने कहा है कि चिकित्सा पेशेवर के तौर पर उसके अनुभवों और विशेषज्ञता का लाभ केंद्रीय जेल में कैदियों के उपचार और कोविड-19 के मामलों से निपटने में लिया जा सकता है।

यह है याचिका

यह उल्लेख करना जरूरी होगा कि आरोपी एमबीबीएस डॉक्टर है और उसे गंभीर मरीजों के उपचार का सात साल का अनुभव भी है। याचिका में कहा गया है कि चिकित्सा पेशेवर के तौर पर उसके अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ कोविड-19 के मामलों से निपटने और जेल के कैदियों के उपचार में किया जा सकता है।

संपादकीय

ताकि दुनिया में सबको मिले टीका

कोरोना महामारी के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए अमेरिका ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के उस प्रस्ताव का समर्थन करने का फैसला किया है, जिसमें इन दोनों देशों ने 'ट्रिप्स' समझौते के कुछ प्रावधानों में छूट देने की बात कही थी। ट्रिप्स विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) द्वारा तय एक बहु-राष्ट्रीय समझौता है, जिस पर 1 जनवरी, 1995 को हस्ताक्षर किया गया था। इसमें बौद्धिक संपदा के अधिकारों की रक्षा के न्यूनतम मानक तय किए गए हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका पिछले साल अक्तूबर से ही बढ़-चढ़कर मांग कर रहे हैं कि कोरोना टीके या इसकी दवाइयों को लेकर बौद्धिक संपदा के अधिकारों को कुछ वक्त के लिए टाल दिया जाए, ताकि क्षमतावान देश कोरोना के टीके और दवाइयां बना सकें। इससे न सिर्फ दुनिया के हरेक जरूरतमंद देश तक दवाइयां व टीके पहुंच सकेंगे, बल्कि कोरोना महामारी से बड़े पैमाने पर लोगों की जान भी बचाई जा सकेगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन भारत और दक्षिण अफ्रीका के इस प्रस्ताव पर क्या रुख अपनाता है, यह तो अगले महीने होने वाली इसकी बैठक में ही पता चल सकेगा, मगर इसमें अमेरिका का समर्थन काफी मायने रखता है। उल्लेखनीय है कि दवा-निर्माण के क्षेत्र से जुड़ी ऐसी कई अमेरिकी कंपनियां हैं, जो कच्चा माल, तकनीक आदि उपलब्ध कराती हैं। अमेरिकी सरकार के फैसले का भले ही वहां की कुछ दवा कंपनियों ने विरोध किया है, लेकिन डब्ल्यूटीओ की बैठक में सदस्य देशों की सरकारें फैसला लेती हैं, कंपनियां नहीं। हालांकि, अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका के राजी होने मात्र से पेटेंट में छूट संबंधी भारत व दक्षिण अफ्रीका के प्रस्ताव डब्ल्यूटीओ से पारित हो जाएंगे। इसकी बैठक में सर्वसम्मति से फैसला होता है और यूरोपीय देशों की कई कंपनियां इस प्रस्ताव के विरोध में हैं।

इसलिए यह देखने वाली बात होगी कि वे अपनी-अपनी सरकारों पर कितना दबाव बना पाती हैं, या फिर वहां की सरकारें अपनी-अपनी दवा कंपनियों के दबाव को कितना नजरंदाज कर पाती हैं? वैसे, इस प्रस्ताव का पारित होना मानवता का तकाजा है। अभी पूरी दुनिया कोविड-19 की जंग लड़ रही है। 32 लाख से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। बेशक, कई देशों में टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन करीब 120 राष्ट्र अब भी ऐसे हैं, जहां कोरोना टीके की एक भी खुराक नहीं पहुंच सकी है। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि गिनी-चुनी कंपनियों के पास ही पेटेंट अधिकार हैं और वही टीके का उत्पादन कर रही हैं। चूंकि इन कंपनियों की क्षमता भी सीमित है और इनसे उत्पाद लेने की प्रक्रिया लंबी व जटिल, इसलिए खरीदार देशों तक टीके पहुंचने में भी वक्त लग रहा है। फिर कई देश महंगी कीमत होने के वजह से इन कंपनियों की मांग पूरी नहीं कर पाते हैं। लिहाजा, विश्व व्यापार संगठन यदि भारत और दक्षिण अफ्रीका के सुझाव को मान लेता है, तो भारत जैसे कई देशों में वैक्सीन निर्माण-क्षमता का विस्तार होगा और जरूरतमंदों तक टीके पहुंचाए जा सकेंगे। टीकाकरण अभियान को खासा गति मिल सकेगी। इस छूट के आलोचक तर्क दे रहे हैं कि यदि इस प्रस्ताव को मान लिया गया, तो दवा अथवा टीके के शोध और अनुसंधान पर असर पड़ेगा। आपूर्ति श्रृंखला के कमजोर होने और नकली वैक्सीन या दवा को मान्यता मिलने की आशंका भी वे जता रहे हैं। मगर इसमें पूंजी का खेल भी निहित है। चूंकि ट्रिप्स समझौते के तहत कंपनियां सूचना व तकनीक साझा करने से बचती हैं, इसलिए उनका लाभ बना रहता है। पेटेंट में छूट मिल जाने के बाद उन्हें अपना लाभ भी साझा करना पड़ेगा, जिस कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के प्रस्ताव का विरोध किया जा रहा है। मगर विरोधियों को वह दौर याद करना चाहिए, जब विशेषकर अफ्रीका में एड्स का प्रसार अप्रत्याशित रूप से दिखा था। उस समय एड्स की 'ट्रिपल कॉम्बिनेशन थेरेपी' 10,000 डॉलर सालाना प्रति मरीज की दर से विकसित देशों में संभव थी, मगर अब एक भारतीय जेनेरिक कंपनी इसे महज 200 डॉलर में बना रही है। स्थानीय स्तर पर कुछ ऐसा ही प्रयोग ब्राजील, थाइलैंड जैसे देशों में भी हुआ है। यह इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि दवा-निर्माण में पेटेंट संबंधी छूट मिली। नतीजतन, व्यापक पैमाने पर एड्स की दवाइयां बननी शुरू हुई और यह महामारी नियंत्रण में आ गई। आज भी यही किए जाने की जरूरत है। ऐसे वक्त में, जब कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से पूरी दुनिया लड़ रही है, विश्व व्यापार संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन अथवा संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं और बड़े देशों को यह सोचना होगा कि ऐसी कोई व्यवस्था बने, जिसमें सभी राष्ट्रों को दवाइयां मिलें, टीके मिलें और कोविड-19 की जंग वे सफलतापूर्वक लड़ सकें। अगर किसी भी एक देश में कोरोना का संक्रमण बना रहता है, तो खतरा पूरे विश्व पर कायम रहेगा। इसलिए इस काम में अमीरी और गरीबी का भेद नहीं होना चाहिए। ऐसा नहीं हो सकता कि विकसित राष्ट्र अपने नागरिको को कोरोना से बचा ले जाने का सपना देखें, और गरीब देश वायरस की कीमत चुकाते रहें।

यहां एक व्यवस्था यह हो सकती है कि जब तक विश्व स्वास्थ्य संगठन इस बाबत कोई ठोस फैसला नहीं ले लेता, तब तक कंपनियां आपस में करार करके कोरोना टीका अथवा दवा-निर्माण के कार्य को तेज गति दें। इसमें यह संभावना बनी रहती है कि कंपनियां सूचना, शोध, अनुसंधान अथवा तकनीक आपस में साझा करती हैं। मगर यह आपसी विश्वास का मामला है। अगर कंपनियों को आपस में भरोसा है और लाभ कमाने की अपनी मानसिकता को वे कुछ वक्त के लिए टालना चाहती हैं, तो वे आपस में हाथ मिला सकती हैं। यह विशुद्ध रूप से कंपनियों के बीच का करार होता है और इसमें सरकारों की कोई दखलंदाजी नहीं होती। मगर आमतौर पर कंपनियां ऐसा शायद ही करना चाहेंगी। बिना फायदे के आखिर वे क्यों काम करेंगी?

प्रवीण कुमार सिंह

कोरोना संक्रमण से बचाव में भारतीय सेना का महत्वपूर्ण योगदान

मुंबई में आइएनएचएस संधानी एवं आइएनएचएस अश्विनी पर शॉर्ट नोटिस पर बैटल फील्ड नर्सिंग सहायकों के रूप में प्रशिक्षित मेडिकल और गैर-चिकित्साकर्मियों को भर्ती किया गया। यही नहीं, कारवाड़ में नौसैनिक अधिकारियों ने 1,500 प्रवासी मजदूरों के लिए जरूरी सामान एवं स्वास्थ्य सेवाओं के इंतजाम किए। भारतीय नौसेना ने विदेशों से आक्सीजन से भरे क्रायोजेनिक कंटेनर लाने के लिए विशेष अभियान चलाया। नौसेना के युद्धक पोत आइएनएस कोलकाता, आइएनएस तलवार, आइएनएस जलाश्व एवं आइएनएस ऐरावत बहरीन, सिंगापुर एवं थाइलैंड से आक्सीजन लेकर आए।

राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण से बिगड़ते हालातों के बीच दिल्ली सरकार ने सेना की मदद मांगी है। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस संबंध में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखा है। तीन मई को हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव वशिष्ठ ने कहा कि यह ऐसा समय है जब सेना की मदद ली जानी चाहिए, क्योंकि सेना के पास विभिन्न प्रकार के उपकरण हैं और चुनौती से निपटने की क्षमता है। वरिष्ठ अधिवक्ता कृष्णन वेणुगोपाल ने भी कहा कि सेना फील्ड अस्पताल बनाने से लेकर आक्सीजन की समस्या सुलझा सकती है। केंद्र सरकार ने उच्च न्यायालय को बताया कि दिल्ली में सेना की मदद के मामले को खुद रक्षा मंत्री देख रहे हैं।

बीते दिनों देश में बढ़ते कोरोना मामलों के बीच थल सेनाध्यक्ष ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में कोरोना संकट पर सेना की तरफ से मदद के लिए की गई तैयारियों को लेकर विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री को उन्होंने बताया कि विभिन्न राज्य सरकारों को सेना के चिकित्साकर्मी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में सेना की ओर से अस्थायी अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। सेना के अस्पतालों के दरवाजे भी आम लागों के लिए खोले जा रहे हैं। इन सभी कदमों से जनता को काफी फायदा होगा, क्योंकि सैन्य अस्पतालों के नजदीक के लोग यहां इलाज करा सकेंगे। इसके अलावा, सेना के जवान आयात किए जा रहे आक्सीजन टैंकरों को जरूरत की जगहों तक पहुंचा रहे हैं। इनके प्रबंधन में जहां विशेषज्ञ कौशल की जरूरत होती है, वहां भी सेना की तरफ से सहयोग किया जा रहा है। कुल मिलाकर सेना आवश्यकतानुसार नागरिकों और सरकार की मदद करने में लगी हुई है।

सेना की मेडिकल कोर शाखा भी पूरी तरह से मदद के लिए आगे आ रही है। इस शाखा के चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ सहायता के लिए उपलब्ध होंगे। इस महामारी से निपटने में इनका सहयोग विशेष भूमिका निभाएगा। युद्ध काल हो या शांति काल दोनों ही परिस्थितियों में घायलों व बीमार सैनिकों का इलाज करने का विशेष अनुभव इनको प्राप्त है। इन्हें घायलों को तीव्र गति से स्वस्थ करना होता है। तभी वे पुनः समरभूमि में जाकर अपने युद्ध कौशल का परिचय दे पाते हैं। अब इनके इसी प्रशिक्षण व अनुभव का लाभ देशवासियों को मिलेगा।

भारतीय सेना के अस्पतालों में हर प्रकार की सुविधाएं होती हैं। इसके अलावा युद्ध काल में जिस तरह से वे बेड सहित विभिन्न सुविधाओं का विस्तार करते हैं, वह कार्य इस समय भी किया जा सकता है। युद्ध काल में सेना इसे दो गुना तक करने में सक्षम होती है। सेना के अस्पताल देश के हर क्षेत्र में बने हुए हैं, जिनका लाभ नागरिकों को मिलेगा। सेना के जवानों को नागरिक सैनिक संबंधों की भी महत्वपूर्ण जानकारी होती है, क्योंकि उन्हें इस बात के लिए पहले ही प्रशिक्षित किया जाता है। संप्रति किसी भी देश की प्रशासनिक व्यवस्था को सही तरीके से चलाने के लिए सैनिक एवं नागरिक संबंधों का महत्व काफी बढ़ गया है। लोकतांत्रिक प्रणाली में भारतीय सेना के जवान संगठन, स्वरूप, कार्य एवं योजना को भली-भांति निभाते हैं।

अगर वायु सेना की बात की जाए तो वह देश में क्रायोजेनिक आक्सीजन टैंकरों की भारी कमी को दूर करने के लिए दिन-रात अपने अभियान में जुटी हुई है। देश-विदेश से टैंकरों को जुटाने और उन्हें अलग-अलग जगहों पर पहुंचाने की गति को रुकने नहीं दे रहे हैं। भारतीय वायु सेना के सी-17 ग्लोबमास्टर विमान निरंतर इस कार्य को अंजाम दे रहे हैं। पूरे देश में चिकित्सा सहायता पहुंचाने के लिए वायु सेना के सभी बेड़ों को 24 घंटे उड़ान भरने के लिए तैयार रहने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। कोरोना महामारी से निपटने के लिए वायु सेना ने भारी संख्या में अपने भारी, हल्के व मध्यम श्रेणी के परिवहन विमानों को तैनात कर रखा है। वायु सेना ने एक विशेष कोरोना एयर सपोर्ट सेल भी बना रखा है जो हर परिस्थिति में विभिन्न मंत्रालयों एवं एजेंसियों के साथ सहयोग व समन्वय बनाए रखता है।

इस अभियान में भारतीय नौसेना भी अपनी भूमिका निभा रही है। चिकित्सा सुविधाओं और आक्सीजन बेड की मांग को देखते हुए पश्चिमी नौसेना कमान ने प्रवासी मजदूरों के लिए आक्सीजन बेड की सुविधा वाले तीन अस्पताल शुरू कर दिए हैं। कोरोना पीड़ितों की मदद के लिए गोवा में आइएनएचएस जीवनबत्ती और मुंबई में शुरू किए गए आइएनएचएस संधानी सिविल प्रशासन को सहयोग दे रहे हैं। नौसेना परिसर में प्रवासी मजदूरों के लिए बुनियादी सुविधाओं की स्थापना की गई। इससे उनका पलायन थमा।

बेहतर सहयोग प्रदान करने के लिए नौसैनिक अधिकारी नागरिक प्रशासन के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहे। जरूरत के अनुसार इन अधिकारियों ने आकस्मिक सहायता भी की। मुंबई में आइएनएचएस संधानी एवं आइएनएचएस अश्विनी पर शॉर्ट नोटिस पर बैटल फील्ड नर्सिंग सहायकों के रूप में प्रशिक्षित मेडिकल और गैर-चिकित्साकर्मियों को भर्ती किया गया। यही नहीं, कारवाड़ में नौसैनिक अधिकारियों ने 1,500 प्रवासी मजदूरों के लिए जरूरी सामान एवं स्वास्थ्य सेवाओं के इंतजाम किए। भारतीय नौसेना ने विदेशों से आक्सीजन से भरे क्रायोजेनिक कंटेनर लाने के लिए विशेष अभियान चलाया। नौसेना के युद्धक पोत आइएनएस कोलकाता, आइएनएस तलवार, आइएनएस जलाश्व एवं आइएनएस ऐरावत बहरीन, सिंगापुर एवं थाइलैंड से आक्सीजन लेकर आए। उपरोक्त वर्णन से यह स्पष्ट हो जाता है कि यह सैन्य सहयोग भारत से कोरोना महामारी को दूर करके नागरिकों को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगा।

कोरोना महामारी की दूसरी लहर से अधिक घातक भ्रामक सूचनाएं

हमारा देश आज कोरोना महामारी की दूसरी घातक लहर का सामना कर रहा है। चिंता की बात यह है कि इस समय कोरोना संक्रमण के हर दिन आने वाले नए मामलों में हमारा देश पूरी दुनिया में सबसे ऊपर है। संक्रमण की व्यापकता के आगे हमारी सारी तैयारियां नाकाफी साबित हो रही हैं। कोविड-19 के साथ-साथ भारत सहित पूरी दुनिया एक और महामारी से भी जूझ रही है, जिसे 'इंफोडेमिक' या 'सूचना महामारी' कहा जा रहा है। जहां एक ओर सही सूचनाएं आम लोगों की चिंताओं को कम करती है, वहीं दूसरी ओर डिजिटल माध्यम से फैलनेवाले दुष्प्रचार और अधकचरी जानकारियां लोगों की परेशानियां बढ़ाने की वजह बनती हैं। दुनिया भर में कोरोना से जुड़ी अफवाह के कारण हजारों लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है।

इस सूचना महामारी के चलते कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कोविड की गंभीरता और प्रभाविता को कम करके आंकते हैं। साथ ही, इससे बचाव के उपायों की अनदेखी करते हैं और यहां तक कि इसके वजूद को ही नकारते हैं। मसलन, ऐसे मिथकों और कॉन्सपिरेसी-सिद्धांतों को इंटरनेट मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म के जरिये कुछ लोगों द्वारा खूब प्रचारित-प्रसारित किया जा रहा है, जिनमें यह दावा किया जाता है कि कोरोना वायरस को चीन की प्रयोगशाला में बनाया गया है, उच्च वर्ग के लोगों ने ताकत और मुनाफे के लिए वायरस का झूठा प्रचार किया है, चाइनीज फूड या मांस खाने से लोग कोरोना की गिरफ्त में आ जाते हैं, कोविड-19 मौसमी फ्लू से ज्यादा खतरनाक नहीं है या फिर मामूली सर्दी जुकाम के जैसा ही है, सभी वैक्सीन असुरक्षित हैं और वे कोविड-19 से ज्यादा घातक हैं, धूमपान, शराब और गांजा के सेवन से कोरोना से बचा जा सकता है, कोरोना 'फाइव जी टेस्टिंग' का परिणाम है वगैरह-वगैरह। कुल मिलाकर हमारे चारों ओर कोविड से संबंधित व्यापक सूचनाओं और खबरों का एक विस्फोट हो रहा है।

कोरोना वायरस उन लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, जो अपने अज्ञान और अंधविश्वास को समझ एवं ज्ञानरूपी हथियार के तौर पर पेश करके, अक्सर धार्मिक, रूढ़िवादी और सांस्कृतिक गर्व की चासनी चढ़ाकर दुनिया के समक्ष अपने ज्ञान का भौंडा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आज इंटरनेट मीडिया ने कई लोगों को डॉक्टर, विज्ञानी, कोरोना विशेषज्ञ और सर्वज्ञानी बना दिया है।

वे डिजिटल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके भ्रामक सूचनाएं या जानकारियां फैला कर शिक्षित और अशिक्षित दोनों को ही बेहद खतरनाक तरीकों से गुमराह कर रहे हैं। मिसाल के तौर पर फिलहाल देश के कई राज्यों में आक्सीजन की किल्लत है तो कई स्वयंभू विशेषज्ञ और विद्वान वाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर और यूट्यूब जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से लोगों को आक्सीजन सैचुरेशन लेवल बढ़ाने के लिए ऐसे कई घरेलू नुस्खे बता रहे हैं जो बिल्कुल भी कारगर नहीं हैं। जड़ी-बूटियों, नींबू के रस, नेबुलाइजर, ध्यान-योग से आक्सीजन लेवल बढ़ाने के दावे कुछ ऐसी ही बेतुकी और भ्रामक सूचनाएं हैं, जो आजमाने वालों के लिए जानलेवा भी हो सकती हैं।

इंफोडेमिक' के फैलाव और हालात को जटिल व खतरनाक बनाने वाले चार मुख्य कारक हैं। पहला, इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म की बदौलत सूचना प्रसार की तीव्र गति। दूसरा, इंटरनेट के अथाह ज्ञान के भंडार तक सबकी आसान पहुंच होना।

तीसरा, सामाजिक और राजनीतिक ध्रुवीकरण के जरिये कॉन्सपिरेसी सिद्धांतों का प्रचार। चौथा, इंटरनेट मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और वीडियो चिंता व आशा के चलते फैल रही हैं, और जिंदा रहने के लिए हमारे दिमाग की एक प्रवृत्ति खतरों को बड़े रूप में देखने की है। ऐसा हमेशा महामारी, आपदा, अकाल और युद्ध के समय होता है। इस समय देश ही नहीं, पूरी दुनिया एक मुश्किल दौर से गुजर रही है। मौजूदा वक्त में अनहोनी का डर, आशंका, घबराहट और बेचैनी लोगों में घर कर गई है, ऐसे में हमें सुनिश्चित करना होगा कि इस डर और बेचैनी को बढ़ाने में हमारा किसी तरह का कोई योगदान न हो।

गांवों में फैला कोरोना

जहां एक ओर बुरी तरह प्रभावित राज्यों और बड़े शहरों में कोरोना संक्रमण की स्थिति में हल्का सुधार दिखने से राहत महसूस की जा रही है, वहीं दूसरी ओर महामारी के गांवों में तेजी से फैलने के संकेत दिख रहे हैं। बिहार, यूपी के जिलों में गंगा और यमुना में सौ से ज्यादा लाशें बहती पाई गई हैं। इस मामले की जांच हो रही है। पता किया जा रहा है कि ये शव आखिर कहां के हैं और इन लोगों की मौत के वास्तविक कारण क्या हैं।

लेकिन ऐसी अटकलें लग रही हैं कि कोरोना फैलने से गांवों में मृतकों का अंतिम संस्कार करना संभव नहीं हो पा रहा और शव नदियों में बहाए जा रहे हैं। गांवों में बड़े पैमाने पर टेस्ट की सुविधा नहीं है, लेकिन जितने भी टेस्ट हो रहे हैं, उनमें पॉजिटिव नतीजों का ज्यादा अनुपात बताता है कि संक्रमण स्तर काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में यह संभावना मजबूत हो जाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बहुत सारे मामले कोरोना के रूप में चिह्नित नहीं हो पाते होंगे।

फिर भी, जो मामले पकड़ में आ रहे हैं, उनके आंकड़े इतना तो स्पष्ट कर ही देते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हालात काफी तेजी से बिगड़े हैं। उदाहरण के लिए 9 अप्रैल से 9 मई के बीच विभिन्न राज्यों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बदली स्थिति पर नजर डाली जा सकती है। बिहार में 9 अप्रैल को कोरोना संक्रमण के मामले शहरी क्षेत्रों में 47 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्रों में 53 फीसदी थे। एक महीने बाद 9 मई को शहरी क्षेत्रों के मामले जहां 24 फीसदी पर आ गए, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ये बढ़कर 76 फीसदी पर पहुंच गए। यूपी में 9 अप्रैल को ग्रामीण क्षेत्रों का अनुपात 49 फीसदी था, जो 9 मई को बढ़कर 65 फीसदी हो गया था। महाराष्ट्र (32 से 56), छत्तीसगढ़ (56 से 89),आंध्रप्रदेश (53 से 72) जैसे अन्य राज्य भी इसी स्थिति की ओर संकेत करते हैं। यह स्थिति ज्यादा गंभीर इसलिए है कि एक तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच कम है, दूसरे वहां लोगों का एक-दूसरे से दूरी बरतना भी सहज नहीं है। ऐसे में एकमात्र उपाय यही बच जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक स्वास्थ्य केंद्र खोलकर लोगों में जागरूकता लाने, टेस्ट की संख्या बढ़ाने आइसोलेशन सेंटर खोलने और चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने का काम तत्काल युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया जाए।

वैक्सीन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में झिझक और कई गलतफमियां भी हैं। इन्हें दूर करने के लिए सरकार को जरूरी अभियान चलाना चाहिए और इन इलाकों में टीकाकरण की रफ्तार में तेजी लानी चाहिए। तभी महामारी को हराने की ओर हम एक बड़ा कदम बढ़ा पाएंगे।

महामारी के दौर में पेटेंट और व्यापार गोपनीयता अटका रहे कोरोना वैक्सीन के राह में रोड़े

कोविड रोगियों की जान बचाने के लिए सभी आवश्यक दवाइयों के उत्पादन के लिए अनिवार्य लाइसेंस दिया जाए। कोवैक्सीन और कोविशिल्ड का उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी संभावित निर्माताओं के लिए व्यापार रहस्य सहित टीकों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा सुनिश्चित की जाए। कुछ कंपनियों के बजाय तकनीकी क्षमताओं के साथ अधिक फार्मा कंपनियों के लिए व्यापक रूप से वैक्सीन उत्पादन लाइसेंस दिए जाएं। स्पुतनिक वैक्सीन का स्थानीय उत्पादन शुरू करने के लिए नियामक मंजूरी प्रदान की जाए। उत्पादन लागत आधारित फार्मूले के आधार पर दवाओं और टीकों की कीमतों पर सीलिंग लगाई जाए। यह कुछ विकसित देशों द्वारा वैक्सीन एकाधिकार को तोड़ने और विश्व स्तर पर टीकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

व्यापार वार्ताओं के उरुग्वे दौर के दिनों से, मुख्य रूप से बड़े निगमों के स्वामित्व वाले बौद्धिक संपदा अधिकारों (आइपीआर) के संरक्षण के निहितार्थ पर एक बहस शुरू हो गई थी। वास्तव में यह संरक्षण दवाओं और अन्य उपचारों तक नागरिकों के अधिकारों के खिलाफ था। विकसित दुनिया, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोपीय समुदाय व जापान की दादागीरी के चलते व्यापार संबंधित बौद्धिक संपदा अधिकार (ट्रिप्स) का समझौता विश्व व्यापार संगठन के अंतिम समझौते का हिस्सा बन गया। लेकिन उसके बाद भी जन संगठनों और दुनिया भर के नागरिकों की लड़ाई जारी रही। भारत सहित विकासशील देशों को दवा पेटेंट के लिए उत्पाद पेटेंट संरक्षण के रूप में बदलने के लिए 10 साल की अवधि दी गई थी।

भारत ने भारतीय पेटेंट अधिनियम 1970 में संशोधन किया और इसे एक जनवरी, 2005 से प्रभावी किया। यदि हम सार्वजनिक स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इन संशोधनों के प्रविधानों को देखें, तो मूल संशोधन बहुत खतरनाक थे। बुद्धिजीवियों, जन संगठनों व चुनिंदा नेताओं के दबाव के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों को पेटेंट अधिनियम में शामिल किया जा सका।हालांकि भारतीय पेटेंट अधिनियम में भारत के घरेलू दवा उद्योग और सार्वजनिक स्वास्थ्य के हितों का ध्यान रखा गया, वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के संदर्भ में 'ट्रिप्स' आड़े आ रहा था। एक ऐतिहासिक संदर्भ को यहां इंगित करना जरूरी है। जब दक्षिण अफ्रीका सरकार ने भारत की एक कंपनी से एड्स

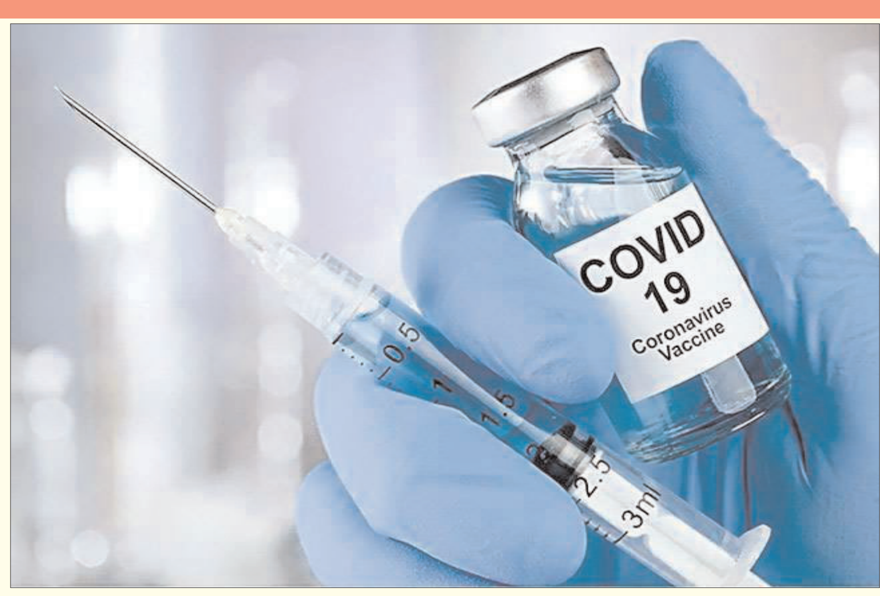

मरीजों के लिए दवा खरीदने का निर्णय किया तो बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा दक्षिण अफ्रीक सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। जनाक्रोश के कारण बाद में इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने अपना मुकदमा वापस ले लिया। लगभग उसी समय, डब्ल्यूटीओ की मंत्रिस्तरीय बैठक दोहा में आयोजित की गई थी।

ऐसे में विकसित देशों ने विकासशील देशों की मांग के सामने घुटने टेक कर जन स्वास्थ्य हेतु दोहा घोषणा की स्वीकृति दी थी। दोहा मंत्रिस्तरीय सम्मेलन की बौद्धिक संपदा (ट्रिप्स) एवं जन स्वास्थ्य से संबंधित एक राजनीतिक घोषणा स्वीकृत की गई। इस घोषणा में विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों द्वारा ट्रिप्स समझौते में बौद्धिक संपदा अधिकारों खास तौर पर पेटेंट के कारण दवाओं की उपलब्धता के प्रति चिंताओं का निराकरण किया गया। इसमें आगे कहा गया, 'हम इस बात की पुष्टि करते हैं कि डब्ल्यूटीओ सदस्यों के सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए और विशेष रूप से, सभी तक दवाओं की पहुंच को बढ़ावा देने के लिए सहायक तरीके से समझौते की व्याख्या और कार्यान्वयन किया जाना चाहिए।'

अनिवार्य लाइसेंस के बारे में यह कहा गया है, 'प्रत्येक सदस्य को अनिवार्य लाइसेंस देने का अधिकार है और इस आधार पर यह प्रक्रिया भी निर्धारित करने की स्वतंत्रता है कि किस तरह से लाइसेंस दिए जाएं।' इस घोषणा द्वारा सदस्य देशों को राष्ट्रीय आपातकाल या अत्यधिक तात्कालिकता की अन्य परिस्थितियों का निर्धारण करने के लिए अनुमति दी गई है, कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। वर्तमान से बड़ा राष्ट्रीय आपातकाल नहीं हो सकता। एक देश को कोविड के खिलाफ अपनी लड़ाई में विविध प्रकार के चिकित्सा उत्पादों की आवश्यकता है, इसलिए एक-दो उत्पादों पर अनिवार्य लाइसेंस नीति प्रदान करना इस महामारी के उपाय के तौर पर पर्याप्त नहीं है। इन परिस्थितियों में अक्टूबर भारत और दक्षिण अफ्रीका ने विश्व व्यापार संगठन को एक प्रतिवेदन देकर अंतरराष्ट्रीय समझौतों के कुछ प्रविधानों पर छूट मांगी, जो महामारी को रोकने के प्रयासों को गति देने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकारों को विनियमित करते हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने महानिदेशक नोगजी ओकोंजो-इवेला द्वारा आयोजित एक हालिया कार्यक्रम में बोलते हुए पुनः ट्रिप्स प्रविधानों में छूट हेतु समर्थन मांगा। वर्तमान में इस प्रस्ताव को लगभग 100 डब्ल्यूटीओ सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त है, जिसे कुछ विकसित देश रोकने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि समझौते के कुछ प्रविधानों पर छूट के इस कदम से अधिकांश देशों, खासकर मध्यम और निम्न-आय वाले देशों को वैक्सीन और अन्य आवश्यक दवाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलेगी। हालांकि व्यापार कूटनीति स्तर पर सरकार के प्रयास सराहनीय हैं, इस समय उचित होगा कि भारत सरकार कोविड के खिलाफ लड़ाई में दवाओं और टीकों की पहुंच और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए।

अधिक जेनेरिक कंपनियों को भारतीय पेटेंट अधिनियम के सरकारी उपयोग लाइसेंस (धारा 100) के तहत एक सीमित कीमत के साथ रेमडेसिविर का उत्पादन करने की अनुमति दी जाए। कोविड रोगियों की जान बचाने के लिए सभी आवश्यक दवाइयों के उत्पादन के लिए अनिवार्य लाइसेंस दिया जाए। कोवैक्सीन और कोविशिल्ड का उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी संभावित निर्माताओं के लिए व्यापार रहस्य सहित टीकों के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा सुनिश्चित की जाए। कुछ कंपनियों के बजाय तकनीकी क्षमताओं के साथ अधिक फार्मा कंपनियों के लिए व्यापक रूप से वैक्सीन उत्पादन लाइसेंस दिए जाएं। स्पुतनिक वैक्सीन का स्थानीय उत्पादन शुरू करने के लिए नियामक मंजूरी प्रदान की जाए। उत्पादन लागत आधारित फार्मूले के आधार पर दवाओं और टीकों की कीमतों पर सीलिंग लगाई जाए। यह कुछ विकसित देशों द्वारा वैक्सीन एकाधिकार को तोड़ने और विश्व स्तर पर टीकों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

चित्रकूट जेल हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई, जेल अधीक्षक और जेलर समेत पांच को किया गया निलंबित

लखनऊ । चित्रकूट के जिला कारागार में शुक्रवार सुबह गैंगवार के दौरान हुए हत्याकांड में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। जेल में दो बंदियों की हत्या और पुलिस की जवाबी फायरिंग में अपराधी अंशू दीक्षित के मारे जाने के मामले में जेल अधिकारियों व कर्मियों की लापरवाही सामने आई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चित्रकूट जेल के अधीक्षक एसपी त्रिपाठी व जेलर महेंद्र पाल समेत पांच कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। डीजी जेल आनन्द कुमार ने इसकी पुष्टि की है। चित्रकूट जेल में हुई जघन्य घटना में सुरक्षा बंदोबस्त में बड़ी लापरवाही सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि जेल में पिस्टल कैसे पहुंची, यह अभी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हो सका है। घटना की न्यायिक जांच होगी, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना में चित्रकूट पुलिस एफआइआर दर्ज कर रही है। पुलिस विवेचना में कई तथ्य पूरी तरह से स्पष्ट हो सकेंगे। निलंबित किए गए कर्मियों में जेल के हेड वार्डर के अलावा सुरक्षा-व्यवस्था में तैनात पीएसी का एक सिपाही भी है। डीजी जेल आनन्द कुमार का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच कराई जा रही है।

आरजेडी ने खोजा पप्पू यादव की गिरफ्तारी का लालू-तेजस्वी कनेक्शन, निशाने पर आए सीएम नीतीश कुमार

पटना । जन अधिकार पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी का लालू प्रसाद यादव व तेजस्वी यादव का क्या कनेक्शन है चौंक गए तो जान लीजिए, यह कनेक्शन लालू के ही राष्ट्रीय जनता दल के एक विधायक ने खोजा है। इसी बहाने उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को निशाने पर लिया है। मधेपुरा से आरजेडी विधायक चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है कि पप्पू यादव को लालू प्रसाद यादव व तेजस्वी यादव का वोट बैंक तोड़ने के लिए नीतीश कुमार की सरकार ने एक साजिश के तहत गिरफ्तार कराया है। यह लालू-तेजस्वी को कमजोर करने की सफल नहीं होने वाली कोशिश है। इस आरोप पर जनता दल यूनाइटेड ने भी पलटवार किया है। विधायक चंद्रशेखर ने कहा कि पप्पू यादव की गिरफ्तारी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार की सामाजिक न्याय की धारा को कमजोर कर सांप्रदायिक ताकतों को मजबूती देने की एक साजिश है। पप्पू यादव की गिरफ्तारी के पीछे मूल मंशा आरजेडी के वोटरों में कंफ्यूजन पैदा कर देना है। यह गिरफ्तारी लालू प्रसाद यादव के जेल से बाहर आने के बाद ही क्यों हुई, इसे समझना होगा। पप्पू आज जेल में हैं, लेकिन जमानत तो हो ही जाएगी। फिर वे लालू और तेजस्वी के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे, जिसका लाभ सत्ताधारी दलों के नेता उठाएंगे। आरजेडी विधायक चंद्रशेखर के इस बयान पर जेडीयू ने भी पलटवार किया। जेडीयू प्रवक्ता व मधेपुरा से पार्टी के विधान सभा प्रत्याशी रहे निखिल मंडल ने कहा कि आज चंद्रशेखर ने पप्पू यादव की गिरफ्तारी को साजिश करार दिया है। साथ ही उन्हें सत्ताधारी दलों का एजेंट बताया है। ये वही चंद्रशेखर हैं, जिन्होंने साल 2005 का विधानसभा चुनाव मधेपुरा से पप्पू यादव के समर्थन से निर्दलीय लड़ा था। तब वे पप्पू यादव जिंदाबाद का नारा लगा रहे थे। बकौल निखिल मंडल, तब चंद्रशेखर को पप्पू यादव पसंद थे, लेकिन आज नापसंद हैं। स्पष्ट है कि मतलब निकलने के बाद पहचान नहीं रहे हैं।

राजद सुप्रीमो लालू यादव बोले, बेहद दर्दनाक और शर्मनाक घटना, यूपी-बिहार के बेटों से की खास अपील

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू यादव ने इंटरनेट मीडिया पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। लगातार लालू विपक्ष पर ट्वीट करके कटाक्ष कर रहे हैं। बिहार के बक्सर के बाद अब पटना के गुलबी घाट पर भी उतराती लाशें मिली हैं। लाशों को लेकर बिहार में राजनीति गर्मा गई है। शुक्रवार को लालू यादव के एकबार फिर शवों को लेकर कटाक्ष किया है। साथ ही यूपी-बिहार के बेटों से अपील की है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने ट्विटर पर लिखा कि गंगा मैया की गोद में लाशों का अंबार लगना बेहद चिंताजनक, दर्दनाक और शर्मनाक है। किसकी लापरवाही से यह सब हो रहा है यूपी-बिहार के बेटों अपनी जीवनदायिनी गंगा मां को बचाओ। बता दें कि बिहार में गंगा में बहती हुई लाशों पर देश में चर्चा छिड़ गई थी। बक्सर के चौसा के महादेवा घाट पर चार दिन पहले उतराती लाशों की खबर सामने आने के बाद करीब 71 शवों को प्रशासन ने निकाला था। इसके बाद गुरुवार को पटना के गुलबी घाट पर भी दो लाशें दिखी थीं। लालू के साथ ही तेजस्वी एकबार फिर नीतीश कुमार पर हमलावर हो गए। ट्विटर पर तेजस्वी ने लिखा कि डब्ल्यूएचओ व आइसीएमआर मानक के अनुसार आरटी पीसीआर टेस्ट कोरोना जांच का गोल्ड स्टेंडर्स है और उसे कुल जांच का 70% होना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में नीतीश सरकार ठीक इसके विपरीत मात्र 25-30% आरटी पीसीएर जांच कर रही है। इससे भी आश्चर्यजनक तथ्य ये है कि पिछले माह की तुलना में बिहार सरकार ने इस जांच संख्या में 41% कटौती की है जबकि पॉजिटिविटी रेट 20% है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश जी बिहार की जनता आपकी सरकारी कारिस्तानियों से अनभिज्ञ नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की सारी रिपोर्ट्स आखि़र आपके दावों के विपरीत क्यों होती है आंकड़ो का फर्जीवाड़ा कर कृपया राज्यवासियों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करना बंद करिए।

पंजाब में निजी अस्पतालों में मरीजों का दबाव, मृत्युदर सरकारी अस्पताल की अपेक्षा 5 फीसद अधिक

चंडीगढ़ । पंजाब में कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले बढ़ने के साथ ही अस्पतालों पर दबाव बढ़ गया है। राज्य में सरकारी अस्पतालों की अपेक्षा निजी अस्पतालों पर ज्यादा दवाब है। इसका कारण लोगों का सरकारी अस्पतालों की अपेक्षा निजी अस्पतालों पर ज्यादा भरोसा है। लेकिन, सरकारी अस्पतालों की अपेक्षा निजी अस्पतालों में कोरोना मरीजों की मृत्युदर पांच फीसद अधिक है।75 वर्षीय सुरेंदर कौर को जब सांस लेने में तकलीफ हुई तो परिवार वालों ने पटियाला के प्राइवेट अस्पतालों में हाथ-पैर मारना शुरू किया। हालांकि सुरेंदर कौर तब लेवल-2 की ही मरीज थी लेकिन परिवार वालों को सरकारी मेडिकल कालेज या अस्पताल पर भरोसा नहीं था। काफी मशक्कत के बाद बेड मिल गया और रेमडेसीविर इंजेक्शन भी लगाया गया, लेकिन दो दिन बाद यानी शुक्रवार को उनकी मौत हो गई। इसी तरह लुधियाना के सतनाम सिंह (62 वर्ष) भी लेवल टू में प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हुए, फिर उन्हें लेवल थ्री में शिफ्ट किया गया, लेकिन डाक्टर उन्हें बचा नहीं पाए। जबकि, उनके परिवार के गुरमीत कौर (61 वर्षीय) को डाक्टरों ने बचा लिया। कोरोना काल में यह आम भावना बन गई है कि प्राइवेट में जान बच सकती है लेकिन अगर आप सरकारी अस्पताल में भर्ती हुए तो आपकी मौत लगभग तय है। आम लोगों की धारणा भले ही कुछ भी हो लेकिन स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े कुछ और ही बताते है। राज्य में अभी तक के मौत के आंकड़ों को देखे तो सबसे अधिक मौत प्राइवेट अस्पतालों में ही हुई है। पंजाब में वीरवार तक कोरोना की वजह से 11,297 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसमें से 5,536 लोगों की मौत प्राइवेट अस्पतालों में हुई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में सरकारी अस्पतालों में मरने वालों की संख्या 4,970 के करीब है। जबकि 891 लोगों की मौत सेना के विभिन्न अस्पतालों में हुई है। कोविड महामारी के इस दौर में प्राइवेट अस्पतालों द्वारा मरीजों से भारी फीस वसूली की सूचनाएं बेहद आम है। सुरेंदर कौर का दो दिन के दौरान बिल एक लाख के करीब पहुंच गया लेकिन फिर भी जान नहीं बचाई जा सकी। राज्य में मई माह में लगातार 8000 से ज्यादा कोरोना पाजिटिव के केस आ रहे है। हालांकि अस्पताल में भर्ती होने वालों का आंकड़ा 30 फीसदी से भी कम है। वहीं, एक तथ्य यह भी है कि लोगों की पहली पसंद प्राइवेट अस्पताल है। कोविड को लेकर स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी राजेश भास्कर बताते हैं कि लेबल 2 में 70 फीसदी और लेवल 3 में 69 फीसदी लोग प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती है।वीरवार 13 मई तक पंजाब के अस्पतालों में 9619 लोगों को आक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। जबकि 429 मरीज वेंटीलेटर पर हैं, जिनकी स्थित बेहद नाजुक है। पंजाब में 79,950 एक्टिव मरीज है। जबकि 87.5 फीसदी मरीज होम आइसोलेशन में है। स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिद्धू का कहना है, हमारा पहला लक्ष्य मरीज को बचाना है। सरकार का पूरा स्वास्थ्य मंत्री मरीजों को बचाने में लगा हुआ है। सरकार के पास इनफ्रास्ट्रक्टर और काबिल डाक्टरों की कमी नहीं है। आम लोगों की धारणा कुछ भी हो सकती है। लेकिन सरकार की कोशिश है कि मरीज ठीक होकर घर जाए।

प्रदेश में कम हो रहे कोरोना वायरस के नए संक्रमित, बढ़ रही है मृतकों की संख्या

लखनऊ । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर ने उत्तर प्रदेश में काफी कहर बरपाया है। मार्च के अंतिम हफ्ते से तेजी पकडऩे वाले इसके कहर ने अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक प्रदेश को काफी भयभीत किया। अब नए संक्रमित भले ही कम मिल रहे हैं, लेकिन मृतकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

प्रदेश में बीते 24 घंटे में 15747 नए संक्रमित मिले हैं। इस दौरान 312 लोगों ने कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण दम तोड़ दिया है। बीते 24 घंटे में जहां 15747 लोग संक्रमित हुए हैं, वहीं 26,179 लोग इसके संक्रमण से भी उबरे हैं। प्रदेश में अब तक कोरोना के कहर के कारण 16,957 लोगों की मौत हुई है। उत्तर प्रदेश में कुल एक्टिव केस भी दो लाख के नीचे आ गए हैं। पहले यह चार लाख के करीब पहुंचे थे। अब एक्टिव केस एक लाख 93,815 हैं। कल प्रदेश में 2,63,118 सैंपल्स की जांच की गई। अब तक प्रदेश में कुल 4,41,70,466 सैंपल्स की जांच की गई है। रिकवरी रेट 86.8% है।

राजधानी लखनऊ में नए संक्रमित लगातार कम होते जा रहे हैं, अब मेरठ प्रदेश में नम्बर एक पर आ गया है। बीते 24 घंटे में मेरठ में सर्वाधिक 1464 संक्रमित मिले हैं, जबकि 15 लोगों की मौत हो गई है। लखनऊ में 900 नए संक्रमित मिलें हैं तो 21 लोगों ने दम तोड़ा है। कानपुर में भले ही संक्रमितों की संख्या लगातार तेजी से घट रही है, लेकिन मौत के आंकड़े काफी बढ़े हैं। आज 20 लोगों की मृत्यु हो गई है। यहां पर 344 नए संक्रमित मिले हैं। गौतमबुद्धनगर में 718 नए संक्रमित सामने आए हैं तो दस लोगों ने दम तोड़ा है। झांसी में

मौत का सिलसिला बढ़ता ही जा रहा है। यहां पर 213 संक्रमित मिले हैं तो 13 की मौत हो गई है। गोरखपुर में 567 और गाजियाबाद में 527 नए संक्रमित मिले हैं।

प्रदेश के छोटे जिलों में मौत का ग्राफ बढ़ रहा है। चंदौली में बीते 24 घंटे में 14, बहराइच में 16 और हरदोई और मथुरा में दस-दस लोगों की मौत हो गई है। हरदोई में तो सिर्फ 59 नए केस मिले हैं जबकि बहराइच में 119, चंदौली में 118 और मथुरा में 463 नए संक्रमित मिले हैं। वाराणसी में स्थिति में काफी तेजी से सुधार हुआ है। यहां पर 587 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि 12 की मौत हुई है।

अब तक कुल मिलाकर 1,13,82,604 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज़ दी गई है और 30,54,258 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज़ लगाई गई है। अगले सोमवार (17 मई) से 10-44 आयु वर्ग का वैक्सीनेशन अभियान 23 जनपदों में चलाया जाएगा। प्रदेश में ऑक्सीजन सप्लाई को लगातार बढ़ाया जा रहा है। वातावरण से ऑक्सीजन बनाने के प्लांट लगाने का कार्य किया जा रहा है। प्रदेश में 377 अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट लाने की कार्य तेजी से चल रहा है, 15 अस्पतालों में प्लांट शुरू भी हो गए।

न्यायिक सेवा के दो अधिकारियों की मौत- कोरोना वायरस संक्रमण के कारण प्रदेश में भले ही रिकवरी दर 86 प्रतिशत हो गई है, लेकिन मौत का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। प्रदेश में ललितपुर और संतकबीरनगर में इसके संक्रमण से दो जज का निधन हो गया। ललितपुर में तैनात एडिशनल सिविल जज ओमवीर सिंह का दिल का दौरा पडऩे से निधन हो गया। वह 53 वर्ष के थे। ओमवीर आगरा के रहने वाले थे। कोरोना संक्रमण के कारण उनका इलाज ललितपुर के एक अस्पताल में चल रहा था। संत कबीर नगर में तैनात परिवार कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शकील अहमद खान (57 वर्ष) की भी मौत हो गई। यह भी कोरोना से संक्रमित थे। इनकी पुष्टि झांसी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव सिविल जज डॉ. सुनील कुमार सिंह ने की है।

आनंद गिरि निरंजनी अखाड़ा और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद से निष्कासित, संत परंपरा का लंबे समय से उल्लंघन कर रहे थे

प्रयागराज । योग गुरु आनंद गिरि बड़ी मुसीबत से घिर गए हैं। उन्हें निरंजनी अखाड़ा ने निष्कासित कर दिया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने भी उन्हें बाहर कर दिया है। हालांकि निरंजनी अखाड़े और परिषद में उनका कोई अहम पद नहीं था। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष स्वामी नरेंद्र गिरि का आरोप है कि आनंद गिरि संत परंपरा का लंबे समय से उल्लंघन कर रहे थे। अपने परिवार से मेलजोल बढ़ा लिया था और बगावत करने लगे थे। आनंद गिरि पर लगे आरोपों की जांच के लिए हरिद्वार में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की ओर से भेजे गए पत्र पर जांच हुई, पंच परमेश्वर ने आरोप को सही पाते हुए बड़ा निर्णय लिया।

ज्ञात हो कि आनंद गिरि प्रयागराज धर्मक्षेत्र से लेकर देश और दुनिया के भी कई अन्य देशों में योग गुरु के रूप में विख्यात हैं। वे अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष स्वामी नरेंद्र गिरि के शिष्य हैं, करीब दो दशक पहले स्वामी नरेंद्र गिरि के संपर्क में आए थे। तब से उन्होंने बाघंबरी मठ में ही स्वामी नरेंद्र गिरि के सानिध्य में रहकर योग प्रशिक्षण व अन्य धार्मिक आयोजनों में बढ़ चढ़कर भागीदारी निभाई। उनके निष्कासन के संबंध में स्वामी नरेंद्र गिरि ने दैनिक जागरण को बताया कि आनंद गिरि राजस्थान के भीलवाड़ा के रहने वाले हैं। वहां से उनके परिवार के लोग, खासतौर से भाई-भाभी इनके पास आने लगे थे। नासिक, उज्जैन और प्रयागराज में भी हुए कुंभ आयोजन में परिवार के लोग आए थे। उन्हें आनंद गिरि ने पूरी सुविधा देते हुए घर की तरह ठहराया था। मना किए जाने पर नहीं माने। इसके बाद उन्होंने हरिद्वार कुंभ में भी परिवार को बुलाया।

स्वामी नरेंद्र गिरि ने यह भी बताया कि आनंद गिरि ने बगावत शुरू कर दी थी, मठ और अखाड़ा परिषद को बताए बिना हरिद्वार में बड़ी जमीन खरीद ली। इन सब आरोपों की जांच के लिए दो दिनों पहले अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के बतौर अध्यक्ष स्वामी नरेंद्र गिरि ने पत्र निरंजनी अखाड़ा को भेजा। अखाड़े ने परंपरा के अनुसार मामला पंच परमेश्वर के सुपुर्द करके जांच कराई।

लखनऊ में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारी ईद-उल-फितर के मौके पर पहरा देते हुए।

यूपी में नदी किनारे लावारिस शवों को लेकर बढ़ाई गई सतर्कता, एसडीआरएफ और जल पुलिस भी सक्रिय

लखनऊ । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नोटिस के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सूबे में नदी किनारे उतराते मिल रहे शवों का सम्मानजनक ढंग से अंतिम संस्कार कराने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) व पीएसी की जल पुलिस वाहनियों को लगाकर प्रदेश की सभी नदियों की सघन पेट्रोलिंग कराने और कहीं भी परंपरा के नाते शवों को नदियों में बहाने से रोके जाने के निर्देश दिए हैं।

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के बाद सात जिलों में एसडीआरएफ की एक-एक कंपनी मुस्तैद की गई है, जबकि कई जिलों में पहले से जल पुलिस की तैनाती पूर्व से ही थी। एडीजी के अनुसार गोरखपुर, वाराणसी, गाजीपुर, उन्नाव, कानपुर और हमीरपुर में एक-एक कंपनी एसडीआरएफ की टीम तैनात कर दी गई हैं। इन जिलों में आधा-आधा कंपनी जल पुलिस पहले से तैनात है। इसके अतिरिक्त बुलंदशहर, बिजनौर, कासगंज, अलीगढ़, फहेतपुर, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या, कौशांबी, प्रतापगढ़, रायबरेली, आजमगढ़, भदोही, चंदौली, बलिया, गोंडा, बहराइच, कुशीनगर, महाराजगंज व देवरिया में जल पुलिस मुस्तैद की गई है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हो अंतिम संस्कार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने निर्देश में कहा है कि प्रदेश में नदी किनारे बसे गांवों में ग्राम विकास अधिकारी व ग्राम प्रधान तथा शहरी क्षेत्रों में कार्यकारी अधिकारी व नगर पालिका, नगर पंचायत व नगर निगम अध्यक्षों के जरिए समितियां बनाकर यह सुनिश्चित कराया जाए कि कहीं भी कोई परंपरा के नाते शव को नदी में न बहाए। सभी शवों का सन्नानजनक रूप से धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप अंतिम संस्कार कराया जाए।

नदी में शव बहाने वालों पर जुर्माना भी लगाएं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां जरूरत पड़े वहां शव को नदी में बहाने वालों पर जुर्माना भी लगाया जाए। साथ ही नदियों को प्रदूषण मुक्त व साफ-सुथरा रखने के निर्देश दिए। कहा कि गृह विभाग, नगर विकास विभाग, ग्राम विकास व पंचायत विभाग तथा पर्यावरण विभाग मिलकर कार्ययोजना भी बनाएं, जिससे कहीं भी नदी में शव न बहाये जाएं।

नदी किनारे हो 24 घंटे पहरा : डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने सभी जिलों में नदी किनारे जल पुलिस व स्थानीय पुलिस की नदी किनारे 24 घंटे प्रभावी गश्त कराने का निर्देश दिया है। नदियों के किनारे व घाटों को चिन्हित कर संबंधित थाना प्रभारी को यह सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है कि कोरोना प्रभावित किसी भी व्यक्ति के शव का अंतिम संस्कार कोविड प्रोटोकाल के तहत ही कराया जाए। पुलिस संभ्रांत नागरिकों की मदद से लोगों को जागरूक भी करे। लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को कोरोना संक्रमित व्यक्ति के शव का अंतिम संस्कार प्रशासन की सहायता से कराने की जानकारी भी दी जाए।

एटा में 84 वर्ष के बुजुर्ग बंदी को बेड में जंजीर से बांधकर चले गए पुलिसकर्मी, फोटो वायरल होने पर जागे अफसर

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के एटा जिले से बड़ी संवेदनहीनता की तस्वीर सामने आई है। एटा जिला कारागार से नॉन कोविड हॉस्पिटल में इलाज कराने आए 84 साल के सजायाफ्ता बुजुर्ग बंदी को पुलिस वाले जंजीरों में जकड़ कर गायब हो गए। बुजुर्ग बंदी के पैर में जंजीर डाल कर उसे बेड से बांध दिया गया। इसकी तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने पर मामला बड़े अफसरों के संज्ञान में आया तो जेल वार्डर अशोक यादव को निलंबित कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश के एटा जेल में सजायाफ्ता बुजुर्ग बंदी बाबूराम को अस्पताल में जंजीरों से जकड़कर रखे जाने के मामले को डीजी जेल आनन्द कुमार ने बेहद गंभीरता से लिया है। बुजुर्ग बंदी बाबूराम के पैरों में बेड़ी बांधकर रखा गया था। इसकी तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने पर मामला बड़े अफसरों के संज्ञान में आया। डीजी जेल ने इस अमानवीय कृत्य के लिए जेल वार्डर अशोक यादव को निलंबित कर दिया है। साथ ही विभागीय कार्रवाई भी शुरू करने का आदेश दिया है।

डीजी जेल आनन्द कुमार ने इस गंभीर मामले में पर्यवेक्षण अधिकारी से भी स्पष्टीकरण तलब किया है। डीजी जेल का कहना है कि प्रकरण में जो भी अधिकारी व कर्मी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होगी। माना जा रहा है कि इस मामले में जल्द कुछ अन्य कर्मियों पर भी कार्रवाई हो सकती है। पर्यवेक्षणीय अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी दोषी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नही जाएगा।

गुरुवार को एटा के अस्पताल में भर्ती 84 वर्षीय कैदी बाबूराम की एक तस्वीर इंटरनेट मीडिया में वायरल हुई, जिसमें बंदी जंजीर से अस्पताल के बेड पर बंधा था। हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे बाबूराम को तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एटा जनपद के कुल्ला हबीबपुर गांव का रहने वाले बुजुर्ग बाबूराम हत्या के आरोप में जेल काट रहे हैं। 6 फरवरी 2021 से एटा जेल में हैं।

बता दें कि बुजुर्ग बाबूराम को एटा जेल में सांस लेने में तकलीफ हुई तो जेल प्रशासन ने उसे 9 मई को जिला अस्पताल एडमिट करने के लिए भेजा। जिला अस्पताल में बेड खाली न होने का हवाला देकर उसे अलीगढ़ भेजा गया।

वाराणसी में पुलिस चौकी के सामने हिल रही थी एंबुलेंस, भीतर झांका तो रंगरेलियां मनाते मिले तीन दोस्त

वाराणसी । वैश्विक महामारी में एक तरफ एंबुलेंस मरीजों के लिए संजीवनी बनी हुई है तो वहीं शुक्रवार को एंबुलेंस में एक युवती संग तीन युवक आपत्तिजनक हालत में मिलने का मामला प्रकाश में आया है। सूजाबाद पुलिस चौकी के सामने खड़ी एंबुलेंस को हिलता देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने एक युवती संग तीन युवकों को गाड़ी के अंदर आपत्तिजनक हालत में पाया। इसके बाद महिला सहित तीनों युवकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। साथ ही एंबुलेंस को भी जब्त कर लिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोरोना संक्रमण काल में एंबुलेंस जान बचाने का वाहन बना हुआ है, लेकिन रंगरेलियां का भी साधन बन जाएगा इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। जब पुलिस चौकी के सामने एंबुलेंस हिलती नजर आई तो लोगों को भीतर मौजूद मरीज की हालत का अंदेशा हुआ तो जिज्ञासावश लोग भीतर झांकने लगे। मगर भीतर युवती संग अश्लील हरकत करते तीन लोगों को देखकर ग्रामीणों के होश उड़ गए। आनन फानन इस बाबत पुलिस को अवगत कराया गया तो पुलिस ने मौके से युवती संग तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लेने के बाद थाने ले जाने पर तीन दोस्तों ने जो कहानी बताई उसे सुनकर पुलिस का भी दिमाग चकरा गया। पुलिस को शक है कि इस एंबुलेंस के जरिए कोरोना काल में अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा होगा। पुलिस के अनुसार एक युवक मण्डुवाडीह स्थित एक निजी अस्पताल की एंबुलेंस को 15 हजार रुपये मासिक किराया पर लेकर मरीजों को लाने ले जाने का काम शुरू किया। गाड़ी चलाने के लिए उसने लंका के नगवां निवासी एक युवक को रखा। एंबुलेंस चालक का कबीरचौरा निवासी एक दोस्त अपने एक अन्य दोस्त व एक युवती के साथ एंबुलेंस में बैठ गए। सभी एंबुलेंस लेकर सूजाबाद- पड़ाव पहुंचे जहां पुलिस चौकी के ही सामने गाड़ी खड़ी कर महिला के साथ रंगरेलियां मनाने लगे। एंबुलेंस में इस तरह की घटना होने से लोगों में चर्चाओं का बाजार भी गर्म हो गया। वैसे ही महामारी के इस दौर में एंबुलेंस काफी चर्चा में आ गई है। कुछ किलोमीटर मरीज को पहुंचाने पर लाखों रुपये किराया लिया जा रहा है तो अन्य कई तरह के मामले सामने आने लगे हैं।

18 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थी धनबाद में आईएसएम टीकाकरण केंद्र में कोविड-19 वैक्सीन की खुराक प्राप्त करने के लिए कतार में प्रतीक्षा करते हुए।

दीघरा में दो वाहनों की टक्कर में दो की मौत, चार घायल

मुजफ्फरपुर । सदर थाना क्षेत्र के एनएच 28 स्थित दीघरा के पास शुक्रवार दोपहर दो कारों की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी। इससे वहां अफरातफरी की स्थिति बन गई। सूचना पर सदर थाने की पुलिस पहुंची। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान मनियारी शिवनपट्टी के मो. एजाज अहमद व मझौली रतवारा के आस मोहम्मद के रूप में हुई है। वहीं दूसरे वाहन पर सवार समस्तीपुर मोहनपुर थाना क्षेत्र के बेली निवासी सोनू कुमार, अतिश कुमार व अनिष ड्क्षसह समेत अन्य घायल हैं। घायलों का बैरिया के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बताया गया कि समस्तीपुर की तरफ से एसयूवी कार सवार सोनू समेत चार लोग कच्ची-पक्की की तरफ जा रहे थे। इसी क्रम में कच्ची-पक्की से एजाज व अन्य समस्तीपुर की तरफ दूसरी कार से जा रहे थे। उन्हें मनियारी इलाके में जाना था। इसी क्रम में दीघरा के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। भीषण हादसे के बाद तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग दौड़े। कुछ पल के लिए लोगों को लगा कि कुछ विस्फोट हुआ है। कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। कहा जा रहा कि कार की गति इतनी तेज थी कि सड़क किनारे बनी रेड्क्षलग को भी तोड़ते हुए ऊपर चढ़ गई। सदर थाने की पुलिस ने बताया कि चार घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं दो लोगों की हादसे में मौत हुई है। दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि सोनू समेत अन्य चालक अवधेश के साथ उत्तर प्रदेश के गोंडा स्थित रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। इसी क्रम में विपरीत दिशा से जा रही क्रेटा कार ने तेजी से एसयूवी में टक्कर मार दी।

कोलकाता में कोविड -19 की दूसरी लहर के दौरान अक्षय तृतीया महोत्सव के अवसर पर कालीघाट के काली मंदिर में पुजारी एक भक्त के माथे पर तिलक लगाते हुए।

गुवाहाटी में कोविड -19 कर्फ़्यू नियमों को तोड़ने के लिए अर्धसैनिक बल का एक जवान महिलाओं को दंडित करते हुए।

असम के तिनसुकिया जिले के टिंगराई बाजार में हार्डवेयर की दुकान के सामने पुलिस अधिकारी खड़े हैं जहां ग्रेनेड विस्फोट हुआ था।

एक नजर

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने हनी ट्रैप का रैकेट चलाने वाली महिला पुलिस थाने की पूर्व इंस्पेक्टर को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद । अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने शहर में हनी ट्रैप का रैकेट चलाने वाली महिला पुलिस थाने की पूर्व इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। कुछ युवक युवतियों के साथ मिलकर वह फेसबुक के जरिए धनी व संभ्रांत परिवार के लोगों से संपर्क करते तथा मेलजोल बढ़ा कर शारीरिक संबंध स्थापित करते हैं तथा बाद में उन्हें छेड़खानी, दुष्कर्म जैसे मामलों में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलते। अपराध शाखा महिला ब्रांच की सहायक पुलिस आयुक्त मिनी जोसेफ को गत दिनों एक शिकायत मिली जिसमें पूर्व महिला पुलिस निरीक्षक पर अहमदाबाद में हनी ट्रैप का रैकेट चलाकर धनी व संभ्रांत परिवार के लोगों से लाखों रुपए ऐंठने के आरोप लगाए गए थे।

पूर्व पुलिस निरीक्षक गीता पठान को इस रैकेट की सूत्रधार माना जा रहा है। कुछ साल पहले वर्ष 2014 में नौकरी पर रहने के दौरान रिश्वत लेने के मामले में भी गीता के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने गीता को गिरफ्तार किया था। मार्च 2021 में पुलिस ने जितेंद्र उर्फ़ जीतू मोदी, बिपिन परमार तथा इनकी गेंग की दो युवतियों को गिरफतार किया था। इस मामले में हुई जांच तथा आरोपियों के बयानों के बाद अपराध शाखा ने गीता पठान को भी गुरुवार को हनी ट्रैप का रैकेट चलाने के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

गीता गैंग में शामिल लड़कियों के जरिए धनी लोगों को फंसाती तथा बाद में उन्हें उम्रकैद की सजा तथा समाज में बदनामी का डर दिखाकर उनसे लाखों रुपए ऐंठती। पुलिस विभाग में काम कर चुकी गीता को कानून की बारीकियां पता थी तथा विभाग में भी उसके कई संपर्क थे जिनका भय दिखाकर वह लोगों को ठगा करती थी। पुलिस को अपने विभाग में कार्यरत कर्मचारियों पर भी हनी ट्रैप रैकेट में गीता पठान की मदद करने का शक है। हाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरी शादी करने पर महिला को थूककर चाटने की सजा व एक लाख रुपये जुर्माना

मुंबई । महाराष्ट्र के अकोला जिले में एक जाति पंचायत ने एक महिला को दूसरी शादी करने पर थूक कर चाटने व एक लाख रुपये जुर्माना भरने की सजा सुनाई। महिला द्वारा हिम्मत कर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने पर पंचायत के 10 लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर लिया गया है। पंचायत के तानाशाही फरमान की शिकार बनी महिला का पहला विवाह 2011 में अकोला में हुआ था। पहले पति से 2015 में उसका तलाक हो जाने के चार साल बाद 2019 में उसने दूसरा विवाह जलगांव जिले में कर लिया। नाथ-जोगी संप्रदाय की उक्त महिला का दूसरा विवाह करना उसकी जाति पंचायत को रास नहीं आया। जाति पंचायत ने अकोला में उक्त महिला की बहन व उसके कुछ और रिश्तेदारों को बुलाकर फरमान सुनाया कि दूसरा विवाह करने वाली महिला को एक लाख रुपये जुर्माना अदा करने व पंचायत के सामने थूक कर चाटने के बाद ही उसकी जाति में वापस लिया जाएगा। पंचायत ने यह फरमान पिछले माह नौ अप्रैल को सुनाया था। यह बात जब जलगांव में रह रही भुक्तभोगी महिला को पता चली, तो उसने हिम्मत जुटाकर जाति पंचायत के 10 लोगों के विरुद्ध जलगांव के ही चोपड़ा पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा दी। जलगांव के एसएसपी प्रवीण मुंडे के अनुसार, पुलिस ने महाराष्ट्र प्रोटेक्शन आफ पीपुल फ्राम सोशल बायकाट (प्रिवेंशन, प्राहिबिशन एवं रीड्रेशल) एक्ट की धारा पांच व छह के तहत मामला दर्ज किया है। जलगांव पुलिस ने जांच के लिए यह मामला अकोला के पिंजर पुलिस थाने को स्थानांतरित कर दिया है।

गौरतलब है कि मार्च, 2021 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने दूसरी शादी की वैधता के सिलसिले में एक बड़ा फैसला दिया। अदालत ने अपने फैसले में कहा है कि एक बेटी अपने पिता की दूसरी शादी की वैधता को अदालत में चुनौती दे सकती है। जस्टिस आरडी धनुका और जस्टिस वीजी बिष्ट की पीठ ने अपने फैसले में 66 वर्षीय महिला की याचिका स्वीकार कर ली जिसमें परिवार अदालत के एक आदेश को चुनौती दी गई है। दरअसल याचिकाकर्ता महिला ने अपने पिता की दूसरी शादी की वैधता को चुनौती देते हुए साल 2016 में परिवार अदालत में एक याचिका दाखिल की थी। महिला ने याचिका में दलील दी थी कि उसके पिता ने उसकी मां की साल 2003 में मृत्यु हो जाने के बाद दूसरी शादी कर ली थी लेकिन पिता की मृत्यु के बाद साल 2016 में उसे पता चला कि उसकी सौतेली मां ने अपनी पिछली शादी से तलाक नहीं लिया था।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन विजय सांपला ने बंगाल के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लगाए गंभीर आरोप

कोलकाता । बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद हुई हिंसा के बीच दो दिवसीय राज्य दौरे के बाद राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) के चेयरमैन विजय सांपला ने शुक्रवार को कहा कि बंगाल में अनुसूचित जाति वर्ग के लोग डर और दहशत के माहौल में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनपर होते अत्याचार में पुलिस दंगाइयों के साथ खड़ी है। जिला प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। बंगाल में अनुसूचित जाति (एससी) के लोगों पर हुए अत्याचार की शिकायतों के बाद इसकी पड़ताल के लिए गुरुवार को सांपला की अगुवाई में आई आयोग की टीम ने दो दिवसीय दौरे के दौरान राज्य के हिंसा प्रभावित कई इलाकों का दौरा किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। इसके बाद कोलकाता में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सांपला ने कहा कि इस दौरान लगभग 1,000 शिकायत पत्र जमा हुए हैं। दिल्ली लौटने के बाद वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को रिपोर्ट सौंपेंगे। सांपला ने कहा, 1947 की जो दर्दनाक भयावह आपबीती बुजुर्गों से हम सुनते थे, तस्वीरें देखते थे, उसका प्रत्यक्ष एहसास मुझे पूर्व बर्द्धमान जिले के मिल्कीपाड़ा गांव में दौरे के समय हुआ, जहां एक ही लाइन में 12 दुकानें तोड़ी व लूटी गई हैं।

उन्होंने कहा कि बंगाल पुलिस दंगाइयों के साथ खड़ी है और यही कारण है कि बर्द्धमान के गांव नबाग्राम और दक्षिण 24 परगना जिले के नबासन गांव में पीड़ित अनुसूचित जाति समुदाय से जुड़े परिवार घर छोड़कर भाग गए और दंगाई सरेआम घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि बर्द्धमान शहर के अंदर घरों पर आक्रमण कर घर जलाए गए। तोड़े गए, लूटे गए। डर के मारे पूरे के पूरे मोहल्ले खाली हो गए हैं। बंगाल पुलिस आंख व कान बंद कर बैठी है। सांपला ने आगे कहा कि अनुसूचित जाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही, क्योंकि इसके तहत शिकायत आने पर, पहले एफआइआर करनी होती है, फिर सीधा आरोपितों को गिरफ्तार करना होता है और बाद में जांच होती है। उन्होंने कहा कि मुआवजा तो छोड़ों पीड़ितों की तो जिला प्रशासन द्वारा ना तो सूची बनाई गई है, ना उनके नुकसान का अंदाजा लगाया गया है और ना ही उन्हें अब तक कोई मुआवजा दिया गया है। जब तक उनका पुनर्वास नहीं हो जाता, तब-तक प्रशासन को उनको तीनों समय का भोजन के लिए राशन और सिर रहने के लिए जगह देनी होती है। वह भी बंगाल प्रशासन अब तक नहीं कर पाया।

गुजरात में कोरोना के 9995 नए मामले और 104 मौतें, संक्रमण के भय से कई परिवार खेतों में

अहमदाबाद । गुजरात में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 9995 केस सामने आए, जबकि 104 लोगों की मौत हो गई। अहमदाबाद में कोरोना संक्रमितों की संख्या 2764 है, जबकि मौत का आंकड़ा 15 है। राज्य में कोरोना संक्रमण के मामले अब दस हजार से कम हो गए हैं। पिछले चौबीस घंटे में राज्य में 15 हजार 365 मरीज स्वस्थ होकर घर पहुंचे। राज्य में हाल सक्रिय केसों की संख्या एक लाख 17373 है। जबकि अब तक कुल सात लाख 35348 लोग संक्रमित हुए, जिनमें से छह लाख 09031 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना से अब तक राज्य में 8944 की मौत हो चुकी है। गुजरात में शुक्रवार को 33050 लोगों का टीकाकरण हुआ, राज्य में अब तक एक करोड़ 47 लाख 51911 टीके लगाए जा चुके हैं।

जानें-कहां कितने मामले

अहमदाबाद महानगर पालिका इलाके में 2764 केस व 15 की मौत दर्ज की गई, जबकि सूरत महानगर पालिका क्षेत्र में 631 केस व नौ की मौत, वडोदरा महानगर पालिका में 639 केस व छह की मौत, राजकोट महानगर पालिका में 316 केस व पांच मौतें, जामनगर महानगर पालिका क्षेत्र में 242 केस व छह की मौत, भावनगर महानगर पालिका में 201 केस व तीन की मौत, जूनागढ़ महानगर पालिका क्षेत्र में 244 केस व दो मौत, गांधीनगर महानगर पालिका में कोरोना संक्रमण के 98 मामले सामने आए व एक की मौत दर्ज की गई। वडोदरा जिले में 429 केस, मेहसाणा में 338, राजकोट में 306, अमरेली में 285 केस, जूनागढ़ में 253 केस, बनासकांठा में 235, सूरत में 219 केस, पंचमहाल में 198 केस, दाहोद में 187, आणंद में 178, खेडा में 174, गीर सोमनाथ में 173, कच्छ में 170, जामनगर में 151, साबरकांठा में 142, भरुच में 131 केस, गांधीनगरा जिले में 125,

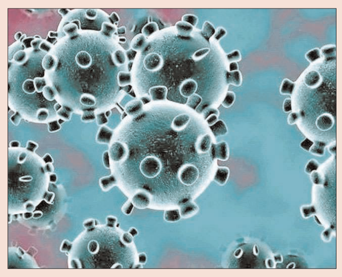

पाटण में 116, महीसागर में 111, सुरेंद्रनगर में 109, वलसाड में 109, भावनगर जिला में 107 केस, नवसारी में 103, अरवल्ली में 95, देवभूमि द्रवारिका में 92 केस, नर्मदा में 67 केस, अहमदाबाद जिला में 60 केस, पोरबंदर में 58 केस, छोटा उदेपुर में 41, तापी में 39, मोरबी में 34, बोटाद में 19 व डांग में सबसे कम कोरोना संक्रमण के छह केस सामने आए।

कोरोना संक्रमण के भय से कई परिवार खेतों में- उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के एक गांव में कोरोना संक्रमण के भय से कई परिवार खेतों में जाकर रहने लगे हैं। करीब 180 महिला-पुरुष व बच्चों की आबादी वाले इस गांव में गुरुवार तक 40 लोग संक्रमित होने की खबर है। शुक्रवार को जब मेडिकल टीम ने वहां पहुंचकर कोरोना की जांच की तो 30 में से सात संक्रमित निकले।

हिम्मतनगर के धूलेटा गांव में जब किसी परिवार में कोई कोरोना संक्रमित मलता है, तब वह परिवार या उसका पड़ोसी परिवार खेतों में चला जाता है। बीस से पच्चीस परिवार वाले इस गांव के एक दर्जन परिवार खेतों में रहने चले गए हैं। ग्रामीण बताते हैं कि धूलेटा में गुरुवार तक कोरोना से 40 संक्रमित हुए तथा सात की मौत हो गई। प्रशासन ने अभी तक मौत की पुष्टि नहीं की है। शुक्रवार को मेडिकल टीम इस गांव में पहुंची, यहां 30 लोगों का टेस्ट किया गया, जिसमें से सात और संक्रमित पाए गए। गांव में अधिकांश लोग किसान व पशुपालक हैं।

नौ घंटे में जोधपुर के तीन विधानसभा क्षेत्रों के आठ स्वास्थ्य केंद्रों पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने सेवाओं का लिया जायजा

जोधपुर । केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपने संसदीय क्षेत्र जोधपुर में वैश्विक महामारी बीच आमजन के मध्य जाकर हौसला बढ़ा रहे हैं। अल्प समय में जोधपुर शहर में अटल कम्युनिटी कोविड रिलीफ सेंटर कोविद अस्पताल बनाने के बाद शेखावत शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र शेरगढ़ और पोकरण विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। नौ घंटे में जोधपुर के तीन विधानसभा क्षेत्र के आठ स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचे मंत्री शेखावत ने बालेसर, शेरगढ़, फलसूंड, भणियाणा देचू व पोकरण क्षेत्र में राजकीय स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर चिकित्सा सुविधाओं, विशेष रूप से कोरोना मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं को परखा। साथ ही, भरोसा दिलाया कि जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वास्थ्य केंद्रों में सभी चिकित्सा संबंधी सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर मंत्री शेखावत ने तत्काल दो-दो अत्याधुनिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर समर्पित किए। शेखावत ने यहां लगाए जा रहे ऑक्सीजन प्लांट के फाउंडेशन कार्य का अवलोकन किया। शेखावत ने स्वास्थ्य केंद्र के लिए दो अत्याधुनिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी एसडीएम को सौंपे।

लोहावाट विधानसभा क्षेत्र के देचू स्थित मॉडल टीकाकरण केंद्र स्वास्थ केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्था को परखा और कोविड संक्रमित मरीजों के बारे जानकारी ली। यहां पर भी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर समर्पित किया। इस दौरान मौजूद कुछ लोगों ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में जनरेटर है, लेकिन लंबे समय से खराब है। इस मंत्री शेखावत ने वहीं पर मौजूद एसडीएम को तत्काल जनरेटर ठीक करवाने के निर्देश दिए। इसके बाद मंत्री शेखावत सेतरावा पहुंचे और स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और व्यवस्था देखी। यहां भी अत्याधुनिक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर समर्पित किए गए।

गौरतलब है कि केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और उनकी टीम ने मात्र सात दिन में सूर्यनगरी में अत्याधुनिक अटल कम्युनिटी कोविड रिलीफ सेंटर तैयार कर दिया। सोमवार को केंद्रीय मंत्री शेखावत के सानिध्य में भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर और पूजन कर सेंटर को एम्स की टीम को सौंप दिया। राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान में करोड़ रुपये की लागत से बने 120 बेड के इस सेंटर में ऑक्सीजन, मॉनिटर जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। शेखावत ने कहा कि यह सेंटर जोधपुर एम्स का एक्सटेंशन विंडो है और एम्स की टीम ही यहां मरीजों का इलाज करेगी। शेखावत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि 19 अप्रैल को मैं जब जोधपुर आया था, तब जिला प्रशासन को हॉस्पिटल बनाने के लिए प्रस्ताव दिया था। मैंने जिला कलेक्टर से कहा था कि एक रुपये से दस करोड़ रुपये तक जो भी खर्च आएगा, वो सब हम लोग करेंगे। मैं जब एक मई को दिल्ली से जोधपुर लौटा तो पाया कि जोधपुर में एक-एक बेड के लिए लोग रात-रात भर इंतजार कर रहे थे। लोग परेशान और दुखी थे। तभी व्यथित मन से संकल्प लेकर वरिष्ठ साथियों के साथ बैठकर चर्चा की और यह बीड़ा उठाया।

राजस्थान में कोरोना के 14289 नए मामले और 155 की मौत

जयपुर । राजस्थान में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 14289 नए पॉजिटिव केस मिलने के साथ ही 155 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक कुल 6472 मरीजों की मौत हुई है। वहीं, कुल पॉजिटिव केसों की संख्या आठ लाख 35 हजार 814 है। शुक्रवार को 13,270 पीड़ित उपचार के बाद स्वस्थ हुए हैं। वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या दो लाख 12 हजार 753 है। एक्टिव केसों की वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में आरटीपीसीआर टेस्ट की क्षमता बढ़ाई है। ग्रामीण इलाकों में घर-घर सर्वे किया जा रहा है। इसी बीच, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि एक्टिव केसों के मामले में राजस्थान देश में चौथे नंबर पर है। वर्तमान में ऑक्सीजन आवंटन 435 मैट्रिक टन है, जबकि मांग अधिक है,स्थिति बेहद नाजुक है। क्योंकि पूर्व में बर्नपुर और बलिंगनगर से 100 मैट्रिक टन ऑक्सीजन का आवंटन हुआ, लेकिन उसे उठाने में अड़चन है। बेहतरीन प्रयासों के बावजूद इस कोटा का उपयोग नहीं हो पा रहा है।

गहलोत ने कहा कि मैं जामनगर और हजीरा से ऑक्सीजन के आवंटन को संशोधित करने की मांग करता हूं। बढ़ते संक्रमण के बीच कोरोना के उपचार में काम आने वाले इंजेक्शन और दवाइयों की कालाबाजारी भी काफी हो रही है। पुलिस लगातार कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। सीएम गहलोत ने ट्वीट में कहा कि कोरोना महामारी की विकट परिस्थितियों में कुछ लोग दवा और अन्य जरूरी सामान की जमाखोरी व कालाबाजारी कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर राजस्थान सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। बढ़ते संक्रमण के बीच 45 साल या इससे अधिक उम्र के लोगों का वैक्सीनेशन कभी भी बंद हो सकता है। अशोक गहलोत सरकार के पास इस उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन के लिए पर्याप्त डोज नहीं है।

जयपुर में ट्रक की टक्कर से पुलिस कांस्टेबल सहित तीन की मौत

जयपुर । जयपुर में बृहस्पतिवार देर रात करीब दो बजे जन्मदिन मनाने कार से निकले एक पुलिस कांस्टेबल और उसके दो साथियों की कार को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौत हो गई। हादसा शहर के मानसरोवर इलाके में हुआ। मानसरोवर में बदरवास चौराहे पर तेज रफ्तार से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मारी।

टक्कर मारने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। शहर के सोड़ाल पुलिस थाने में तैनात कांस्टेबल जगदीश चौधरी का बृहस्पतिवार को जन्मदिन था। वह अपनी पारिवारिक मित्र गायत्री और निखिल शर्मा के साथ कार लेकर देर रात जन्मदिन मनाने निकला था। वे जन्मदिन मनाकर घर वापस जा रहे थे, अचानक यह हादसा हो गया।

सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपाल सिंह भाटी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों के शवों को सवाई मान सिंह अस्पताल पहुंचाया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। पुलिस के अनुसार, ट्रक चालक का अब तक पता नहीं चल सका है। ट्रक जब्त कर लिया गया। 33 वर्षीय मृतक पुलिस कांस्टेबल जगदीश चौधरी जयपुर जिले के फागी का रहने वाला था। वहीं, निखिल शर्मा हाईकोर्ट में वकालात करता था। गायत्री प्रतापनगर में रहती थी।

गौरतलब है कि राजस्थान में अलवर जिले के एक गांव में ट्रक के केबिन में आग लगने से उसमें खेल रहे चार बच्चे जिंदा जल गए थे। रामगढ़ के एसएचओ रामनिवास मीणा ने बताया कि हादसा जिले के चौमा गांव में शनिवार को हुआ है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह शार्ट सर्किट सामने आई है। उन्होंने बताया कि तीन बच्चों की मौत शनिवार रात ही हो गई थी, जबकि एक ने रविवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

ख्वाजा की दरगाह में ईद पर खुला जन्नती दरवाजा

अजमेर । अजमेर स्थित सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह पर शुक्रवार को ईद उल फितर के अवसर पर तमाम धार्मिक रस्में अदा की गईं। जन्नती दरवाजा खुला और खिदमत हुई। ईद का त्योहार मुस्लिम समाज ने घर पर ही रहकर धार्मिक रस्मीतौर पर खुशनुमा माहौल में मनाया। हमेशा की तरह मस्जिदों में होने वाली सामूहिक नमाज नहीं हुई। लोगों की एकाएक भीड़ दरगाह के बाहर एकत्रित ना हो यह विचार कर ही जिला पुलिस प्रशासन ने एहतियातन कदम उठाए और दरगाह के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। सुबह से दरगाह क्षेत्र के बाहर शांति और सामान्य स्थिति बनी रही। रहमतों और बरकतों के रमजान माह की चांद रात को चांद दिखाई देने के ऐलान के बाद ईद मनाने और मुबारकबाद का सिलसिला शुरू हो गया था।

ख्वाजा साहब की दरगाह स्थित जन्नती दरवाजा भी आज तड़के खोला गया और कोरोनाकाल एवं लोकडाऊन की सख्ती के चलते परम्परागत तरीकें से होने वाली सार्वजनिक नमाज नहीं हुई। इस दौरान दरगाह और दरगाह क्षेत्र विरान नजर आए। दरगाह के दीवान सैयद जैनुअल आबेदीन ने जन्नती दरवाजे होते हुए आस्ताना शरीफ में जियारत की। दरगाह के निजाम गेट पर पहुंचने पर परंपरागत तरीके से उनका शादियाने और झांझ

बजा कर शाही अंदाज में स्वागत किया। फातिहा पढ़कर देश और दुनिया से कोराना के खात्मे के लिए दुआ की। उन्होंने अपने पैगाम में मुस्लिम समुदाय के युवाओं से वैक्सीनेशन कराने की अपील की। दीवान आबेदीन के साथ उनके पुत्र सैयद नसीर उद्दीन चिश्ती और नजमी फारुकी आदि भी थे।

दरगाह दीवान जन्नती दरवाजा से दाखिल हुए और यहां से आस्ताना शरीफ पहुंचे। गरीब नवाज की मजार पर अकीदत का नजराना पेश किया। यहीं पर विशेष फातिहा हुई। दरगाह दीवान के दुआ-गो सैयद नोमान चिश्ती ने दीवान आबेदीन की दस्तारबंदी की। फातिहा के बाद आबेदीन और उनके परिवार जन बेगमी दालान से होते हुए महफिल खाने पहुंचे। महफिल खाने से खानकाह पहुंचे। यहां पर दीवाना आबेदीन ने मौरूसी अमले के सदस्यों की दस्तारबंदी की और उन्हें इनाम दिए। दरगाह में चंद अनुमत लोगों ने ही दुआ कर मुल्क में अमनों अमान, खुशहाली, भाईचारे और कोरोना महामारी से निजात के लिए दुआ की। स्थानीय केसरगंज स्थित ईदगाह पर भी नमाज नहीं पढ़ी गई। शहर की मस्जिद कचहरी एवं घंटाघर में भी नमाज नहीं हुई। सुरक्षा के लिहाज से सभी जगह पुलिस बल तैनात किया गया।

इसके विपरीत मुस्लिम परिवारों में ईद की नमाज अदा कर कोरोना से परेशान इंसानियत को महामारी से मुक्ति के लिए दुआ की गई। मिठी ईद के मौके पर सवैयों एवं खीर हर परिवार में बनाई गई। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में लॉकडाउन के चलते दरगाह दीवान, दरगाह कमेटी, दोनों अंजुमन के अलावा शहर काजी व शहर मुफ्ती ने पहले ही रजामंदी के साथ आम मुसलमान से घर पर ही नमाज अदा करने तथा कोरोना संक्रमण मुक्ति के लिए दुआ की अपील कर माहौल को नियमों की पालना में ढालने का प्रयास कर प्रशासन का भरपूर सहयोग किया। जन्नती दरवाजा खिदमत के बाद आज ही बंद कर दिया गया। यह फिर ख्वाजा साहब के गुरु उस्मान हारूनी के उर्स पर 19 मई को खुलेगा।

निजी अस्पतालों को दो माह में लगाने होंगे ऑक्सीजन प्लांट

जयपुर । राजस्थान के निजी अस्पतालों को दो माह में ऑक्सीजन प्लांट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। प्रदेश के जिन निजी अस्पतालों में 60 या इससे ज्यादा बेड उन्हें अनिवार्य रूप से ऑक्सीजन प्लांट लगाना होगा। चिकित्सा मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने बताया कि सरकारी कोविड सेंटर्स के अतिरिक्त जिन निजी अस्पतालों में 60 या इससे अधिक बेड हैं, वहां पर 50 प्रतिशत बेड्स पर ऑक्सीजन की व्यवस्था होना जरूरी है। ऐसे निजी अस्पतालों में सेंट्रलाइज ऑक्सीजन पाइप लाइन की स्थापना होनी चाहिए। इस सिस्टम के जरिए मरीजों को निरंतर ऑक्सीजन मिल सके। अस्पतालों को दो माह में आवश्यक रूप से ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाने होंगे।

ऑक्सीजन प्लांट्स की स्थापना के लिए सरकार के उद्योग विभाग द्वारा विशेष पैकेज दिया जाएगा। पैकेज का लाभ लेने वालों को कम से कम एक करोड़ का निवेश करना होगा। पैकेज के तहत ऑक्सीजन प्लांट व मशीनरी पर किए खर्च के 25 फीसद तक पूंजीगत अनुदान दिया जाएगा। प्रारंभिक तीन साल तक सरकारी विभागों की नियामक स्वीकृतियां व निरीक्षण से छूट रहेगी। राज्य सरकार इन प्लांट को केंद्र के विभागों से नियामक स्वीकृतियां दिलवाने, पानी व बिजली के कनेक्शन शीघ्र करवाने में भी सहयोग करेगी। इसके साथ ही कृषि भूमि पर ऑक्सीजन प्लांट लगाने पर लीज राशि में शत-प्रतिशत की छूट दी जाएगी। निशुल्क भूउपयोग रूपांतरण किया जाएगा। उधर, राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने तय किया है कि सरकारी स्कूलों की प्रयोगशालाओं रखे हुए ऑक्सीजन सिलेंडरों का कोविड मरीजों के उपचार में उपयोग लिया जा सकेगा। प्रदेश की 332 स्कूलों की प्रयोगशालाओं में ऑक्सीजन गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। प्रदेश में 600 मैट्रिक टन ऑक्सीजन की जरूरत है, लेकिन फिलहाल करीब 300 मैट्रिक टन की आपूर्ति ही हो पा रही है।

गौरतलब है कि राजस्थान में वीरवार को कोरोना के 15,867 नए कोरोना संक्रमित मिलने के साथ ही 159 पीड़ितों की मौत हुई है। प्रदेश में अब तक आठ लाख 21 हजार 525 संक्रमित मिले हैं। मृतकों की कुल संख्या 6317 है। वर्तमान में एक्टिव केसों की संख्या दो लाख 11 889 है। पिछले 24 घंटे में 12,929 पीड़ित स्वस्थ हुए हैं। इसी बीच, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने ट्वीट कर कहा कि देश में कोरोना वैक्सीन की कमी से अब तक 11 राज्य वैक्सीन खरीदने के लिए ग्लोबल टेंडर निकाल चुके हैं। इससे राज्यों को अलग-अलग कीमत की वैक्सीन मिलेगी।

गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ में भारी बारिश की चेतावनी

अहमदाबाद । गुजरात के समुद्री किनारों पर चक्रवात तौकते के टकराने की आशंका के चलते खतरे के सिग्नल लगा दिए गए हैं। कांडला बंदरगाह पर दो नंबर का सिग्नल है, जबकि सौराष्ट्र व कच्छ इलाके में एक नंबर का सिग्नल लगाया गया है। 16 से 18 मई के बीच सौराष्ट्र व कच्छ के इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई। अमरेली जाफराबाद वोट एसोसिएशन ने बताया कि अभी भी करीब 700 बोट समुद्र में हैं, उनसे वायरलेस की खराबी के चलते संपर्क नहीं हो पा रहा है। अरब सागर में बन रहे कम दबाव के चलते गुजरात पर चक्रवात का खतरा मंडरा रहा है। चक्रवात के उत्तर, उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने की आशंका है। 16 17 व 18 मई को सौराष्ट्र व कच्छ के समुद्री किनारे पर बसे शहरों में भारी बारिश की आशंका है।

18 मई को सौराष्ट्र व कच्चे तथा दक्षिण गुजरात के इलाकों में हवा की गति 100 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। सरकार ने राजकोट में एनडीआरएफ की दो टीमें भेजी हैं. एक दर्जन टीमों को स्टैंड बाय रखा है।

राज्य सरकार ने समुद्री किनारे पर बसे शहर व गांवों को सतर्क कर दिया है। साथ ही, मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की अपील की गई है। समुद्र में पहले से मौजूद बोट को भी वापस बुला लिया गया है। द्वारिका के उपखंड अधिकारी निहार भेटारिया ने बताया कि द्वारिका, ओखा के इलाके में 5282 बोट पंजीकृत हैं, इनमें से केवल 20 से 25 बोट ही समुद्र में है। उन्होंने बताया कि चक्रवात के खतरे को देखते हुए कोरोना गाइडलाइन के साथ लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की भी व्यवस्था की जा रही है। पास के गांव में ही उनके लिए आश्रय स्थल बनाए गए।

सलमान ने बताया घर पर कैसे रहते हैं

सलमान खान की फिल्म 'राधे' को लेकर उनके फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। उनके जानने वालों को लगता है कि सलमान जैसे पर्दे पर दिखते हैं, वैसे ही असल जिंदगी में भी हैं। हालांकि सलमान का कहना है कि अगर वह अपने फिल्मी किरदारों जैसी हरकतें घर पर करने लगें तो उनके मां-बाप उनको पीट देंगे। हीरो से इम्प्रेस हो जाते थे सलमान
सलमान खान की फिल्मों के कैरेक्टर्स काफी फेमस होते हैं। चाहे वो 'तेरे नाम' का राधे हो या 'दबंग' का चुलबुल पांडे। हालांकि सलमान का कहना है कि असल जिंदगी में वह ये सब नहीं कर सकते वर्ना घर पर काफी मुश्किल हो जाएगी। एक इंटरव्यू में सलमान खान ने बताया कि जब वह छोटे थे तो थिएटर से निकलने के बाद हीरो की तरह बनना चाहते थे। लेकिन हाल-फिलहाल जो फिल्में की हैं उनके कैरेक्टर्स घर तक नहीं ले जा सकते।

'राधे' और 'दबंग' ने नहीं ले सकते घर

सलमान खान ने बताया, मुझे अभी भी लगता है कि जब मैं कोई फिल्म देखता हूं तो मैं हीरो के जैसा बनना चाहता हूं। मैं उसके अच्छे कामों से बहुत इम्प्रेस हो जाता हूं। मैं इतना प्रभावित हो जाता हूं कि उस किरदार को घर तक लाने की कोशिश करता हूं। लेकिन 'दबंग' और 'राधे' ऐसे किरदार हैं जिन्हें मैं घर नहीं ले जा सकता।

भाई-बहन होंगे शर्मिंदा

मैं अपने पेरेंट्स के सामने चुलबुल पांडे की तरह नहीं घूम सकता। मेरे डैड मुझे मारेंगे, मॉम थप्पड़ लगा देंगी और भाई-बहन मुझ पर शर्मिंदा होंगे। इसलिए घर पर मैं एक बेटे और भाई की तरह ही रहता हूं।

लॉकडाउन के दौरान इंटीरियर डिजाइनिंग में हाथ आजमा रहीं शालिनी कपूर

अभिनेत्री शालिनी कपूर इंटीरियर डिजाइनिंग के बारे में जानने के लिए लॉकडाउन के दौरान अपने खाली समय का उपयोग कर रही हैं। टेलीविजन सीरियल 'देवों के देव महादेव', 'कुबूल है' और 'सात फेरे' जैसी भूमिकाओं के लिए जानी जाने वाली शालिनी ने अपने घर को नया रूप देना शुरू कर दिया है। वह इस संबंध में ज्ञान प्राप्त करने के लिए भी यह अनूठा प्रयोग कर रही हैं। शालिनी ने बताया कि जब वह पिछले साल 'कुबूल है' के दूसरे सीजन के लिए अपनी शूटिंग के लिए यात्रा कर रही थीं तब इंटीरियर डिजाइनिंग की किताबें पढ़ रही थीं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने ट्विंकल खन्ना से भी काफी प्रेरणा ली है और अब वह ज्यादा रचनात्मक महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री कपूर ने कहा कि वह पिछले साल दिसंबर से अपने घर को फिर से डिजाइन करने का लक्ष्य बना रही थी। इसलिए उन्हें आवश्यक सामानों का एक अच्छा भंडार रखने में कामयाबी मिली। कपूर ने कहा कि वह अब अपने घर को पूरी तरह से नया रूप दे रही हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने अपने बेडरूम से की और अब वह खुद को इस नए लुक के लिए गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

बचाई जा सकती थी मेरे पिता की जान... संभावना सेठ ने बयां किया दर्द

कोरोना संकट के दौरान कई लोग हेल्थ केयर की कमी का सामना कर रहे हैं। कभी ऑक्सीजन सिलेंडर तो कभी अस्पतालों में बेड्स की कमी वजह से लोग परेशान नहीं आ रहे हैं। वहीं इस बीच कुछ सेलेब्रिटीज ने कोरोना मरीजों के ट्रीटमेंट में लापरवाही का मुद्दा उठाया। एक्टर-यूट्यूबर राहुल वोहरा की पत्नी ज्योति के बाद अब जानी-मानी एक्ट्रेस संभावना सेठ ने अपने कोरोना संक्रमित पिता को खोने के बाद चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने एक बेहद इमोशनल पोस्ट के जरिए अपनी बात कही है। संभावना सेठ ने अपने पिता के साथ एक यादगार फोटो शेयर की है। ये फोटो संभावना की शादी पर ली गई मालूम होती है, जिसमें वो अपने पिता के साथ हंसते-मुस्कुराते लम्हे बिता रही हैं। इस फोटो में संभावना और उनके पिता के बीच बेहद स्ट्रॉन्ग बॉन्ड देखने को मिल रहा है। इस फोटो से जाहिर है कि संभावना अपने पिता को याद कर किस कदर भावुक हो रही हैं।

बयान किया दर्द

इस फोटो को शेयर करते हुए संभावना ने कैप्शन में लिखा- 'मेरे पिता की जान बचाई जा सकती थी। सिर्फ कोविड ने ही उन्हें नहीं मारा है'। इस कैप्शन के जरिए संभावना से लोग पूछ रहे हैं कि क्या वो पिता के इलाज में हुई लापरवाही की तरफ इशारा कर रही हैं? हालांकि, संभावना ने आगे कुछ और नहीं लिखा है।

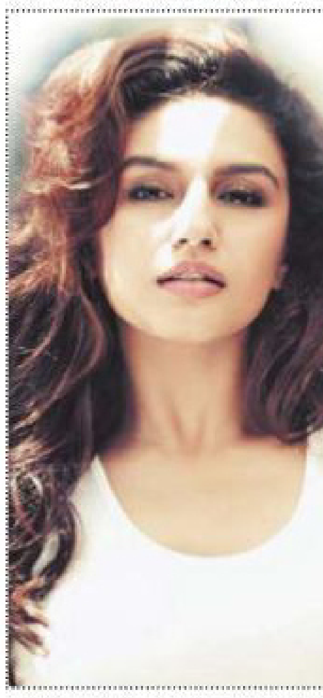

हुमा कुरैशी दिल्ली में बनवाएंगी 100 बेड का कोविड हॉस्पिटल

भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर में सिलेब्रिटीज अपने-अपने तरीके से लोगों की मदद कर रहे हैं। अब बॉलिवुड ऐक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने ग्लोबल चाइल्ड राइट्स ऑर्गनाइजेशन 'सेव द चिल्ड्रन' के साथ हाथ मिलाया है। इस संस्था के साथ हुमा दिल्ली में एक अस्थाई हॉस्पिटल बनाने में जुटी हुई हैं। इस अस्थाई हॉस्पिटल में 100 बेड और एक ऑक्सीजन प्लांट होगा। इस प्रोजेक्ट में घर पर इलाज करा रहे मरीजों के लिए मेडिकल किट्स भी दी जाएंगी, इसमें डॉक्टर का कंसल्टेशन और सायको सोशल थेरेपिस्ट शामिल है, ताकि रोगी पूरी तरह से ठीक हो सके।
इस पहल में हुमा कुरैशी की हॉलिवुड फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' के डायरेक्टर जैक स्नाइडर भी मदद के लिए आगे आए हैं। साथ ही ब्रिटिश ऐक्टर और रैपर रिजवान (रिज) अहमद भी इस पहल में हुमा का साथ दे रहे हैं। हुमा कुरैशी ने एक वीडियो शेयर कर लोगों से डोनेट करने की अपील की है। वीडियो में हुमा ने कहा, 'आप सभी की तरह इस जानलेवा दूसरी लहर से मैं भी दुखी और डरी हुई हूं। अब यह एक-दूसरे की मदद करने का समय है। मैंने सेव द चिल्ड्रन के साथ हाथ मिलाया है।' हुमा ने इस वीडियो में आगे कहा, 'जैसा कि आप सभी को पता है कि दिल्ली में मेडिकल सिस्टम के ऊपर बहुत बोझ है, हमारी राजधानी को मदद की जरूरत है। पिछले कुछ हफ्तों में, मैंने सेव द चिल्ड्रन के साथ मिलकर एक खास प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हम शहर में 100 बेड की एक कोविड फैसिलिटी बनाने का प्लान कर रहे हैं। इस इमर्जेंसी मेडिकल फेसिलिटी में अनुभवी मेडिकल प्रफेशनल्स, दवाइयां और इसका अपना ऑक्सीजन प्लांट होगा। जो मरीज घर पर हैं उन्हें हम एक कोविड केयर किट के साथ टेलिकन्सल्टेशन और काफी कुछ देंगे। मैं और मेरा परिवार डोनेट कर चुका है लेकिन हमें आपकी जरूरत है। हर सहयोग एक जिंदगी बचाएगा और कोई भी डोनेशन छोटी नहीं है। इसलिए प्लीज, मैं आपसे हमारी और एक-दूसरे की मदद की अपील करती हूं।'

इजरायल को आतंकवादी देश कहने पर ट्रोल हुईं स्वरा भास्कर

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर आए दिन किसी न किसी विवाद में फंसती दिखाई दे जाती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया यूजर्स स्वरा को जमकर ट्रोल करते दिखाई दे रहे हैं। जिसकी वजह है स्वरा भास्कर द्वारा इजरायल और फलस्तीन मामले पर किया गया पोस्ट। इजराइल और फलस्तीन के संघर्ष को लेकर स्वरा ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर कुछ पोस्ट शेयर किए हैं, जिसके कारण वो ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। कई लोगों का मानना है कि स्वरा विवादों से जुड़ने की चाहत में ऐसे मुद्दों पर राय रखती नजर आ जाती हैं।

स्वरा भास्कर ने किए ये पोस्ट

दरअसल, इजरायल और फलस्तीन के संघर्ष को लेकर स्वरा ने अपने ट्विटर एकाउंट पर पोस्ट किए हैं। एक पोस्ट में उन्होंने लिखा- 'इजरायल एक रंगभेद करने वाला राष्ट्र है, इजरायल एक आतंकवादी राष्ट्र है।

लोग करने लगे ट्रोल

इजरायल और फलस्तीन संघर्ष पर स्वरा भास्कर के ये विचार कई लोगों को पसंद नहीं आए और ट्रोल्स उनके पीछे पड़ गए। एक यूजर ने लिखा- 'स्वरा बस विवादों में कूदना चाहती हैं और वो कुछ ऐसा चुनती हैं जो हमारी पहुंच से बाहर होना चाहिए'। वहीं एक अन्य ने लिखा- 'अरे चाची जी प्रणाम, अब क्यों भारत के साथ हर परिस्थिति में खड़े रहने वाले मित्र देश को कोस रही हैं और कश्मीर मुद्दे पर हमेशा पाकिस्तान का साथ देने वाले फिलिस्तीन का पक्ष ले रही हैं? कभी तो अपने देश को अपने राजनीतिक हित से ऊपर रखो। पर आपसे ये उम्मीद कुछ ज्यादा है'।

बनने लगे मीम

सिर्फ यही नहीं स्वरा भास्कर को लेकर कई तरह के मीम बन रहे हैं। कई लोगों स्वरा से कहते दिखे कि उन्हें मामले की पूरी जानकारी के साथ पोस्ट करना चाहिए था। वो आधी तस्वीर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कई लोगों का ये भी कहना है कि स्वरा के इस ट्वीट से इजरायल अपना फैसला नहीं बदल देगा।

कोरोना के लिए कभी तैयार ही नहीं थे हम

सोनू सूद लगातार कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद में लगे हुए हैं। अब सोनू सूद ने कहा है कि भारत ने ऐसी महामारी से लड़ने के लिए कोई तैयारी करके नहीं रखी थी। सोनू ने यह भी कहा है कि बहाने बनाने के बजाय हमें अपनी गलती मान लेनी चाहिए।

पिछले साल कोरोना वायरस के कारण लगे लॉकडाउन के समय से ही बॉलिवुड ऐक्टर सोनू सूद लगातार लोगों की मदद कर रहे हैं। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में भी सोनू सूद और उनकी टीम जरूरतमंद लोगों की ज्यादा से ज्यादा मदद कर रही है। अब सोनू सूद चीन, फ्रांस और ताइवान की कंपनियों के साथ मिलकर भारत में ऑक्सीजन प्लांट लगाने पर काम कर रहे हैं ताकि अगर कोरोना की तीसरी लहर आती है तो पहले उसके लिए तैयारी रखी जाए।
सोनू ने बताया कि 20 दिन बाद वह ऑक्सीजन प्लांट लगाने वाली कंपनियों से बात करने वाले हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही पहले ऑक्सीजन का प्लांट का सेटअप मिल जाएगा। सोनू सूद फ्रांस जैसे देशों से इन ऑक्सीजन प्लांट को लेकर दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को उपलब्ध कराएंगे।

गांवों तक पहुंच बनाएगी सोनू की टीम

सोनू ने कहा कि यह तैयारी तीसरी लहर के लिए है। सोनू ने बताया कि उन्होंने अपने टीम में लोगों का इजाफा किया है ताकि टीम ग्रामीण इलाके के लोगों तक मदद पहुंचा सके। उन्होंने बताया कि 400 लोग मदद के लिए आने वाली कॉल्स को देखते हैं। सोनू ने कहा कि सरकार अपना काम कर रही है मगर उन्हें लगता है कि यह जरूरी है कि उसके साथ ही ये सभी तैयारियां भी होनी चाहिए।

हम कभी तैयार नहीं थे

कोरोना वायरस की दूसरी लहर से लड़ने में भारत की नाकामी के बारे में सोनू ने कहा कि हमारी जीडीपी का केवल 1-2 पर्सेंट ही स्वास्थ्य व्यवस्था पर खर्च किया जाता है। इसलिए, हम लोग कभी इस महामारी के लिए तैयार ही नहीं थे। सोनू ने कहा कि भारत एक घनी आबादी वाला देश है मगर यह कोई बहाना नहीं हुआ। हमें यह मानना पड़ेगा कि गलती हमसे हुई है।

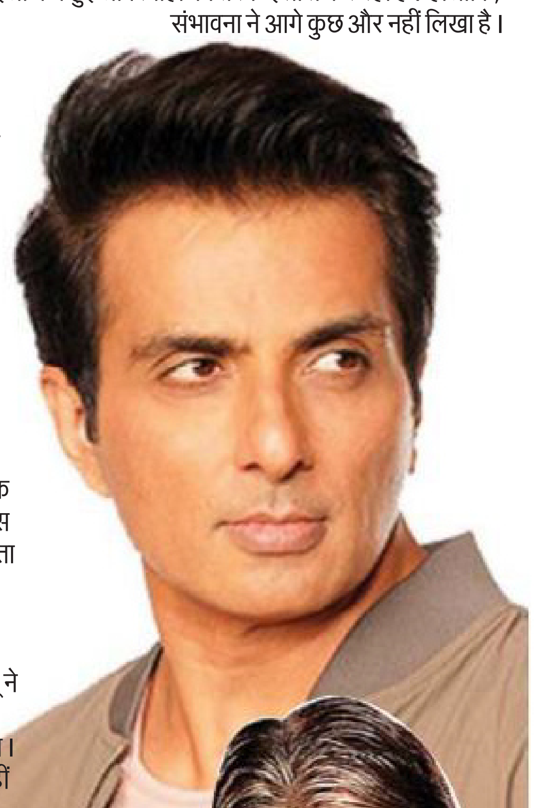

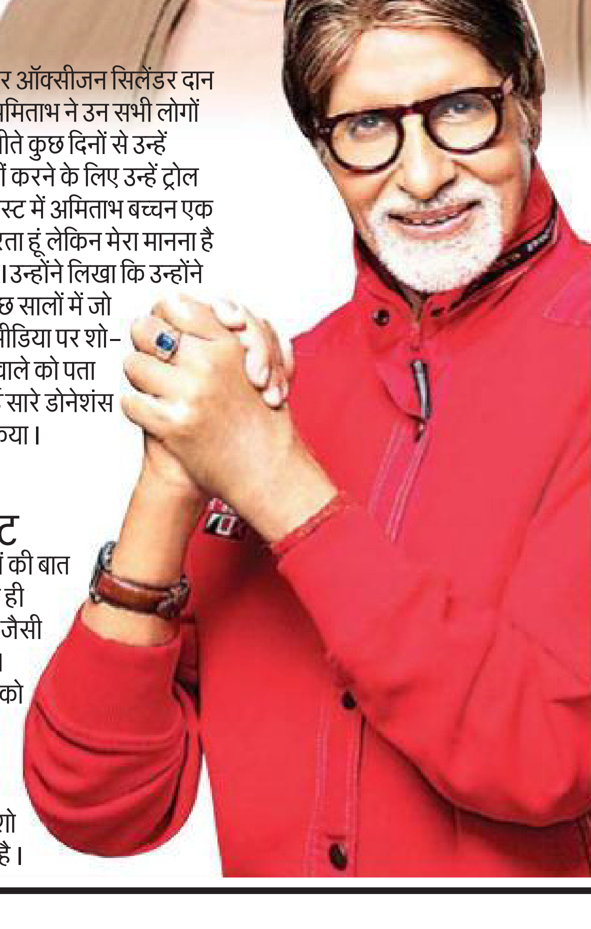

जोशपूर्ण मैसेज शेयर कर अमिताभ बच्चन बोले-हम लड़ेंगे और जीतेंगे, धनुष उठा प्रहार कर

कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों और कोविड योद्धाओं का मनोबल बढ़ाने के लिए बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक बेहद शानदार और जोश से भरा मोटिवेशनल मैसेज शेयर किया है। अमिताभ बच्चन अपने ऑफिशियल सोशल अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने दिवंगत पिता और कवि हरिवंश राय बच्चन द्वारा लिखी गई 'अग्नि सी धधक-धधक' कविता को पढ़ते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा है ',एक साथ मिलकर हम लड़ेंगे और जीतेंगे'।

तू सबसे पहला वार कर

वीडियो में ब्लैक आउटफिट में अमिताभ जोश में इस कविता का पाठ करते हुए दिख रहे हैं। वह कहते हैं कि रुके न तू, धनुष उठा प्रहार कर। तू सबसे पहला वार कर। अग्नि सी धधक-धधक, हिरण सी सजग-सजग। सिंह सी दहाड़ कर, शंख सी पुकार कर। रुके न तू, थके न तू। झुके न तू, थमे न तू।' अमिताभ का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। लोग उनके मोटिवेशन कविता की खूब तारीफ कर रहे हैं।

सिख गुरुद्वारे में दिये 2 करोड़

आपको बता दें कि हाल ही में अमिताभ ने कोरोना से भारत की लड़ाई में मदद किया है। उन्होंने दिल्ली के सिख गुरुद्वारे में 2 करोड़ और ऑक्सीजन सिलेंडर दान किए हैं। अपने इस मदद से अमिताभ ने उन सभी लोगों की बोलती बंद कर दी है जो बीते कुछ दिनों से उन्हें कोरोना महामारी में मदद नहीं करने के लिए उन्हें ट्रोल कर रहे थे। हाल ही में एक पोस्ट में अमिताभ बच्चन एक लिखा था कि हां मैं चैरिटी करता हूं लेकिन मेरा मानना है कि बोलने से बेहतर है करना। उन्होंने लिखा कि उन्होंने और उनके परिवार ने बीते कुछ सालों में जो चैरिटी की है उसका सोशल मीडिया पर शो-ऑफ नहीं किया। सिर्फ लेने वाले को पता है। उन्होंने अपने ब्लॉग में कई सारे डोनेशंस और चैरिटीज का जिक्र भी किया।

अमिताभ बच्चन अपकमिंग प्रोजेक्ट

अब उनकी आने वाली फिल्मों की बात करें तो अमिताभ बच्चन जल्द ही 'चेहरे', 'झुंड', 'ब्रह्मास्त्र' जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इसके साथ ही अब अमिताभ को एक बार फिर से रियलिटी क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का भी 13वां सीजन में देखा जाएगा। इस शो का रजिस्टेशन शुरू हो गया है।

रवि शास्त्री ने टीम इंडिया की तारीफ की

कोच बोले- आईसीसी ने टेस्ट चैम्पियनशिप के लिए बीच में नियम बदले, पर लड़कों ने हार नहीं मानी; रैंकिंग में नंबर-1 डिजर्व करती है टीम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप को लेकर काफी मेहनत की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ पूरी जान लगा दी थी। पिछले साल इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने WTC क्वालिफिकेशन के नियमों में बदलाव किया। पर लड़कों ने इसके बाद हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत की। यह टीम इंडिया रैंकिंग में नंबर-1 होना डिजर्व करती है।

शास्त्री ने सोशल मीडिया पर लिखा- नंबर-1 का ताज एक ऐसी चीज है, जो टीम इंडिया के लड़कों ने निष्पक्ष तरीके से जीता है। हमारे खिलाड़ियों ने पिछले कुछ समय में मुश्किल हालात और मजबूत प्रतिद्वंद्वी के सामने अच्छा क्रिकेट खेलकर जीता है। मुझे अपनी टीम प गर्व है। गुरुवार को जारी हुई ICC टेस्ट रैंकिंग के सालाना अपडेट में भारत नंबर-1 पर बरकरार है।

इंग्लैंड तीसरे और ऑस्ट्रेलिया चौथे नंबर पर

भारत के 24 मैच में 2914 पॉइंट हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के 18 मैच में 2166 पॉइंट हैं। इन दोनों टीमों के आसपास भी कोई टीम नहीं है। इंग्लैंड 109 रेटिंग के साथ तीसरे और ऑस्ट्रेलिया 108 रेटिंग के साथ चौथे नंबर पर है। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच 2 जून से 2 मैच की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अगल महीने 18 से 22 जून के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल भी खेला जाना है।

न्यूजीलैंड ने विंडीज और पाकिस्तान को हराया: भारतीय टीम पिछले कुछ समय से शानदार फॉर्म में है। टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में 2-1 से हराया था। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 3-1 से जीत हासिल की। जबकि, न्यूजीलैंड टीम भी पिछले 10 महीने में शानदार प्रदर्शन कर रही है। न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज और पाकिस्तान दोनों को 2 मैच की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर, इस दिन मिल सकती है अपने देश में एंट्री

मालदीव। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें सीजन को कोविड-19 महामारी की वजह से 4 मई को बीच में ही स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद सबसे ज्यादा मुश्किल ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए सामने आई

क्योंकि वहां की सरकार ने 15 मई तक के लिए भारत से आने वाले सभी उड़ानों के लिए प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बाद 14 क्रिकेटरों समेत 38 ऑस्ट्रेलियाई को जिनमें सपोर्ट स्टाफ व कमेंटेटर भी शामिल हैं उन्हें मालदीव ले जाया गया था। अब इस बात की उम्मीद है कि, ये सभी रविवार को अपने देश वापस लौट सकते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें अब भी अपनी सरकार से इसके लिए पुष्टि का इंतजार है।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के मुताबिक अभी जो योजना तैयार की जा रही है उसके अनुसार 38 लोगों का समूह रविवार 16 मई को विशेष विमान से मालदीव से मलेशिया होते हुए सिडनी लौट सकता है जहां उन्हें 14 दिन के कड़े क्वारंटीन पर रहना होगा। इसमें हालांकि कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को अब भी ऑस्ट्रेलियाई सरकार से मालदीव में फंसे ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को 15 मई के बाद स्वदेश लौटने की अनुमति मिलने का इंतजार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ और बीसीसीआइ को ऑस्ट्रेलियाई सरकार से इसकी पुष्टि की प्रतीक्षा है कि क्या उन लोगों को 15 मई के बाद स्वदेश लौटने की अनुमति दी जाएगी जो हाल तक भारत में थे। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइक हसी कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के कारण अभी चेन्नई में ही क्वारंटीन पर हैं। माइक हसी का रिपोर्ट पहले निगेटिव आ गया था, लेकिन वो दोबारा से पॉजिटिव हो गए और इसकी वजह से ही उन्हें भारत में ही रोक दिया गया। वहीं आइपीएल 2021 के बचे हुए मैचों का आयोजन फिर से किया जाएगा या नहीं इसे लेकर भी फिलहाल कुछ साफ नहीं है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में ऐसी रही है विराट कोहली व केन विलियमसन की बल्लेबाजी

नई दिल्ली। आइसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला दुनिया की दो बेहतरीन टेस्ट टीमों यानी भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये मैच 16 जून से साउथैंप्टन में खेला जाएगा। इस फाइनल मैच में दोनों ही टीमों के कप्तानों पर सबकी नजर रहेगी कि वो किस तरह से कप्तानी करते हैं। साथ ही साथ दोनों अपनी टीम के लिए कैसी बल्लेबाजी करते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि विराट कोहली और केन विलियमसन दोनों ही अपनी-अपनी टीमों के लिए बेहद अहम बल्लेबाज हैं और इनके रन बनाने का मतलब है कि टीम को इससे काफी फायदा होगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में विराट व केन की बल्लेबाजी

इसमें कोई शक नहीं है कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक अपनी-अपनी टीमों को पहुंचाने में विराट व केन दोनों की अहम भूमिका रही है, लेकिन क्या आपको पता है कि इस टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक दोनों कप्तानों की बल्लेबाजी कैसी रही है। अब हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस टेस्ट चैंपियनशिप में दोनों कप्तानों ने अब तक कैसा प्रदर्शन किया है और आंकड़े जाहिर कर देंगे कि कौन किस पर हावी रहा है। विराट कोहली की बात करें तो उन्होंने इस टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक कुल 14 मुकाबले खेले हैं और इसमें उन्होंने 43.85 की औसत से कुल 877 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक भी शामिल है। ये शतक विराट कोहली ने बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगाए थे। वहीं, केन विलियमसन की बात करें तो उन्होंने इस टेस्ट चैंपियनशिप में अब तक 9 मैच खेले हैं और इसमें उन्होंने 817 रन बनाए हैं।

बाबर आजम ने रचा इतिहास, बने ऐसा करने वाले पहले पाकिस्तानी कप्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने सोमवार को जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच पारी और 147 रन से जीता। इस मैच को अपने नाम करने के साथ ही पाकिस्तान ने सीरीज पर 2-0 से कब्जा जमाया। बाबर आजम ने बतौर कप्तान अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा। अब पाकिस्तान क्रिकेट इतिहास के वह ऐसे अकेले कप्तान बन गए हैं जिन्होंने पहले चार टेस्ट मैच में कप्तानी करते हुए जीत दर्ज की। पाकिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी और बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पारी से जीत हासिल की। अबिद अली ने पहली पारी में धमाकेदार शतक जमाया था तो वहीं हसन अली और शाहिन शाह आफरीदी ने मैच में बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए पहली और दूसरी पारी में क्रमशः 5-5 विकेट हासिल किए। पहला मैच पाकिस्तान ने पारी और 116 रन से जीता था। यह पाकिस्तान की लगातार छठी सीरीज जीत है।

पाकिस्तान की लगातार छठी सीरीज जीत

घर पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान ने पहले टेस्ट और फिर टी20 सीरीज में जीत हासिल की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका में खेलते हुए टी20 और वनडे सीरीज को अपने नाम की थी। अब जिम्बाब्वे को टी20 सीरीज में मात देने के बाद पाकिस्तान ने टेस्ट सीरीज में जीत हासिल कर लगातार छठी सीरीज अपने नाम की है।

आईसीसी का नया गेम प्लान: टी-20 वर्ल्ड कप में 16 से बढ़ाकर 20 टीमें हो सकती हैं

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप को लेकर नया प्लान तैयार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ICC दोनों टूर्नामेंट में टीमों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रहा है। टी-20 में टीमों की संख्या 16 से बढ़ाकर 20 करने प विचार चल रहा है।

ईएसपीएन क्रिकइंफो के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप इस साल भारत की मेजबानी में होना है। इस बार कोई बदलाव नहीं होगा। ICC 2024 वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या बढ़ाने पर विचार कर रही है।

2019 में ही वनडे वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या घटाई थी

वहीं, वनडे वर्ल्ड कप में भी टीमों की संख्या बढ़ाई जा सकती है। इससे पहले 2019 वनडे वर्ल्ड कप में टीमों की संख्या 14 से घटाकर 10 कर दी गई थी। तब ब्रॉडकास्टर्स को ध्यान में रखते हुए, साथ ही मुकाबलों को रोमांचक बनाने के लिए यह फैसला लिया गया था। अब कितनी टीमें बढ़ेंगी और कब से, इस पर विचार किया जा रहा है।

रिपोर्ट्स की मानें तो वनडे वर्ल्ड कप में फिर से 14 टीमों ही की जा सकती हैं।

ICC में हो सकता है टी-20 वर्ल्ड कप

पिछला टी20 वर्ल्ड कप 2016 में वेस्टइंडीज ने जीता था। उसके बाद से दूसरा टूर्नामेंट लगातार टलता आ रहा है। टी-20 वर्ल्ड कप इस साल भारत की मेजबानी में होना है, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इस पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में यह टूर्नामेंट भारत की ही मेजबानी में किसी दूसरे देश में हो सकता है। फिलहाल, चर्चा है कि टी-20 वर्ल्ड कप UAE में कराया जा सकता है। इस साल इंडियन प्रीमियर लीग भी कोरोना के कारण बीच में ही सस्पेंड कर दिया गया।

युजवेंद्रा चहल के माता-पिता भी हुए कोविड पॉजिटिव, धनश्री ने बताया- पापा की है हालत खराब

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर युजवेंद्रा सिंह चहल के माता-पिता कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। चहल के माता-पिता की इस हालत के बारे में उनकी पत्नी धनश्री वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी। इसमें युजवेंद्रा चहल के पिता की हालत ज्यादा खराब है और इसकी वजह से उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। धनश्री वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए बताया कि, मेरे सास और ससुर कोविड पॉजिटिव हो गए हैं और दोनों में ही गंभीर लक्षण हैं। मेरे ससुर को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है जबकि, सास का इलाज घर पर ही कराया जा रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि, मैं अस्पताल में थी और मैंने देखा है कि, हालात कितने खराब हैं। मैं पूरा ध्यान रख रहा हूं, लेकिन आप सब घर पर ही रहें और अपने परिवार का पूरा ख्याल रखें।

आपको बता दें कि, इससे पहले धनश्री वर्मा की मां और भाई भी कोरोना पॉजिटिव हो गए थे और वो इस समय बायो-बबल में थीं। इसके बारे में धनश्री वर्मा ने कहा था कि, वो काफी मुश्किल और चुनौती वाली समय था। मेरा भाई और मेरी मां कोविड पॉजिटिव पाए गए थे। मैं इस दौरान आइपीएल में बायो-बबल में थी और काफी लाचार महसूस कर रही थी, लेकिन मैं फोन से उनके संपर्क में लगातार बनी हुई थी। परिवार से दूर रहना काफी मुश्किल होता है पर अच्छी बात ये है कि, वो ठीक गए। वहीं इससे पहले धनश्री वर्मा ने ये भी बताया था कि, उनके चाचा और चाची का निधन कोविड से ही हो गया था। चहल की बात करें तो उनकी तरफ से अब तक इसे लेकर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

आईपीएल टीम के मालिक ने कहा, अब टूर्नामेंट के बाकी मैच कराना बहुत ही मुश्किल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 14वें एडिशन को 29 मुकाबलों के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का फैसला लिया। कोरोना के मामले टीम बबल के अंदर आने की वजह से यह फैसला लिया गया। अब टूर्नामेंट के बाकी बचे हुए को कब कराया जाएगा इसको लेकर सवाल सबके मन में है। टूर्नामेंट की फ्रेंचाइजी टीम राजस्थान रॉयल्स की टीम के मालिक मनोज बडाले ने इसे चुनौतीपूर्ण माना है। उन्होंने कहा, हम मीडिया पर काफी करीब से नजर बनाए हुए हैं। मुझे लगता है कि सबसे बड़ी चुनौती कैलेंडर में जगह हासिल करने की होगी। मेरे विचार से तो पहले ही खिलाड़ी इतनी ज्यादा क्रिकेट खेल रहे हैं। जो कैलेंडर है वह पूरी तरह से भरा हुआ है। खासकर इस कोविड के बाद हर एक बोर्ड इसी कोशिश में लगा है कि जितनी ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट कराई जा सके और जितने टेस्ट मैच संभव हो पाए। मुझे तो लगता है कि इसे कराना वागई में एक कड़ी चुनौती होने वाली है।

हां, एक थोड़ी बहुत संभावना है, एक छोटी सी संभावना है कि सितंबर में शायद यूके में कुछ कराए जाने की उम्मीद है या फिर यूएई में भी इसे कराए जाने की उम्मीद दिखती है। टी20 विश्व कप के पहले इसे कराने की योजना की जा सकती है लेकिन फिर मैं वहीं कहूंगा कि यह बहुत ही मुश्किल चुनौती होने वाली है।

अगर कार्यक्रम पर ध्यान दें तो भारतीय टीम भी इस बीच काफी व्यस्त है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में टीम को खेलना है। इसके बाद इंग्लैंड का दौरा करना है उससे पहले श्रीलंका के साथ सीरीज खेलने के लिए टीम जाएगी। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका सभी टीमों के कार्यक्रम काफी ज्यादा कसे हुए हैं। इन सभी देश के खिलाड़ियों की भागी दारी आइपीएल में काफी संख्या में होती है।

रमेश पवार दोबारा बने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच, भारत के लिए खेल चुके हैं 2 टेस्ट, 31 वनडे

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर रमेश पवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। बीसीसीआइ ने इसकी घोषणा की और इस पोस्ट के लिए बोर्ड को 35 आवेदन मिले थ क्रिकेट एडवाजरी कमेटी के तीन सदस्य सुलक्षणा नायक, मदन लाल और रुद्र प्रताप सिंह ने आवेदन करने वाले सभी आवेदक का इंटरव्यू किया और अंत में इन्होंने रमेश पवार के नाम प मुहर लगाई। लगभग 43 साल के रमेश पवार टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और उनके पास कोचिंग का अनुभव है। उनसे पहले टीम इंडिया को कोच डब्ल्यू वी रमन थे।

रमेश पवार की पहचान मुख्य तौर पर एक गेंदबाज के तौर पर रही है और वो राइट आर्म ऑफब्रेक गेंदबाजी करते थे। उन्होंने 2004 से लेकर 2007 तक टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व किया और इस दौरान उन्होंने भारत के लिए 2 टेस्ट मैच जबकि 31 वनडे मैच खेले। दो टेस्ट मैचों में उन्होंने 6 विकेट लिए थे जबकि 31 वनडे मुकाबले में उनके नाम पर कुल 34 विकेट दर्ज है। टेस्ट में 33 रन देकर 3 विकेट जबकि वनडे में 24 रन देकर 3 विकेट उनका बेस्ट प्रदर्शन रहा है।

रमेश पवार का फर्स्ट क्लास करियर काफी शानदार रहा था और उन्होंने 148 मैचों में कुल 470 विकेट लिए थे जबकि यहां पर उनका बेस्ट प्रदर्शन 44 रन देकर 7 विकेट रहा है। वहीं लिस्ट ए क्रिकेट के 113 मैचों में उन्होंने कुल 142 विकेट लिए थे। इसके अलावा उन्होंने 28 टी20 मैचों में कुल 14 विकेट लिए थे। रमेश पोवार ने अपने इंटरनेशन क्रिकेट करियर के बाद कोच बनने के लिए जरूरी डिग्री हासिल की। उन्होंने इससे पहले साल 2018 में जुलाई से लेकर नवंबर तक भारतीय महिला क्रिकेट टीम को कोचिंग दी थी। उनकी कोचिंग में भारतीय महिला टीम ने 2018 में आइसीसी टी20 वूमेन वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। वहीं इस टीम ने लगातार 14 टी20 मुकाबले भी जीते थे। हाल की में उनकी कोचिंग में मुंबई क्रिकेट टीम ने इस साल विजय हजारे ट्रॉफी का खिताब जीता था साथ ही वो एनसीए में गेंदबाजी कोच के तौर पर भी काम किया था।

आइपीएल में 1 से 11 नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज, लिस्ट में नहीं हैं विराट कोहली

नई दिल्ली। टी20 लीग में उन बल्लेबाजों को ज्यादा महत्व दिया जाता है तो टीम के लिए तेज गति से रन जुटाते हैं। यही नहीं क्रिकेट फैंस भी उन बल्लेबाजों को ज्यादा पसंद करते हैं जो दनादन बल्लेबाजी करते हैं और आकर्षक पारियां खेलते हैं। हर टीम में हर क्रम के लिए खास बल्लेबाज रखे जाते हैं क्योंकि टीम मैनेजमेंट को पता होता है कि, ये बल्लेबाज इस क्रम के लिए बेस्ट साबित हो सकते हैं। आइपीएल में भी ऐसा ही है और हम आपको बताने जा रहे हैं कि, इस लीग में एक से लेकर 11वें क्रम तक बल्लेबाजी करते हुए किस बल्लेबाज ने अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने में सफलता हासिल की है। आइपीएल में अब तक पहले नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड डेविड वार्नर के नाम पर है। इस क्रम पर वार्नर ने सबसे ज्यादा 3843 रन बनाए हैं तो वहीं दूसरे क्रम पर सबसे ज्यादा रन बनाने का कमाल शिखर धवन ने किया है। दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए धवन ने अब तक 4193 रन बनाए हैं। तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए सुरेश रैना के नाम पर सबसे ज्यादा रन हैं और इसकी संख्या 4931 है। वहीं चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने का कमाल रोहित शर्मा ने किया है। रोहित शर्मा ने इस क्रम पर सबसे ज्यादा 2392 रन बनाए हैं।

खिलाड़ियों ने ईद की मुबारकबाद दी:शमी ने मां की बनाई बिरयानी और दोस्तों को याद किया, विराट और सानिया ने लोगों को घर में रहने की हिदायत दी

नई दिल्ली। देशभर में ईद का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर कई खिलाड़ियों और IPL फ्रेंचाइजी ने भी अपने फैन्स को ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान पंजाब किंग्स ने एक वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने मां की बनाई बिरयानी और अपने दोस्तों को याद किया।

इसके अलावा विराट कोहली, राशिद खान, सचिन तेंदुलकर, इरफान पठान और मोहम्मद कैफ समेत कई मौजूदा और पूर्व खिलाड़ियों ने भी फैन्स को ईद की बधाइयां दीं। विराट ने कोरोना काल में लोगों को घर में ही रहने की हिदायत दी है।

'ईद के त्योहार का बेसब्री से इंतजार रहता है'

शमी ने कहा कि जब हम छोटे थे, तो जो घर में रोजा नहीं रखते थे, वे कपड़े पहनकर सबसे पहले तैयार हो जाते थे। हम इस त्योहार का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। अच्छा लगता है जब मेहमान हमारे यहां आते हैं और एक छोटा सा मिलन समारोह होता है। हम इस त्योहार को खूब इंजॉय करते हैं। खाने की बात करें, तो मुझे याद है कि बचपन में हमारे यहां फिरनी और सेवइयां बनती थीं।

'मां के हाथ की बिरयानी का फैन रहा हूं'

शमी ने कहा कि मैं हमेशा से बिरयानी का फैन रहा हूं। मेरी मां बहुत ही शानदार बिरयानी बनाती हैं और मेरे दोस्त ईद का बेसब्री से इंतजार करते थे। पंजाब किंग्स और मेरे परिवार की ओर से मैं आप सब को ईद की मुबारकबाद देता हूं। घर पर रहिए और सुरक्षित रहिए।

विराट और जडेजा ने लोगों को बधाइयां दीं

भारतीय टीम के कप्तान विराट ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ऐसे कठिन समय में मैं यह कामना करता हूं कि ईद आप सबकी जिंदगी में खुशियां, प्यार और शांति लाए।

सुरक्षित रहें। वहीं, रविंद्र जडेजा और ऋषभ पंत ने भी ईद की बधाइयां दीं। पंत ने लिखा कि ईद के अवसर पर लोग में घर में रहें और परिवार के साथ इंजॉय करें। अफगानिस्तान के राशिद खान ने भी फैन्स को ईद की मुबारकबाद दी।

इरफान और कैफ ने भी फैन्स को मुबारकबाद दी: वहीं, पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा कि ईद आपके घर में खुशियां और प्यार लाए। वहीं, कैफ ने लिखा कि मैंने जब अखबार खोला, तो हर जगह दुखी कर देने वाली खबरें हैं। नदी में तैर रहे शव और गाजा में बच्चों का शव देखकर मन दुखी हो गया। टेबल टेनिस के लीजेंड चंद्रा भी अब नहीं रहे। दोस्त और पूर्व क्रिकेटर आरपी सिंह ने अपने पिता को खो दिया। ऐसे में ईद के त्योहर पर ऊपर वाला लोगों पर दया करे।

सचिन और युवराज ने भी ईद की बधाइयां दीं: पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईद के अवसर पर मैं आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों की कामना करता हूं। वहीं, युवराज सिंह ने लिखा कि जो यह त्योहार मना रहे हैं उन्हें मैं मुबारकबाद देता हूं। इस ईद सभी की जिंदगी से दुख और कष्ट दूर हो जाए, ऐसी कामना करता हूं। अपने घर में सुरक्षित रहिए।

फुटबॉलर ओजिल ने भी शुभकामनाएं दीं

जर्मनी के स्टार फुटबॉलर मेसुत ओजिल ने भी फैन्स को ईद की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारी दुआ और रोजे को ऊपर वाला स्वीकार करे। मैं उन लोगों के लिए प्रार्थना करूंगा, जो किसी वजह से ये त्योहार नहीं मना पा रहे हैं।

सानिया और शोएब ने भी लोगों का बधाइयां दीं: भारत की टेनिस स्टार सानिया मिर्जा और उनके पति शोएब मलिक ने भी लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। सानिया ने सोशल मीडिया पर लिखा - हम इस त्योहार पर उन लोगों के दुआ करते हैं, जो किसी वजह से दुखी और परेशान हैं। ऊपर वाला उनके दुख को कम करे और दुनिया में जल्द से जल्द खुशियां लौटाए। वहीं, शोएब ने लिखा - इस महामारी में हम सबके अच्छे की कामना करते हैं।